ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ
DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ऑपरेशन सिंदूर सीमा पार आतंकवाद को खत्म करने का एक अवसर था: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 17 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-135

पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर कारगर प्रहार के बाद भारत में सतर्कता

सीमा पर लगेंगे रेडियोधर्मिता जांचने वाले उपकरण

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दरम्यान पाकिस्तान के कई ठिकानों पर हुए कारगर हमले के बाद भारत सरकार ने एक बार फिर पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, चीन और नेपाल से लगने वाले सीमा क्षेत्र में रेडियोधर्मिता जांचने और रेडियोधर्मी पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए विकिरण पहचान उपकरण (रेडिएशन डिटेक्शन इक्विपमेंट) स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद परमाणु उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले रेडियोधर्मी पदार्थों की तस्करी का खतरा काफी बढ़ गया है। इसके पहले भी भारत सरकार ने सीमा क्षेत्र के आठ संवेदनशील क्रॉसिंग बिंदुओं की पहचान कर वहां विकिरण पहचान उपकरण (आरडीई) स्थापित करने का काम शुरू किया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब इसका और विस्तार दिया जा रहा है, इसके साथ ही रणनीतिक स्थानों पर एकीकृत चेक पोस्टों और भूमि बंदरगाहों पर आरडीई लगाए जाएंगे। सरकार ने आरडीई की आपूर्ति, स्थापना (इंस्टॉलेशन) और रखरखाव की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया है। आरडीई सुरक्षा एजेंसियों को सीमा पार कार्गो की आवाजाही पर नजर रखने और रेडियोधर्मी पदार्थों और प्राकृतिक रूप से होने वाले विकिरण की जांच में मदद करेगा।

रेडियोधर्मी पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए किए जा रहे उपाय

गृह मंत्रालय के एक आला अधिकारी ने बताया कि परमाणु उपकरण बनाने में रेडियोधर्मी पदार्थों की संभावित तस्करी की जांच करने के लिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के साथ लगने वाली भारत की सीमाओं पर आठ भूमि क्रॉसिंग बिंदुओं की पूर्व में पहचान की गई थी। कई स्थानों पर आरडीई की स्थापना भी हो गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई नए संवेदनशील पॉइंट्स की पहचान की गई है। पूर्व की पहचान के मुताबिक पंजाब में डेरा बाबा नानक और अटारी (पाकिस्तान सीमा), पश्चिम बंगाल में पेट्रापोल, त्रिपुरा में अगरतला और श्रीमंतपुर, असम में सुतारकंडी, मेघालय में दावकी (सभी बांग्लादेश सीमा पर), मणिपुर में मोरेह (म्यांमार सीमा), रक्सौल और जोगबनी (नेपाल) के एकीकृत चेक पोस्ट और भूमि बंदरगाहों पर आरडीई स्थापित करने का निर्णय लिया गया था।

उक्त अधिकारी ने कहा कि रेडियोधर्मी सामग्री की तस्करी भारत की सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक चुनौती हो सकती है, क्योंकि इसका इस्तेमाल परमाणु उपकरण या रेडियोलॉजिकल फैलाव उपकरण बनाने के लिए किया जा सकता है। आरडीई को ड्राइव-थ्रू मॉनिटरिंग स्टेशन में स्थापित किया जाएगा जो ट्रकों और उनके कार्गो की निगरानी करता है। भले ही पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों के कारण बॉर्डर से लोगों और सामानों की आवाजाही थमी है, लेकिन पाकिस्तान इसकी तस्करी के लिए अन्य रास्तों का इस्तेमाल कर सकता है।

▶10 पर

भुज वायु सेना स्टेशन पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ

ब्रह्मोस ने अंधेरी रात में पाकिस्तान को दिन दिखाया

भुज, 16 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज वायु सेना स्टेशन का दौरा किया। इस एयरबेस को पिछले सप्ताह पाकिस्तानी सेना की ओर से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, उनके नापाक मंसूबों पर भारतीय सशस्त्र बलों ने पानी फेर दिया था। राजनाथ की यह यात्रा जम्मू-कश्मीर की यात्रा, नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के एक दिन बाद हुई। भुज में उन्होंने कहा कि हमारे ब्रह्मोस की ताकत पूरी दुनिया ने देख ली है। पाकिस्तान पर हमारी मिसाइल कहर बनकर बरसी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को तो पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है। हमारे देश में एक कहावत काफी पुरानी है, दिन में तारे दिखाना। मगर भारत में बनी ब्रह्मोस

रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा का पर्दाफाश किया

मिसाइल ने दुश्मन को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया है। भारत के जिस एयर डिफेंस सिस्टम की तारीफ हर तरफ हो रही है, उसमें डीआरडीओ की ओर से बनाए गए आकाश और अन्य रडार सिस्टम की जबरदस्त भूमिका रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा, पहलगाम में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। मैं हमारे घायल सैनिकों के साहस को भी नमन करता हूं और ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों। हमारे देश की मजबूत भुजा भुज में आप सबके बीच आकर मुझे बड़ा गर्व हो रहा है। यह भुज, 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। यह भुज 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी बना है। इसकी मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है और यहां के जवानों में भारत की सुरक्षा का अडिग संकल्प। मैं आप सभी वायु योद्धाओं समेत, सशस्त्र बलों और बीएसएफ के सभी जांबाजों को सलाम करता हूं।

रक्षा मंत्री ने कहा, अभी कल ही मैं श्रीनगर में सेना के अपने वीर जवानों से मिलकर लौटा हूं। ▶10 पर

पाकिस्तान को ड्रोन देता है तुर्की के राष्ट्रपति का दामाद

भारत के एयरपोर्ट संभालती है तुर्की के राष्ट्रपति की बेटी

भारत की सुरक्षा से खिलवाड़ खत्म होगा

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान को बयारकतार ड्रोन की सप्लाई करने वाली कंपनी का मालिक सेल्कुक बयारकतार तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन का दामाद है। एर्दोगन की बेटी सुमेये एर्दोगन सेलिबि एविएशन कंपनी में हिस्सेदार है। यह कंपनी भारत के नौ प्रमुख हवाई अड्डों की ग्राउंड हैंडलिंग जैसे संवेदनशील काम संभालती रही है। भारत सरकार ने सेलिबि एविएशन कंपनी की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है। लिहाजा, सेलिबि एविएशन अब भारत में काम नहीं कर पाएगी। अजीबोगरीब तथ्य यह भी है कि पाकिस्तान समर्थन तुर्की की इस कंपनी को भारत के हवाई अड्डों की ग्राउंड हैंडलिंग का ठेका मुंबई के 26/11 हमले के बाद ही यूपीए की सरकार ने दिया था।

पाकिस्तान को तमाम किस्म के हथियारों की आपूर्ति करने से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसका साथ देने वाले तुर्की यानि तुर्किए (नया नाम) अब भारत में अपना व्यापार नहीं कर पाएगी। पाकिस्तान की बेजा हरकतों और आतंकवादी गतिविधियों को भी तुर्की समर्थन कर रहा है। पहलगाम में पाकिस्तानी करतूत के बाद अब देश के लोगों ने तुर्की और चीन के सामान की खरीद-बिक्री के खिलाफ हल्ला बोल दिया है। जनता के इस तेवर को देखते हुए भारत सरकार ने भी दिल्ली और मुंबई समेत 9 एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग काम काम संभालने वाली तुर्की की कंपनी सेलिबि एविएशन का सिक्योरिटी क्लीयरेंस रद्द कर दिया है। सेलिबि कंपनी में तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की बेटी का मालिकाना हिस्सा है। अर्दोगन पाकिस्तान के कट्टर समर्थक के रूप में दुनिया में बदनाम हुए हैं।

सेलिबि एविशन कंपनी का सुरक्षा लाइसेंस खारिज

तुर्की से व्यापार/पर्यटन खत्म करने की मांग तेज

सेलिबि एविएशन भारत में मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद सहित नौ एयरपोर्ट्स पर बैगेज हैंडलिंग, रैंप सर्विस, कार्गो हैंडलिंग जैसी सेवाएं देती रही है। भारत के हवाई अड्डों के प्रबंधन (ग्राउंड हैंडलिंग) का काम करने वाली तुर्की की कंपनी सेलिबि एविएशन अब भारत में काम नहीं कर पाएगी। भारत सरकार ने इसकी सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी है। यह निर्णय ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्युरिटी (बीसीएएस) विभाग ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर लिया है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत शुरू हुई कार्रवाई में तुर्की ने पाकिस्तान का साथ दिया और उसे हथियारों के कई खेप भेजे। तुर्की ने वह ड्रोन भी सप्लाई किए थे, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत पर हमले में किया। इसे लेकर भारत के लोगों में तुर्की के प्रति गहरी नाराजगी है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर तत्काल प्रभाव से तुर्की की कंपनी सेलिबि की सुरक्षा मंजूरी रद्द की जाती है। सेलिबि एविएशन में तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की बेटी की हिस्सेदारी है।

पाकिस्तान के साथ संघर्ष में तुर्की भारत के खिलाफ खड़ा था, जिससे पूरे देश में तुर्की के खिलाफ आक्रोश है। भारत के व्यापारी और आम जनता तुर्की से सेब खरीदने से लेकर पर्यटन तक सभी चीजों का विरोध कर रहे हैं। देशभर में तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार का अभियान चल रहा है। भारत के कई शहरों में एर्दोगन के पुतले भी जलाए जा रहे हैं। सैकड़ों भारतीय यात्री तुर्की और अजरबैजान की यात्रा रद्द कर रहे हैं। भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी मेकमाईट्रिप के मुताबिक, अजरबैजान और तुर्की के लिए बुकिंग में 80 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि सिर्फ एक हफ्ते में कैंसिलेशन में 250 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर का दुनियाभर में संदेश देगी सरकार

सभी दलों के नेता भारत के दूत बन कर जाएंगे

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत कूटनीतिक कदम आगे बढ़ा रहा है। मोदी सरकार अब ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचाना चाहती है। जिसके लिए केंद्र सरकार आने वाले दिनों में कई देशों में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रही है। इसके लिए सरकार ने कई विपक्षी सांसदों से सम्पर्क किया है और उन्हें विश्व की राजधानियों में भेजी जाने वाली टीमों का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। सरकार विदेशों में विशेष दूत भेजने पर विचार कर रही है, ताकि दुनिया को यह बताया जा सके कि भारत किस तरह एकजुट है और भारत के लोगों ने किस तरह पहलगाम में आतंकवादी हमले को झेला है। सरकार अलग-अलग समूह बनाने के बारे में सोच रही है। मुख्य रूप से संसदीय स्थायी समितियों से इसकी शुरुआत होगी। प्रतिनिधियों को सबसे पहले यूरोप और खाड़ी देशों में भेजा जाएगा।

ओवैसी, थरूर, सलमान समेत कई नेता जाएंगे विदेश

विदेश मंत्रालय लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों के साथ मिलकर इस अभियान में शामिल होने वाले सांसदों की सूची तैयार कर रहा है। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि प्रभावी ढंग से यह संदेश दिया जाए कि भारत पर पहले हमला हुआ था, और उसने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए। इसी प्रकार के अभ्यास 1994 में तथा पुनः 2008 में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों और नेटवर्कों द्वारा भारत पर किए गए हमलों के बाद किए गए थे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई विपक्षी सांसदों को फोन करके राष्ट्रीय हित में प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। सरकार जिन सांसदों के संपर्क में है, उनमें कांग्रेस के शशि थरूर और सलमान खुर्शीद, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले , टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, डीएमके की कनिमोझी और भाजपा के बीजे पांडा शामिल हैं। सलमान खुर्शीद पूर्व विदेश मंत्री हैं, जबकि शशि थरूर विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। ▶10 पर

भारत की अर्थव्यवस्था पर अनिश्चितता का असर नहीं

न्यूयॉर्क, 16 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। जनवरी 2025 में यह अनुमान 6.6 प्रतिशत था। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना गया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट 2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं में दी गई है, जिसे 16 मई को जारी किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से मजबूत घरेलू खपत और सरकारी निवेश का समर्थन मिला है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र का निर्यात भी आर्थिक विकास को मजबूती देता रहा है। ▶10 पर

मथुरा में कॉरिडोर की स्थापना को सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी

बांके बिहारी कॉरिडोर की बाधाएं समाप्त

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बांके बिहारी मंदिर के आसपास कॉरिडोर बनाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर के लिए जमीन खरीदने को अनुमति दे दी है। इसके लिए मंदिर के आसपास की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। यह कॉरिडोर 500 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने जमीन खरीदने के लिए मंदिर के एफडी में जमा पैसे का इस्तेमाल करने की अनुमति भी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस पैसे का इस्तेमाल मंदिर के आसपास की पांच एकड़ जमीन खरीदने के लिए कर लिया जाए लेकिन जमीन को भगवान के नाम पर ही रजिस्टर करवाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, उत्तर प्रदेश सरकार ने कॉरिडोर विकसित करने के लिए 500 करोड़ से अधिक खर्च करने का बीड़ा उठाया है। हालांकि, वे जमीन खरीदने के लिए मंदिर का पैसा इस्तेमाल करना चाहते हैं, जिसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 08.11.2023 के आदेश द्वारा अस्वीकार कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम उत्तर प्रदेश सरकार को यह योजना पूरी तरह से लागू करने की अनुमति देते हैं। बांके बिहारी जी ट्रस्ट के पास देवता/मंदिर के नाम पर एफडी जमा है। राज्य सरकार को प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के लिए सावधि जमा में पड़ी राशि का उपयोग करने की अनुमति है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले को पलट दिया। हाईकोर्ट ने कहा था कि जमीन खरीदने के लिए होने वाला खर्च उत्तर प्रदेश सरकार को स्वयं वहन करना होगा। वहीं योगी सरकार ने कुछ कानूनी समस्याओं के चलते इस खरीद के लिए मंदिर के पैसे का इस्तेमाल करने को कहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान इस बात पर भी जोर दिया कि सिर्फ बांके बिहारी मंदिर डेवलपमेंट बोर्ड के अलावा बाकी संस्थाएं भी इस विकास के लिए जोर लगाएं।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार काशी कॉरिडोर की तर्ज पर मथुरा में भी कॉरिडोर बनाना चाह रही है। यह कॉरिडोर तीन हिस्सों में होगा और इसमें बांके बिहारी मंदिर के अलावा भी कई मंदिर शामिल किए गए हैं। कॉरिडोर बनने के बाद यहां 10 हजार से अधिक श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर सकेंगे। अभी हर बार मथुरा में बड़े मौकों पर भीड़ जमा हो जाती है और कई बार भगदड़ जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है।

वक्फ कानून के खिलाफ नई याचिकाएं मंजूर नहीं होंगी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के खिलाफ दायर की गई नई याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर कोई अखबार में अपना नाम चाहता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ लंबित याचिकाओं पर 20 मई को सुनवाई करेगी।

याचिका खारिज करने का फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हर कोई अखबार में अपना नाम चाहता है। अब ऐसी कोई भी याचिका सुनवाई के लिए आएगी तो उसे खारिज कर दिया जाएगा। पीठ ने कहा है कि वह 20 मई को तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के लिए दलीलें सुनेगी। ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मोदी को आतंकवाद विरोधी अभियान का इस्तेमाल राजनीति के लिए नहीं करना चाहिए : गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवाद विरोधी अभियान का इस्तेमाल राजनीति के लिए नहीं करना चाहिए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने पहलगाम हमले और उसके बाद उठाए गए कदमों के बारे में स्पष्ट जवाब मांगा है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूरा देश आतंकवाद विरोधी अभियान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रुख के प्रति समर्थन व्यक्त करेगा। लेकिन प्रधानमंत्री किसी भी मुद्दे पर लोगों को स्पष्ट रूप से नहीं बता रहे हैं। उन्होंने लोगों को अंधेरे में रखने का आरोप लगाया। जिन मुद्दों को देश तक पहुँचाने की जरूरत है, उन्हें बिना राजनीति के पहुँचाया जाना चाहिए। पाकिस्तान ने पांच भारतीय विमानों को मार गिराने का दावा किया है।

लोगों को यह जानने की जरूरत है कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकवादी क्या करने वाले थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सवालों का जवाब देना चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति हर दिन मीडिया को जवाब देते हैं। मोदी सिर्फ इसलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करेंगे क्योंकि मीडिया उनके स्वामित्व में है। उसे किसी की परवाह नहीं है। हम तो बस इतना जानते हैं कि मोदी टीवी पर बैठकर एकतरफा भाषण देते हैं। मोदी बहुत बड़े झूठे हैं, झूठ गढ़ने में सक्षम हैं। इसके बारे में कोई संदेह नहीं है। लेकिन जब बात देश की आती है तो आपसी विश्वास और पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा काम करना चाहिए जिससे विपक्षी दलों और देश की जनता का विश्वास अर्जित हो सके। यदि आतंकवाद-रोधी अभियान में कोई कठिनाई आती है, तो हम उनसे निपट सकते हैं। लेकिन तथ्यों को छिपाना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या 56 इंच की छाती वाले प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन से डरते हैं। ट्रम्प कह रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम करवाया। हमारे प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर पहले घोषणा करनी चाहिए थी। अमेरिकी हस्तक्षेप को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि कुछ भी नहीं हो रहा है। दिनेश गुंडू राव ने प्रधानमंत्री द्वारा तुर्की की इस बात के लिए आलोचना करने पर आपत्ति जताई कि उसने पाकिस्तान द्वारा चीनी हथियारों के इस्तेमाल पर कोई आपत्ति नहीं जताई। मध्य प्रदेश के भाजपा सरकार में मंत्री के कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए बयान पर कोर्ट ने नाराजगी जताई है। इन भाजपा वालों को क्या हो गया है? उन्होंने आलोचना की कि वे हर चीज में हिंदू-मुस्लिम ढूंढते हैं।

हमारा अज्ञान ही हमारे भव भ्रमण का कारण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी दिव्ययशा श्री जी ने कहा कि हमारा अज्ञान ही हमारे भव भ्रमण का कारण है। यह मनुष्य भव अत्यंत दुर्लभ है। प्रभु की वाणी पर हमारी अटूट श्रद्धा है और यही वाणी हमे मनुष्य भव की दुर्लभता का बोध भी देती है। किंतु मोह वश हम अपने उद्देश्य को भूल जाते हैं और संसार के माया जाल में व्यस्त हो जाते हैं।

दिव्ययशा श्री ने आगे कहा कि हम साधना में क्रिया और भाव का महत्व और अंतर समझें। कोइ भी साधक पूरे दिन क्रिया नहीं कर सकता है, किंतु शुद्ध भावों में रह सकता है। इतिहास में ऐसे कई साधक हैं जिन्होंने कभी सामायिक भी नहीं की किंतु भावों को विशुद्ध कर सिद्धि प्राप्त कर ली। हम अपने को बाह्य वेष में न उलझाएं बल्कि दुर्गुणों को दूर करने में ऊर्जा लगाएं। प्रभु की वाणी सत्य है। उनका विवेचन भिन्न हो सकता है। विवेचन में सत्य होना चाहिए। इस से पहले साध्वी कंचनकंवर जी का अलसूर महावीर भवन पहुंचने पर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अगवानी की। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि साध्वी जी के सान्निध्य में रविवार को दौड़नीकुंडी गौशाला परिसर में उपाध्याय श्री केवलमुनि जी का स्मृति दिवस मनाया जाएगा।

बैंक लॉकर से सोने के आभूषण चोरी, दो बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बसवेश्वर नगर पुलिस ने दो बैंक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक महिला बैंक सहकर्मी के साथ मिलकर बैंक लॉकर से सोने के आभूषण चुराए थे और 16 लाख रुपये बरामद किए हैं। उन्होंने 170 ग्राम सोने के आभूषण जब्त किए, जिनकी कीमत 25 लाख रुपये है। ब्यादराहल्ली निवासी एक व्यक्ति, जो बसवेश्वर नगर स्थित एक बैंक में प्रबंधक है, ने बैंक की लॉकर सुविधा का लाभ उठाया है। उस लॉकर में उन्होंने सोने के गहने, बैंक चेकबुक, डिग्री प्रमाण पत्र, मार्कशीट और अन्य दस्तावेज रखे थे। पिछले साल दिसंबर में जब लॉकर की जांच की गई तो वहां केवल दस्तावेज थे और 200 से 250 ग्राम आभूषण गायब थे। उन्होंने पुलिस में शिकायत की और संदेह जताया कि बैंक में उनके ही किसी सहकर्मी ने चोरी की है। पुलिस ने जांच के दौरान विभिन्न कोणों से जानकारी जुटाई और एनजीओएस कॉलोनी, कमला नगर से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने महिला बैंक कर्मचारी के साथ मिलीभगत कर चोरी करने की बात कबूल की। आरोपी ने बताया कि उसने महिला बैंक कर्मचारी के साथ मिलकर बैंक की चाबियों का इस्तेमाल कर लॉकर खोला, गहने चुराए और फिर लॉकर को फिर से उसी तरह बंद कर दिया। दोनों ने बताया कि आभूषण चुराने के बाद उन्होंने उसे अग्रहारा दशरहल्ली में एक आभूषण की दुकान पर बेच दिया। उनकी जानकारी के अनुसार, इंस्पेक्टर चिक्कास्वामी और उनके स्टाफ की टीम ज्वेलरी की दुकान से 170 ग्राम आभूषण जब्त करने में सफल रही।

मैसूरु में हजारों लोग भारतीय सैनिकों को सलामी देने के लिए तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शुक्रवार को शहर तिरंगे से सराबोर था, क्योंकि हजारों नागरिक विभिन्न क्षेत्रों से तिरंगा यात्रा में भाग लेने के लिए एकत्र हुए थे, जो पाकिस्तान के साथ हाल की शत्रुता के दौरान राष्ट्र की रक्षा करने वाले भारतीय सैनिकों के सम्मान और उनके साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए आयोजित की गई थी।

सभी की निगाहें राष्ट्रीय ध्वज पर थीं, जो एक छोर से दूसरे छोर तक लगभग 500 मीटर तक फैला हुआ था और मार्च में भाग लेने वाले प्रतिभागियों द्वारा इसे ऊपर उठाया गया था। तिरंगा यात्रा देश भर में विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग तिथियों पर एक गैर-पार्टी कार्यक्रम के रूप में आयोजित की जाती है। मैसूरु में कार्यक्रम की शुरुआत फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद हुई। इस कार्यक्रम में राजनीतिक और धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर लोगों ने भाग लिया, जिसमें पूर्व सैनिक, छात्र, आध्यात्मिक नेता और अन्य आम नागरिक शामिल थे। मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने सभा को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि तिरंगा यात्रा कोई पार्टी इवेंट नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैनिकों के साथ नागरिकों की एकजुटता की अभिव्यक्ति है। हम आभारी हैं कि इतने सारे धार्मिक नेता इस प्रयास में शामिल हुए हैं। संदेश स्पष्ट है यदि आप भारत पर हमला करते हैं, तो कड़ी प्रतिक्रिया की उम्मीद करें। भारत शांतिप्रिय है, लेकिन दृढ़ है। यहां आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। लोगों को बेचैन करने वाली भीषण गर्मी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, यदुवीर ने सभा को उन कठोर और चरम स्थितियों पर विचार करने की याद दिलाई, जिनमें भारतीय सैनिक रोजाना सेवा करते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, सुत्तुर मठ के सीर शिवरात्रि देशिकेंद्र स्वामी ने पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा हाल ही में किए गए हमले की निंदा की, इसे घृणित और शैतानी मानसिकता से उपजा कृत्य बताया। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की त्वरित और दृढ़ प्रतिक्रिया की प्रशंसा की और कहा कि शांति और सौहार्द को बाधित करने वाली किसी भी ताकत से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। संत ने कहा कि सैनिकों को दैनिक प्रार्थना में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि वे विषम परिस्थितियों में, यहां तक कि शून्य से भी कम तापमान पर, मौन बलिदान देते हैं, ताकि नागरिक शांति से रह सकें।

ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के चुनाव के लिए चार महीने में रास्ता साफ हो जाएगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक सरकार चार महीने में नवगठित ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के चुनाव कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं कर लेगी। मैसूरु में पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार, जो बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने कहा कि सरकार जल्द ही प्राधिकरण के आरक्षण और विभाजन के मुद्दों को उठाएगी। उन्होंने कहा, चुनाव कराए जाने हैं। उन्हें टालने का कोई मतलब नहीं है। चार महीने के भीतर चुनाव कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली जाएंगी। जल्द ही एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी और प्राधिकरण के विभाजन सहित विभिन्न मुद्दों पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से सुझाव मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने विधानमंडल में सत्तारूढ़ दल के साथ सहयोग किया है और ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण विधेयक पर अपने सुझाव भी दिए हैं। एक कैबिनेट उप-समिति भी बनाई गई है और विपक्षी नेताओं द्वारा दिए गए अधिकांश सुझावों को शामिल किया गया है। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या इस साल जीबीए के चुनाव कराए जाएंगे, तो उन्होंने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा हम सभी को विश्वास में लेंगे। उन्होंने कहा हमने चुनाव जल्दी कराने का फैसला किया है। हालांकि जीबीए में नए क्षेत्रों को शामिल किया जाना था, लेकिन सरकार ने नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे अन्य स्थानीय निकायों की अनुमति लेने से होने वाली देरी से बचने के लिए इस मुद्दे को नहीं उठाया। उन्होंने कहा हम नए क्षेत्रों को बाद में जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा क्षेत्रों के आधार पर जीबीए के निर्माण की अधिसूचना जारी की गई है। विधायकों की ओर से की जा रही जोरदार पैरवी और वित्तीय बाधाओं के कारण कर्नाटक ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी को 709 वर्ग किलोमीटर तक सीमित करने पर मजबूर हो सकता है।

जी.बी.ए. के निर्माण पर विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक द्वारा की गई आलोचनात्मक टिप्पणियों के संबंध में, शिवकुमार ने कहा कि विपक्षी नेता पहले भी अपनी आपत्तियां उठा सकते थे। उन्होंने कहा कि जब इस मामले पर विधानमंडल में चर्चा हुई थी, तब विपक्षी नेताओं ने सुझाव दिए थे। शिवकुमार ने कहा कि विपक्षी नेता जी.बी.ए. के खिलाफ इसलिए बोल रहे हैं, क्योंकि वे विपक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि अशोक बेंगलूरु के एक महत्वपूर्ण नेता हैं और सरकार उनके विचारों का सम्मान करेगी। रामनगर जिले का नाम बदलने के मुद्दे पर, शिवकुमार ने कहा कि इस प्रक्रिया में कोई देरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा सभी प्रक्रियाएं चल रही हैं और इस संबंध में एक शुभ मुहूर्त पर घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि नाम बदलने की प्रक्रिया कानून के तहत की जाएगी। इस बीच शिवकुमार ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष और दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की कांग्रेस पार्टी की मांग दोहराई। उन्होंने दावा किया कि दूसरे देश भारत के मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और देश ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय से इस तरह के हस्तक्षेप को कभी बर्दाश्त नहीं किया। इसलिए, इस मामले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र आयोजित किया जाना चाहिए।

कोप्पल में बलदोटा स्टील प्लांट पर अंतिम फैसला रिपोर्ट की समीक्षा के बाद: सीएम

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कोप्पल में बलदोटा स्टील प्लांट पर अंतिम फैसला डिप्टी कमिश्नर की रिपोर्ट की समीक्षा के बाद लिया जाएगा। उन्होंने यह घोषणा विजयनगर जिले के होसपेट में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में की, जब पत्रकारों ने उनका ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद प्रस्तावित प्लांट पर काम जारी है।

अवैध खनन मामले में हैदराबाद में सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा सात साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद गंगावती विधायक जी. जनार्दन रेड्डी की अयोग्यता के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धरामैया ने कहा कि रेड्डी की सात साल की जेल की सजा ने उन्हें विधानसभा की सदस्यता से स्वतः ही अयोग्य घोषित कर दिया। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि कांग्रेस गंगावती में आगामी उपचुनाव जीतेगी। लोग हमारी सरकार की उपलब्धियों और प्रतिबद्धता से अच्छी तरह वाकिफ हैं। अवैध खनन के प्रति अपने लंबे समय से चले आ रहे विरोध को दोहराते हुए और विपक्ष के नेता के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान बेंगलूरु से बल्लारी तक की अपनी पदयात्रा को याद करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि अवैध खनन में शामिल लोगों को दंडित किया जाना चाहिए और ऐसी गतिविधियाँ बंद होनी चाहिए। रेड्डी के इस दावे को खारिज करते हुए कि उन्होंने 2023 में विधानसभा चुनाव जीतने में मदद की थी, मुख्यमंत्री ने इसे पूरी तरह से झूठा बयान कहा। उन्होंने कहा रेड्डी भाजपा से हैं। मैं उनकी कैसे मदद कर सकता हूँ? मैं अपने पूरे राजनीतिक जीवन में लगातार भाजपा और आरएसएस की विचारधारा का विरोध करता रहा हूँ। इस आरोप का जवाब देते हुए कि सरकार की गारंटी योजनाएँ लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँच रही हैं, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि योजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है। पिछले साल की तरह, मौजूदा बजट में भी योजना के लिए पर्याप्त धन आवंटित किया गया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अम्बेश गुरु सेवा समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में मेवाड़ संघ शिरोमणि अम्बालाल महाराज का जन्म जयंती समारोह बेंगलूरु में विराजित समस्त संत सतिवृंद के सानिध्य में मेवाड़ भवन यशवंतपुर में आगामी 1 जून को तप त्याग द्वारा मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष लादुलाल ओस्तवाल के नेतृत्व में सह मंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष राजेंद्र कोठारी व अन्य ने पंडित रत्न ज्ञानमुनि, उप प्रवर्तक पंकजमुनि, अरिहंत आराधिका साध्वी कंचन कंवर, साध्वी रत्ना ऋद्धिश्री की समारोह में सानिध्य प्रदान करने के लिए विनती रखी।

पति ने की अपनी पत्नी की हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बानसवाड़ी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक घटना घटी, जिसमें एक पति ने अवैध संबंध के संदेह में अपनी पत्नी की बढ़ईगीरी में इस्तेमाल होने वाली छेनी से हत्या कर दी। मृतका की पहचान सुब्बैयन पाल्या की रहने वाली कलैवानी (47) के तौर पर हुई है। उसके पति रमेश को घर का काम करने वाली कलैवानी पर संदेह था और वे अक्सर झगड़ते रहते थे। लकड़ी का काम कर रहे बढ़ई रमेश का सुबह करीब 4 बजे अपनी पत्नी से झगड़ा हो गया, उसने लकड़ी का काम करने वाली छेनी से उसकी बांह पर वार कर दिया, उसकी हत्या कर दी और घटनास्थल से फरार हो गया। खबर मिलने पर बानसवाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची, जांच की, मामला दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू की।

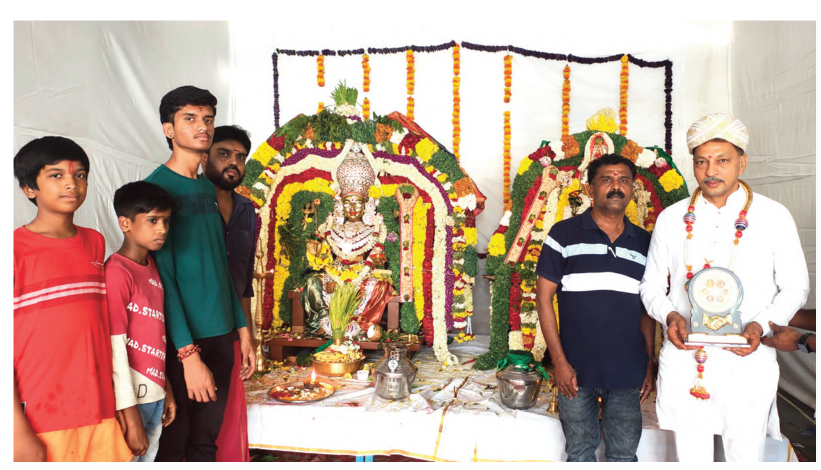

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पंचमुखी कन्नड़ा गेलेयारा बलगा कविका लेआउट द्वारा अन्नम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेन्द्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

ऑपरेशन सिंदूर सीमा पार आतंकवाद को खत्म करने का एक अवसर था: सीएम

आतंकवादियों को नष्ट करने का एक वैध अवसर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा हवाई हमलों के रूप में ऑपरेशन सिंदूर को सही ठहराते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि यह ऑपरेशन आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने का एक अवसर था। जब राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है, तो हम चुप नहीं रह सकते। प

हलगाम हमले में 26 लोग मारे गए। हम इस घटना से बहुत दुखी हैं। पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह और समर्थन देना जारी रखता है।

भारत का ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ एक आवश्यक उपाय था। भारत के पास इसके जरिए आतंकवादियों को नष्ट करने का एक वैध अवसर था। मुख्यमंत्री कर्नाटक में कांग्रेस शासन के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक सार्वजनिक रैली, साधना समावेश की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए होसपेटे जा रहे थे। भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध पर उनके पिछले बयान के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धरामैया ने स्वीकार किया कि उन्होंने कहा था कि यदि संभव हो तो युद्ध से बचना चाहिए, लेकिन यदि अपरिहार्य हो तो युद्ध छेड़ दिया जाना चाहिए। मैंने कभी भी आवश्यक सैन्य कार्रवाई का विरोध नहीं किया। जब राष्ट्रीय सुरक्षा दांव पर होती है और हमारी संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो हमें निर्णायक रूप से जवाब देना चाहिए।

युद्ध से बचने के बारे में मेरे शब्दों को प्रमुखता दी गई, जबकि मेरे बड़े मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया। बाद में, यह दर्शाया गया कि मैं पूरी तरह से युद्ध के खिलाफ था। मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। जब राष्ट्रीय रक्षा की बात आती है, और जब कोई हमें उकसाता है, तो हम चुप नहीं रह सकते। हमें युद्ध छेड़ना चाहिए। हमें अपनी एकता बनाए रखने की जरूरत है। यही कारण है कि जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी, तो पूरा देश एकजुट हो गया। भारत और पाकिस्तान के बीच सशस्त्र संघर्ष को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम समझौते के बारे में अंतरराष्ट्रीय नेताओं द्वारा 'असंगत बयानों' की ओर इशारा करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि इस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शुरुआती बयान अधिक विश्वसनीय प्रतीत होते हैं।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहले ही युद्ध विराम के बारे में बात कर चुके हैं। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गुरुवार का बयान अलग हैं। मेरा मानना है कि ट्रंप के शुरुआती बयान में ज्यादा सच्चाई है।

उन्होंने ट्रंप के युद्ध विराम समझौते में मध्यस्थता करने के बार-बार किए गए दावों का परोक्ष रूप से जिक्र किया। ऑपरेशन सिंदूर पर कुछ कांग्रेस विधायकों की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए, सिद्धरामैया ने अलग-अलग राय व्यक्त करने के उनके अधिकार का बचाव किया। उन्होंने कहा यहां तक कि भाजपा नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस एक्ट, 2024 के खिलाफ भाजपा नेत-ाओं की आलोचना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा ने बेंगलूरु को तीन प्रशासनिक प्रभागों में विभाजित करने की प्रक्रिया तब शुरू की थी, जब एस. सुरेश कुमार भाजपा सरकार में शहरी विकास मंत्री थे।

अफ्रीकी नागरिक गिरफ्तार, 4 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीसीबी पुलिस ने एक अफ्रीकी नागरिक को गिरफ्तार किया है जो कॉलेज के छात्रों, आईटी-बीटी कर्मचारियों और स्थानीय ग्राहकों को ड्रग्स बेच रहा था और उसके पास से 4 करोड़ रुपये के बहुमूल्य ड्रग्स जब्त कर ली गई है। सीसीबी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पुलिस को सूचना मिली थी कि सोलाद-वनहल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अच्युतनगर में एक घर में दो विदेशी नागरिक रह रहे हैं और एमडीएमए और क्रिस्टल मेथामफेटामाइन बेच रहे हैं। विशिष्ट सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीसीबी पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया और बाद में मौके पर पहुंचकर एक विदेशी नागरिक को हिरासत में लिया, उससे पूछताछ की और 2 किलो 585 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया। एमडीएमए क्रिस्टल, एक दोपहिया वाहन और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया, जिसका अनुमानित मूल्य 4 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि आरोपी बिजनेस वीजा पर भारत आया था और अपने देश वापस नहीं लौटा तथा शहर में ही रह रहा था। छापेमारी के दौरान एक अन्य विदेशी नागरिक फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। यह ऑपरेशन सीसीबी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मियों की एक टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

मेंगलूरु कादरी पार्क में तीन दिवसीय आम मेला शुरू

मंत्री ने किया उद्घाटन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने जिला पंचायत और बागवानी विभाग के सहयोग से शुक्रवार से रविवार तक कादरी पार्क में 'किसानों से उपभोक्ताओं तक सीधी बिक्री' थीम पर तीन दिवसीय आम मेला आयोजित किया है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार को जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव और एमएलसी इवान डिसूजा ने किया। मेले में कुल 20 पात्र व्यापारियों को आम और उससे जुड़े उत्पाद बेचने का अवसर दिया गया है।

इस मेले में अल्फांसो, बादामी, मल्लिका, रसपुरी, मालगोवा, सेंदुर, कल्पद, तोतापुरी, बेंगनपल्ली और शुगर बेबी सहित उच्च गुणवत्ता वाले, प्राकृतिक रूप से पके आमों की एक विस्तृत विविधता है। दिनेश गुंडू राव ने कहा मेंगलूरु में तीन दिवसीय आम उत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसे पिछले कुछ वर्षों में लोगों की ओर से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, और इस साल यह और भी बड़ा होने वाला है, जिसमें आमों की एक विस्तृत श्रृंखला होगी - अल्फांसो, बादामी, मल्लिका, दुर्लभ संकर और यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय किस्में भी। सभी आम प्राकृतिक रूप से उगाए जाते हैं और पूरी तरह से जैविक होते हैं, जिन्हें रामनगर, श्रीरंगपटना, कोलार, खानकपुर और मगदी जैसे क्षेत्रों के किसानों से सीधे प्राप्त किया जाता है। इसमें कोई बिचौलिया शामिल नहीं होने के कारण, ग्राहकों को बाजार से कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाले आम मिलते हैं, और किसानों को उचित लाभ मिलता है। यह लोगों के लिए हमारे किसानों का समर्थन करते हुए ताजे, प्रामाणिक आमों का आनंद लेने का एक शानदार अवसर है।

मंत्री प्रियांक खड़गे ने सीईओ से कमजोर ग्राम पंचायतों को गोद लेने का किया आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने राज्य के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से आह्वान किया है कि वे जिलों में सबसे कमजोर ग्राम पंचायतों का चयन करें और उनके समग्र विकास के लिए कायाका ग्राम योजना के तहत उन्हें गोद लें।

मंत्री जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के इंजीनियरों को संबोधित कर रहे थे, जो ग्रामीण कर्नाटक में पेयजल आपूर्ति की स्थिति पर ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग द्वारा बेंगलूरु में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग ले रहे थे। इस बार गांवों में सतत जल और बिजली उपलब्ध कराने के महान सपने को साकार करने की दिशा में पहला कदम उठाया गया है। जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को गांवों के सुधार और आर्थिक स्थिरता के बारे में स्वतंत्र रूप से सोचना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यटन स्थलों पर ग्राम पंचायत की संपत्तियों को आय-उत्पादक संपत्ति बनाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने भारत में पंचायत संस्थाओं के बीच कर्नाटक द्वारा अपनाई गई प्रथाओं को मान्यता दी है और उसे प्रथम स्थान दिया है। इस बार 100 ग्राम पंचायतों को 1271 करोड़ रुपये आवंटित किये गये। इसे संपत्ति कर संग्रह के माध्यम से सबसे अधिक कर संग्रह करने का गौरव प्राप्त है। मंत्री ने इन दोनों उपलब्धियों के लिए जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की सराहना की। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव एल.के. अतीक ने कहा कि राज्य में नदी जल स्रोतों पर निर्भर बहु-ग्रामीण पेयजल परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं तथा वर्षा ऋतु के अलावा अन्य समय में नदियों में जल प्रवाह कम होने के कारण निरन्तर जलापूर्ति बाधित होने की सम्भावना बनी रहती है। पानी के रिसाव के कारण जल संदूषण की संभावना बहुत अधिक है। पानी की नियमित रूप से जांच की जानी चाहिए और आपूर्ति की जानी चाहिए क्योंकि इससे लोगों में बीमारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्य अभियंता एजाज हुसैन ने राज्य में जल जीवन मिशन परियोजना के कार्यान्वयन और प्रगति के बारे में जानकारी प्रदान की। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका के प्रोफेसर रॉबर्ट होवे ने डीएसएस कार्यान्वयन और परिचालन प्रशिक्षण तथा अगले कदमों से प्राप्त अंतर्दृष्टि पर प्रस्तुति दी। टाइम ग्लोबल के तकनीकी प्रमुख डंकन मैक्सिक होल ने डीएसएस और उपयोग डेटा आवश्यकताओं, प्रबंधन कार्यों और अनुबंध निगरानी के लिए रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज ने भाग लिया।

सुहास शेट्टी हत्याकांड की पुलिस जांच पर हमें पूरा भरोसा: दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा हमें अपनी पुलिस पर पूरा भरोसा है जो बाजपे में सुहास शेट्टी की हत्या की जांच कर रही है। भाजपा मामले को एनआईए और सीबीआई को सौंपने का राग अलाप रही है। यह भाजपा की राजनीतिक दुर्भावना है। हमें अपनी पुलिस पर पूरा भरोसा है। चाहे वह पीएफआई हो या कोई और, हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्या स्थानीय सांसद ने राजनीति में शामिल होने के बजाय एक बार भी हमारी पुलिस की प्रशंसा की है? पुलिस कर्मियों द्वारा दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को रात में जल्दी बंद करने के लिए कहने के बारे में पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा, एहतियाती उपाय के तौर पर, पुलिस ने कुछ सुरक्षा उपाय किए हैं। कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष के रूप में एक पूर्व उपद्रवी को नियुक्त करने के बारे में पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा सुहास शेट्टी का

उपद्रवी होना एक अलग मुद्दा है। यह एक अलग मामला है। हरीश इंजादी पूर्व उपद्रवी थे। सुधार के मामले भी हो सकते हैं। क्या हमें उन्हें हमेशा उपद्रवी के नजरिए से ही देखना चाहिए? क्या हम यह कह सकते हैं कि सभी उपद्रवी कभी नहीं सुधर सकते? किसी को हमेशा उपद्रवी करार देते रहना सही नहीं है। यहां तक कि मुझे भी चयन प्रक्रिया पर आपत्ति है। मैं कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव के तरीके और चयन प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं हूं। हम भविष्य में इस मामले की समीक्षा करेंगे।

ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने मंत्रियों को

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में गलत सूचना फैलाने का काम सौंप दिया है: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा है कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने मंत्री को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में गलत सूचना फैलाने का काम सौंपा है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस सिंदूर ऑपरेशन के बारे में बकवास कर रही है। वे पूछते हैं कि उन्होंने लड़ना क्यों बंद कर दिया? अन्य लोग कह रहे हैं कि उन्होंने केवल चार उड़ानें भरीं। उन्होंने मंत्री संतोष लाड, प्रियांक खड़गे, दिनेश और विधायक कोट्टूर मंजूनाथ पर ऑपरेशन सिंदूर के बारे में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस के भीतर सिंदूर को लेकर दुविधा है। जब देश भर में युद्ध छेड़ने के लिए कहा गया तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने युद्ध के लिए मना कर दिया। इसके बाद सिद्धरामैया ने अपने माथे पर केसर की एक बड़ी मात्रा लगाई। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सैनिकों की प्रशंसा की।

सिद्धरामैया अब यह गलत सूचना क्यों फैला रहे हैं कि सिंदूर ऑपरेशन का श्रेय सेना को जाना चाहिए? क्या यह आपकी प्रचार सेना के बारे में है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे देश को सारी आजादी दे दी है। उन्होंने पाकिस्तान जाने वाले सिंधु नदी के पानी को रोक दिया। उन्होंने दुनिया को बताया कि पाकिस्तान आतंकवाद को प्रायोजित करने वाला देश है। उन्होंने 9 आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया और सैकड़ों आतंकवादियों को नरक में भेज दिया। मुंबई ताज होटल हमला, वाराणसी विस्फोट, ट्रेन विस्फोट, मालेगांव विस्फोट, अहमदाबाद बम विस्फोट, दिल्ली बम विस्फोट और पुणे बम विस्फोट होने पर क्या कार्रवाई की गई? कौन सी सर्जिकल स्ट्राइक की गई? उस समय कांग्रेस को ऐसा नहीं लगता था कि आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए। अब आप जो महसूस कर रहे हैं उसके पीछे क्या कारण है? आतंकवाद की जड़ डीएनए में है और उस डीएनए को उखाड़ फेंकना होगा। वोट बैंक के लिए इस डीएनए को कौन पोषित कर रहा है? मेरे भाई कौन हैं? ये वही कांग्रेसी हैं जिन्होंने भाजपा द्वारा सर्जिकल मास्क बनाने पर मदद मांगी थी। अब भारत ने पाकिस्तानी आतंकवादियों पर अपने हमलों के सबूत वैश्विक स्तर पर दे दिए हैं। युद्ध अभी रुका नहीं है। रवि ने कहा कि यह केवल अस्थायी है और यदि युद्ध दोबारा शुरू हुआ तो उनके सिर और पूंछ काट दिए जाएंगे। अगर हम आतंकवाद के मूल कारण को खत्म करना चाहते हैं तो कांग्रेस को हमारे साथ हाथ मिलाना चाहिए। क्या कांग्रेस यहां डीएनए को नष्ट करने के लिए तैयार है? आतंकवाद के केंद्रों को खाद-पानी देने की कांग्रेस की मानसिकता को बदलने की जरूरत है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पाकिस्तान राष्ट्रीय कांग्रेस की तरह व्यवहार क्यों कर रही है? पहले इसे समतल किया जाना चाहिए। आतंकवाद का इतिहास 1400 वर्ष पुराना है। परिस्थितियां बदल गई हैं और यह अलग तरीके से हो रहा है। कर्नाटक में भी आतंकवादी केंद्र हैं। वे वहां धर्म के नाम पर क्या सिखा रहे हैं? इसका समर्थन किसके द्वारा किया जाता है?

मालवाहक जहाज से कारवार पहुंचे पाकिस्तानी नागरिक को भारत में प्रवेश से रोका

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय तटरक्षक बल ने बताया कि बंदरगाह अधिकारियों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को भारत में प्रवेश देने से इनकार कर दिया है, जो कर्नाटक के कारवार बंदरगाह पर मालवाहक जहाज एमटीआर ओशन पर सवार होकर आया था।

इराक से बिटुमिन लेकर आया यह जहाज 12 मई को कारवार पहुंचा, जिसमें 14 भारतीय चालक दल के सदस्यों में दो सीरियाई और एक पाकिस्तानी नागरिक सवार थे। जहाज का कप्तान भी भारतीय था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर निश्चल कुमार ने निर्देश दिया था कि पाकिस्तान और भारत के बीच बिगड़ते संबंधों के कारण पाकिस्तानी और सीरियाई नागरिकों को जहाज से नहीं उतरना चाहिए। पुलिस के निर्देशानुसार कप्तान ने उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए। कारवार बंदरगाह के अधिकारियों ने बताया कि एक इराकी वाणिज्यिक जहाज बंदरगाह पर बिटुमिन उतारने के बाद इराक के लिए रवाना हो गया। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है तथा उनके वीजा भी रद्द कर दिए हैं। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गये। हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है।

गर्मियों में मांग और आपूर्ति की कमी के कारण नारियल की कीमतों में उछाल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

देश भर में तापमान बढ़ने के साथ ही ठंडे और स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थों की मांग बढ़ गई है, जिससे नारियल की कीमतों में भारी उछाल आया है। कभी 40 से 45 रुपये में बिकने वाला नारियल अब कई क्षेत्रों में 65 रुपये में बिक रहा है। विश-ेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि साल के अंत तक इसकी कीमत 100 रुपये को पार कर सकती है।

परंपरागत रूप से, तटीय कर्नाटक क्षेत्र में तमिलनाडु, केरल, मांड्या और तुमकुरु से नारियल की आपूर्ति की जाती थी। हालांकि, महाराष्ट्र और नई दिल्ली में बढ़ती मांग के कारण तटीय कर्नाटक में आपूर्ति में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। इससे विक्रेताओं के लिए स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में नारियल खरीदना मुश्किल हो गया है। नारियल की कीमतों में उछाल के कई कारण हैं। पिछले दो वर्षों में, आइसक्रीम और चॉकलेट जैसे नारियल आधारित उप-उत्पादों के उत्पादन में 40 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वहीं, नारियल की पैदावार में सामान्य गिरावट देखी गई है। इसके अलावा, शुद्ध नारियल तेल की मांग बढ़ रही है, जिससे कीमतें और बढ़ रही हैं। भीषण गर्मी के कारण भी कच्चे नारियल की खपत में वृद्धि हुई है, क्योंकि लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए इनका सेवन कर रहे हैं, जिससे कीमतें और बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में

एक नारियल 100 रुपये में बिक रहा है। औसतन, दक्षिणी राज्यों से प्रतिदिन 3 लाख से अधिक नारियल दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भेजे जाते हैं।

इस बीच, नारियल की कीमत 65-70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, जबकि खोपरा की कीमत 750 रुपये से बढ़कर 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। यहां तक कि फेंके गए नारियल के छिलके भी मांग में हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों से व्यापारियों द्वारा एकत्र किए गए और बेचे गए 30 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहे हैं। अलग-अलग राज्यों में कच्चे नारियल, नारियल और खोपरा की कीमत में काफी अंतर है।

नई दिल्ली में, कोमल नारियल 90 से 100 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं, जबकि नारियल की कीमत लगभग 80 रुपये प्रति किलोग्राम और खोपरा की कीमत 800 रुपये प्रति किलोग्राम है। कर्नाटक में, कोमल नारियल 45 से 65 रुपये, नारियल 75 रुपये प्रति किलोग्राम और खोपरा 750 रुपये प्रति किलोग्राम में उपलब्ध हैं। तमिलनाडु में कोमल नारियल की कीमत 50 रुपये से 55 रुपये, नारियल 60 रुपये प्रति किलोग्राम और खोपरा 700 रुपये प्रति किलोग्राम है। केरल में, कोमल नारियल 50 रुपये से 55 रुपये के बीच हैं, नारियल की कीमत 74 रुपये प्रति किलोग्राम और खोपरा की कीमत 750 रुपये प्रति किलोग्राम है।

वहीं, महाराष्ट्र में कोमल नारियल की कीमत 60 रुपये, नारियल 65 रुपये प्रति किलोग्राम और खोपरा 700 रुपये प्रति किलोग्राम है। कल्पवृक्ष या जीवन का दिव्य वृक्ष माने जाने वाले नारियल का पेड़ किसानों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है, जिसके हर हिस्से की बाजार में अच्छी कीमत है। एक नारियल का पेड़ वर्तमान में 65 रुपये में बिक रहा है, जबकि पूरा नारियल लगभग 70 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है। यहां तक कि नारियल के छिलके, जिन्हें अक्सर बेकार माना जाता है, अब मांग में हैं और 15 से 22 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहे हैं। नारियल के पत्ते बंडलों में 5 से 10 रुपये के बीच में बेचे जा रहे हैं और नारियल के छिलके के बंडल बाजार में लगभग 80 रुपये में बिक रहे हैं।

नारियल किसानों के उत्पादक संगठन के एक सलाहकार ने कहा कि दिल्ली, महाराष्ट्र और बेंगलूरु जैसे शहरों में आइसक्रीम और चॉकलेट जैसे नारियल आधारित उत्पादों की लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही, नारियल की मांग में उछाल आया है। भीषण गर्मी और आपूर्ति में कमी के साथ, बाजार में कीमतों में अभूतपूर्व उछाल देखा जा रहा है।

मानसून से पहले मेस्कॉम ने 489 सदस्यीय विशेष टास्क फोर्स तैनात की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय मौसम विभाग द्वारा मई के अंत तक दक्षिण-पश्चिम मानसून के आने की भविष्यवाणी के साथ, मेस्कॉम (मेंगलूरु विद्युत आपूर्ति कंपनी) ने संभावित मानसून संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए अपनी तैयारियाँ बढ़ा दी हैं। निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया को सक्षम करने के लिए, मेस्कॉम ने दक्षिण कन्नड़, उडुपी, चिक्कमगलूरु और शिवमोग्गा जिलों में अपने अधिकार क्षेत्र में विशेष कार्य बल का गठन किया है।

मेस्कॉम के सूत्रों ने बताया कि इन चार जिलों के 14 डिवीजनों में कुल 489 कर्मियों को तैनात किया गया है और संचालन में सहायता के लिए 62 अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था की गई है। दक्षिण कन्नड़ जिले में, अट्टावर, कावूर, पुत्तूर और बंटवाल में 146 कर्मियों वाले टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसमें 29 वाहन तैयार रखे गए हैं। उडुपी में 55 कर्मियों और 5 वाहनों, करकला में 24 कर्मियों और 4 वाहनों और कुंदापुरा में

48 कर्मियों को तैनात किया गया है।

शिवमोग्गा जिले में 33 कर्मियों और एक वाहन, शिकारीपुरा में 24 कर्मियों और 3 वाहनों, भद्रावती में 10 कर्मियों और सागर में 34 कर्मियों के साथ 6 वाहनों को तैनात किया गया है। मेस्कॉम के अधिकारियों के अनुसार चिक्कमगलूरु में 40 कर्मियों और 4 वाहनों, कोप्पा में 41 कर्मियों और 3 वाहनों तथा कदुर में 34 कर्मियों के साथ 7 वाहनों वाली टास्क फोर्स का गठन किया गया है। पेड़ों या शाखाओं के गिरने से बिजली की आपूर्ति बाधित होने से बचाने के लिए, मेस्कॉम ने अप्रैल की शुरुआत में ही खतरनाक पेड़ों और शाखाओं की छंटाई शुरू कर दी थी। दक्षिण कन्नड़ जिले के कावूर, मेंगलूरु, बंटवाल और पुत्तूर डिवीजनों में यह काम पूरा होने वाला है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि खतरनाक तरीके से लगाए गए 462 बिजली के खंभों की मरम्मत की गई है और 2,600 से अधिक बिजली वितरण ट्रांसफार्मरों पर रखरखाव का काम किया गया है। इन कार्यों की देखरेख और निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रतिदिन किए जाने वाले काम की जियो-टैग की गई तस्वीरें लें और जानकारी को समर्पित सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म पर अपलोड करें। अधिकारियों के अनुसार, लगभग 80 प्रतिशत तैयारी का काम पहले ही पूरा हो चुका है। आपात स्थिति के दौरान सहायता के लिए, ग्राहक 1912 पर अपनी हेल्पलाइन के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

दो ट्रकों की टक्कर में चालक की मौत, तीन घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल के साजिपा के पास दो लॉरियों के बीच हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ड्राइवर की उस वक्त मौत हो गई, जब उस पर बजरी के साथ मिला गर्म तारकोल गिर गया। यह जानलेवा हादसा बंटवाल तालुक के साजिपनडु के पास हुआ। मृतक की पहचान साजिपनडु के गो-लीपाडपु निवासी रफीक (45) के रूप में हुई है।

उसी लॉरी में क्लीनर यूसुफ के हाथ और पैर गर्म तारकोल में गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी लॉरी के ड्राइवर रिजवान और अलपास नामक एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह हादसा कांचिनाडकापडावु में हुआ, जब लाल पत्थर ले जा रही एक लॉरी साजिपनडु की ओर जा रही थी। बताया जाता है कि पीछे से गर्म तारकोल ले जा रही एक टिपर लॉरी उससे टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों टिपर लॉरियां

पलट गईं और सड़क के किनारे कम ऊंचाई पर स्थित एक सुपारी के बागान में जा गिरी। टिपर में रखे बजरी के साथ मिला गर्म तारकोल लाल पत्थर से लदे ट्रक के चालक पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से जल गया। उसे तुरंत मेंगलूरु के एक निजी अस्प-ताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उसकी मौत हो गई। गर्म तारकोल से गंभीर रूप से जलने के कारण रफीक को मृत घोषित कर दिया गया।

रफीक के साथ मौजूद क्लीनर यूसुफ भी गर्म तारकोल के गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। मेलकर ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टर सुतेश ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

वरमबली गांव को कई सालों के संघर्ष के बाद मिला बीएसएनएल टावर

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के होसानगर तालुक के वरमबली के निवासियों के लिए खुश होने की वजह है, क्योंकि आठ साल के लंबे संघर्ष के बाद बीएसएनएल ने गांव में मोबाइल फोन टावर को मंजूरी दे दी है। टावर लगाने का सिविल वर्क मई की शुरुआत में शुरू हुआ था। हर दिन, कुछ ग्रामीण काम की प्रगति की जांच करने के लिए उत्सुकता से निर्माण स्थल पर आते हैं। ग्रामीण चाहते हैं कि मानसून आने से पहले काम पूरा हो जाए। गांव के एक कार्यकर्ता विनायक प्रभु ने कहा बारिश से पहले काम पूरा हो जाना चाहिए। अन्यथा, काम में और देरी होगी। पिछले कई सालों से, निवासियों ने टावर लगवाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई बार पत्र लिखे, निर्वाचित प्रतिनिधियों को याचिकाएँ सौंपी, अधिकारियों से मिले, चुनाव बहिष्कार का आह्वान किया और निर्णयकर्ताओं

का ध्यान खींचने के लिए विरोध मार्च भी निकाला। प्रभु ने सबसे पहले 2017 में प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर खराब नेटवर्क कनेक्टिविटी की शिकायत की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने जवाब दिया कि संबंधित अधिकारी शिकायत पर कार्रवाई करेंगे। बीएसएनएल के अधिकारियों ने प्रभु से संपर्क किया और कहा कि वे इस मुद्दे पर गौर करेंगे। हालाँकि, समस्या का समाधान नहीं हुआ। अथक परिश्रम करने वाले प्रभु और अन्य लोगों ने अपने प्रयास जारी रखे और पीएमओ को लगभग 17 बार पत्र लिखे। केएसआरटीसी के कर्मचारी रवींद्र, जो कुंडापुरा डिपो में काम करते हैं, वरमबली के मूल निवासी हैं। छुट्टियों में वे अपने परिवार से मिलने वरमबली आते हैं। उन्होंने कहा कई बार मेरे वरिष्ठों ने मुझे डांटा है क्योंकि जब भी वे ड्यूटी के आवंटन के बारे में मुझसे संपर्क करने की कोशिश करते हैं तो मेरा फोन नहीं मिलता है। नेटवर्क मुद्दों पर संघर्ष समिति के प्रमुख श्रीनिवास ने कहा कि खराब नेटवर्क ने उनके परिवार से मिलने आए रिश्तेदारों को परेशान किया है। उन्होंने कहा वे यहां कुछ दिन बिताने के लिए खुशी-खुशी आते हैं। लेकिन, जब उन्हें पता चलता है कि नेटवर्क खराब है और उनका इंटरनेट एक्सेस नहीं हो रहा है, तो वे जल्दी लौट जाते हैं। ग्रामीणों ने 2024 में लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की धमकी दी थी। बाद में, चुनाव मैदान में उतरे उम्मीदवारों ने ग्रामीणों से संपर्क किया और उनकी मांग पूरी करने का आश्वासन दिया। अप्रैल 2025 में उन्होंने अपना विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू किया। उन्होंने गांव से तालुक केंद्र होसानगरा तक पदयात्रा निकाली। विरोध के बाद, बीएसएनएल ने यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन प्रोग्राम के तहत गांव में एक टावर लगाने की मंजूरी दी। एक टावर के निर्माण पर 1.25 करोड़ रुपये का खर्च आता है। शिवमोग्गा के उप महाप्रबंधक (बीएसएनएल) कृष्ण मोगेरा ने कहा कि टावर दो से तीन किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करेगा। उन्होंने कहा हम उस क्षेत्र को कवर कर रहे हैं जो किसी अन्य ऑपरेटर द्वारा कवर नहीं किया गया है। जरूरतमंदों के लिए सेवा सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है, न कि लाभ के लिए।

लक्षद्वीप जा रहा मालवाहक जहाज विशाल लहर की चपेट में आने से डूबा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु से लक्षद्वीप जा रहा एमएसवी सलामथ नामक एक माल-वाहक जहाज, एक विशाल लहर की चपेट में आने के बाद मेंगलूरु से लगभग 60 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में डूब गया। जहाज पर सवार सभी चालक दल के सदस्यों को भारतीय तटरक्षक कर्मियों ने बचा लिया। यह जहाज 12 मई को मेंगलूरु बंदरगाह से रवाना हुआ था और 18 मई को कदमत द्वीप पहुँचने वाला था। हालाँकि, 14 मई को भारतीय मानक समय के अनुसार सुबह लगभग 5:30 बजे जहाज को एक विशाल लहर का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप यह डूब गया। घटना का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। जहाज सीमेंट, निर्माण सामग्री और खाद्य आपूर्ति ले जा रहा था। जैसे ही जहाज डूबने लगा, चालक दल के सदस्यों ने एक छोटी नाव में शरण ली। पास के एक व्यापारिक जहाज के चालक दल ने फंसे हुए चालक दल को देखा और मेंगलूरु में तैनात भारतीय तटरक्षक बल को सूचित किया। त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए गश्त कर रहे आईसीजीएस विक्रम ने सभी चालक दल के सदस्यों को नाव से बचाया, प्राथमिक उपचार दिया और गुरुवार शाम को उन्हें सुरक्षित रूप से न्यू मेंगलूरु बंदरगाह पहुंचाया।

कुरान जलाने का मामला

ड्यूटी में लापरवाही के लिए इंस्पेक्टर निलंबित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त ने बेलगावी तालुक के शांतिबस्तवाड़ा गांव में कुरान की एक किताब की चोरी और उसे जलाने के संबंध में कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में बेलगावी ग्रामीण पुलिस स्टेशन के निरीक्षक मंजूनाथ हिरेमठ को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। पत्रकारों से बात करते हुए आयुक्त ने कहा कि पुस्तक जलाने के मामले में सीपीआई मंजूनाथ हिरेमठ को निलंबित कर दिया गया है। उनकी कमियां स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि बांती बस्तवाड़ा गांव में इड्डा गोपुरा विध्वंस मामले में आरोपियों की पहचान करने में लापरवाही बरती गई। शुक्रवार को चेनम्मा सर्किल पर मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच निलंबन आदेश जारी किया गया। हालांकि संदिग्धों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि उसी गांव में एक पूर्व मस्जिद की मीनार को कथित तौर पर ध्वस्त करने के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बावूराव देशपांडे ने देश की आजादी के लिए क्रांतिकारी संघर्ष में खुद को समर्पित कर दिया : सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि बावूराव देशपांडे ने देश की आजादी के लिए क्रांतिकारी संघर्ष में खुद को समर्पित कर दिया था। बावूराव देशपांडे की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि देशपांडे ने बाद में एक राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में काम किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने भारतीय जनसंघ के कर्नाटक राज्य के संगठन महासचिव के रूप में काम किया है।

उस समय अध्यक्ष प्रणाली नहीं थी। यह वह दौर था जब संगठन महासचिव के नेतृत्व में चलाया जाता था। उन्होंने कहा कि देशपांडे और जगन्नाथ राव जोशी ने कर्नाटक में कैडर आधारित संगठन बनाने में महान योगदान दिया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि ऐसे कार्यकर्ता आगे चलकर नेता बन जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह बावुराव देशपांडे ही थे जिन्होंने कई सामान्य कार्यकर्ताओं को अग्रिम पंक्ति के नेताओं में खड़ा किया। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, राज्य कोषाध्यक्ष सुब्बा नरसिम्हा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, प्रकोष्ठों के राज्य समन्वयक एस. दत्तात्री, राज्य कार्यालय सचिव लोकेश अम्बेकल्लू, राज्य मीडिया सह-संयोजक प्रशांत केदानजी और पार्टी नेता उपस्थित थे।

नया मल्टी एजेन्सी सेंटर देश को गंभीर खतरों से निपटने के लिए बनाएगा मजबूत: शाह

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी एजेन्सी सेंटर (एमएसी) का उदघाटन किया और कहा कि यह आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने में देश के प्रयासों को मज़बूती प्रदान करेगा।

श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक सूचना और तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का अद्वितीय प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी तीनों सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल और सभी सुरक्षा एजेंसियों पर गर्व है।

हाल ही में, छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा से लगते क्षेत्र में केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा चलाए गए ऐतिहासिक नक्सल

विरोधी ऑपरेशनों के बारे में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ ये ऐतिहासिक अभियान सुरक्षाबलों के बेहतरीन समन्वय को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार का समन्वय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखने को मिला जिससे पता चलता है कि खुफिया एजेंसियों तथा तीनों सशस्त्र सेनाओं द्वारा कार्य को अंजाम देने की प्रक्रिया और सोच में काफी बेहतर समन्वय है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह नया सेंटर जटिल और परस्पर रूप से जुड़ी मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सभी एजेंसियों के प्रयासों को मजबूत करेगा और एक निर्बाध तथा एकीकृत प्लेटफार्म प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नया नेटवर्क, आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने में देश के प्रयासों को मज़बूती प्रदान करेगा।

श्री शाह ने सेंटर की प्रशंसा करते हुए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से जुड़े कार्यों को रिकॉर्ड समय में सफलतापूर्वक पूरा करने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के पास जो महत्वपूर्ण डाटाबेस एकाकीपन में काम कर रहे हैं, उन्हें भी इस प्लेटफ़ार्म पर जोड़ा जाना चाहिए जिससे नए सेंटर के पास उपलब्ध डाटा का फायदा उठाया जा सके।

भारत के सबसे अग्रणी केन्द्र के रूप में एमएसी वर्ष 2001 से अस्तित्व में है इसने खुफिया, सुरक्षा , कानून प्रवर्तन और जांच एजेंसियों को आपस में जोड़ने का काम किया है। पांच सौ करोड़ रुपए की लागत से तैयार नए नेटवर्क में अनेक बदलाव किए गए हैं। यह देश भर में फैला है जिसमें देश के द्वीपीय हिस्से, उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र और ऊंचे पहाड़ी क्षेत्र भी शामिल हैं। इसमें दूरदराज के क्षेत्रों के जिला पुलिस अधीक्षक तक संपर्क सुविधा दी गई है।

सीमा पर रहने वालों को अभी भी सता रहा है युद्ध का डर

जम्मू, 16 मई (ब्यूरो)।
जम्मू कश्मीर के सभी निजी और सरकारी स्कूलों को 14 मई से ही खोलने का आदेश पारित किया जा चुका है, कुछ उन स्कूलों को छोड़ कर जो अंतरराष्ट्रीय सीमा और एलओसी से सटे हुए हैं। बचे हुए स्कूलों को भी 19 मई से खोलने की तैयारी है। पर लोगों को आशंका है कि युद्ध विराम की तारीख 18 मई से आगे बढ़ती है या हमला फिर से शुरू होता है।

बॉर्डर स्थित स्कूलों को विस्थापितों से खाली करवाने में प्रशासन को दिक्कतें आ रही हैं। इंटरनेशनल बॉर्डर पर रक्षा खाई से पहले वाले इलाकों में स्थित स्कूलों में भारतीय फौज का भी कब्जा इसलिए है क्योंकि पाकिस्तान सेना पर वह भी भरोसा नहीं करना चहती। 7 मई की सुबह पाकिस्तान द्वारा एलओसी के साथ ही इंटरनेशल बार्डर पर

गोलों, गोलियों और मिसाइलों के साथ ही ड्रोनों की जो बरसात आरंभ हुई थी, जीरो लाइन से सटे गांवों में रहने वालों को आनन फानन में हटा कर इन्हीं स्कूलों में शरण दिलवाई गई थी। हालांकि जिनके पास सहूलियत थी वे थोड़ा और पीछे अपने रिश्तेदारों के पास चले गए थे।

10 मई को दोनों पक्षों में हुए सीजफायर की घोषणा के बाद हालांकि सीमावर्ती लोगों ने अपने घरों को लौटना आरंभ किया है पर अभी भी दर्जनों गांव ऐसे हैं जहां के निवासी वापस लौटने को राजी नहीं हैं। उनका डर भी जायज है। वे पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करते हैं तो दूसरा ऐसे गांवों में कदम कदम पर मोर्टार और तोप के अनफूटे गोले बिखरे हुए हैं। हालत तो यह है कि इंटरनेशनल बार्डर के कई ऐसे गांवों में भी अनफूटे गोलों का मिलना जारी था जो जीरो लाइन से 15 से 20 किमी की दूरी पर स्थित थे।

ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष समंजस्य की स्थिति है। जबरदस्ती लोगों को वापस भिजवाने की उनकी कोशिशें बेकार जा रही हैं तो बच्चों की पढ़ाई भी बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। हालांकि कई स्कूलों ने जंग के इन दिनो के दौरान पढ़ाई को आनलाइन मोड पर डाल दिया था पर बिजली कटौती और मोबाइल नेटवर्क के लड़खड़ा जाने से पढाई भी लड़खड़ा चुकी है।

न्यायालय प्रबंधक की नियुक्ति के नियम बनाने का सुप्रीम कोर्ट का हाईकोर्टों को निर्देश

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को देश के सभी उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया कि वे न्यायालय प्रबंधकों की भर्ती तथा सेवा शर्तों से संबंधन में तीन महीने के भीतर नियम बनाएं या उनमें संशोधन करें और मंजूरी के लिए राज्य सरकार के पास जमा कराएं।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह आदेश पारित किया।

पीठ ने सचिन कुमार गुप्ता और अन्य, कोर्ट मैनेजर वेलफेयर एसोसिएशन और एक रिट याचिका पर अपने फैसले में यह भी कहा कि उन्हें (न्यायालय प्रबंधकों) क्लास-दो राजपत्रित अधिकारी के रूप में मान्यता दी जाए। साथ ही, 2018 के असम नियमों को आदर्श माना जाए।

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय और राज्य सरकारें अपनी विशिष्ट जरूरतों के हिसाब से उचित संशोधन या बदलाव करने के लिए स्वतंत्र होंगी। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा,हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि भले ही द्वितीय राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग ने चार फरवरी, 2022 की अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की थी और इस अदालत ने वर्तमान कार्यवाही में दो अगस्त 2018 के फैसले में विशेष रूप से न्यायालय प्रबंधकों की सेवा शर्तों, कर्तव्यों आदि को निर्धारित करने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया था, लेकिन विभिन्न उच्च न्यायालयों और विभिन्न राज्य सरकारों ने अभी तक उक्त निर्देश का पालन नहीं किया है। पीठ ने कहा,हमारा यह मानना है कि चूंकि यह न्यायालय लगातार यह मानता रहा है कि पूरे देश में सभी न्यायाधीशों की सेवा शर्तें एक समान होनी चाहिए, इसलिए यह भी आवश्यक है कि न्याय प्रशासन की दक्षता बढ़ाने के लिए न्यायालयों को न्यायालय प्रबंधकों की सेवाएं प्रदान करने के लिए इस न्यायालय द्वारा अनुमोदित प्रणाली भी पूरे देश में काफी हद तक एक समान होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने इससे पहले कहा था कि प्रत्येक न्यायिक जिले में न्यायालय प्रशासन के निष्पादन में सहायता प्रदान करने के लिए पेशेवर रूप से योग्य न्यायालय प्रबंधकों, जिसमें एमबीए डिग्री वाले अभ्यार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर भी नियुक्त किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला

इस्कॉन सोसाइटी बेंगलुरु का है हरे कृष्ण मंदिर

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को माना कि बेंगलुरु में हरे कृष्ण मंदिर शहर में इस्कॉन सोसाइटी का है।

शीर्ष अदालत ने इस्कॉन बेंगलुरु की याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बेंगलुरु में प्रतिष्ठित हरे कृष्ण मंदिर और शैक्षणिक परिसर पर नियंत्रण के लिए इस्कॉन मुंबई के पक्ष में फैसला सुनाया गया था। ये फैसला न्यायमूर्ति एएस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनाया।

इस्कॉन बेंगलुरु ने 23 मई 2011 के उच्च न्यायालय के

फैसले को चुनौती देते हुए 2 जून 2011 को शीर्ष अदालत का रुख किया था। इस याचिका में, इस्कॉन बेंगलुरु, जिसका प्रतिनिधित्व इसके पदाधिकारी कोडंडाराम दास ने किया, ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी, जिसने बेंगलुरु की एक स्थानीय अदालत के 2009 के आदेश को पलट दिया था। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसमें इसके कानूनी शीर्षक को मान्यता दी गई थी और इस्कॉन मुंबई के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा दी गई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने इस फैसले को पलट दिया और इस्कॉन मुंबई के प्रतिवाद को बरकरार रखा, जिससे उन्हें प्रभावी रूप से मंदिर पर नियंत्रण मिल गया।

कानूनी झगड़े ने समान नाम और आध्यात्मिक मिशन वाली दो सोसाइटियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। कर्नाटक में पंजीकृत इस्कॉन बेंगलुरु का तर्क है कि वह दशकों से स्वतंत्र रूप से काम कर रही है और बेंगलुरु दिर का प्रबंधन कर रही है। राष्ट्रीय सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 और बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के तहत पंजीकृत इस्कॉन मुंबई का दावा है कि इस्कॉन बेंगलुरु केवल उसकी शाखा है और संबंधित संपत्ति सही मायने में उसके अधिकार क्षेत्र में है।

आरपीएफ ने चार नाबालिग लड़कियों को बचाया

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बाल सुरक्षा और मानव तस्कर निरोधी प्रयासों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता दर्शाते हुए त्वरित और समन्वित अभियान में, गत 13 मई की सुबह बिहार के रक्सौल रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी के प्रयास विफल करते हुए चार नाबालिग लड़कियों को बचाया।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार रक्सौल पोस्ट पर रेलवे सुरक्षा बल-आरपीएफ ने समय से मिली खास सूचना पर रक्सौल राजकीय रेलवे पुलिस-जीआरपी, सशस्त्र सीमा बल-एसएसबी मानव तस्करी निरोधी इकाई, रेलवे चाइल्ड लाइन-रक्सौल तथा गैर-सरकारी संगठन- प्रयास किशोर सहायता केंद्र के साथ मिलकर ट्रेन नंबर 15273 रक्सौल-आनंद विहार सत्याग्रह एक्सप्रेस रेलगाड़ी से 13 से 17 वर्ष आयु की चार लड़कियों को मानव तस्करों से बचाया।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि इन नाबालिग लड़कियों को नौकरी के झूठे वादे और गोरखपुर में एक लापता रिश्तेदार को खोजने की मदद का झांसा देकर नेपाल से तस्करी कर लाया जा रहा था।

आईआईएम संबलपुर ने पहली बार शुरू किये दो भविष्य केंद्रित स्नातक कार्यक्रम

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), संबलपुर ने दो अत्याधुनिक स्नातक कार्यक्रम बैचलर ऑफ साइंस इन मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी और बैचलर ऑफ साइंस इन डाटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत की है। यहां शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार बैचलर ऑफ साइंस इन मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी कार्यक्रम सतत विकास, पर्यावरण, सामाजिक और शासन और सामुदायिक विकास को ध्यान में रखते हुए भारत की प्रबंधन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये बनाया गया है। यह कार्यक्रम नीतियों और ज़मीनी स्तर की वास्तविकताओं के बीच की खाई को पाटने वाले नये परिवर्तनकारियों की एक पीढ़ी तैयार करेगा।

बैचलर ऑफ साइंस इन डाटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश की डिजिटल क्षमताओं को विकसित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिलाने के उद्देश्य से केंद्रित है। उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से डिज़ाइन किया गया यह पाठ्यक्रम छात्रों को भविष्य के लिये तैयार कौशल प्रदान करता है और नैतिक एआई के उपयोग को बढ़ावा देता है, जो संस्थान की 'ईमानदारी के साथ नवाचार' की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर वैश्विक उद्यमों के लिए नवाचार के इंजन विषय पर आज एक गोलमेज चर्चा का

आयोजन भी किया गया।

इस चर्चा में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल (पीएमपी) और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन के उपाध्यक्ष ब्राह्मानंद झा ने कहा, भारत के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) अब केवल लागत कम करने के साधन नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार के रणनीतिक केंद्र बन रहे हैं। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था डिजिटल-प्रथम दिशा में बढ़ रही है, जीसीसी लचीले, तकनीक-सक्षम और भविष्य को ध्यान में रखते हुए संगठनों के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। आईआईएम संबलपुर जैसे शिक्षण संस्थान, डाटा साइंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जन नीति पर केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से इस परिवर्तन के लिये आवश्यक प्रतिभा और सोच विकसित कर रहे हैं। मंत्रालय में हमारा लक्ष्य है कि अकादमिक, उद्योग और शासन के बीच समन्वय स्थापित कर एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करें, जो सतत नवाचार और डिजिटल नेतृत्व को बढ़ावा दे।

आईआईएम के निदेशक प्रोफेसर महादेव जैसवाल ने कहा, हमें गर्व है कि हमने चार वर्षीय पूर्ण आवासीय 'बैचलर ऑफ साइंस' कार्यक्रम शुरू किया है। यह भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, हमारा उद्देश्य उद्यमशील मानसिकता वाले जिम्मेदार नेता तैयार करना है। इन स्नातक कार्यक्रमों में लचीलापन है-एक वर्ष बाद प्रमाण पत्र, दो वर्ष बाद डिप्लोमा, तीन वर्ष बाद डिग्री और चार वर्ष पूर्ण करने पर ऑनर्स डिग्री प्राप्त की जा सकती है, साथ ही कई प्रवेश और निकास बिंदु भी हैं। हम अकादमिक सख्ती और सामाजिक प्रासंगिकता का संयोजन करते हुए, परिवर्तनकारी शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्य वक्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल पीयूष शुक्ला ने कहा, भारत की परीक्षा प्रणाली अब इस दिशा में विकसित हो रही है कि ऐसे प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान की जा सके जो तेज़-रफ्तार और नवाचार-प्रेरित संस्थानों जैसे जीसीसी में सफल हो सकें। आईआईएम संबलपुर जैसे संस्थान जब डाटा, नीति और तकनीक को जोड़ते हुए नए कार्यक्रम शुरू करते हैं, तो यह शिक्षा में बड़ी क्रांति का संकेत है। एनटीए का लक्ष्य है कि हम आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप एक मजबूत और समावेशी परीक्षण व्यवस्था बनायें।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के निदेशक राजेश कुमार ने कहा, सीयूईटी की शुरुआत के साथ हमने गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की लोकतांत्रिक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ी छलांग लगाई है। जैसे ही आईआईएम संबलपुर जैसे शीर्ष संस्थान डाटा साइंस, एआई और जन नीति जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ कार्यक्रम शुरू करते हैं, यह और भी जरूरी हो जाता है कि देश के हर कोने से प्रतिभा को समान अवसर मिले। एनटीए इस परिवर्तन को पारदर्शी और मानकीकृत परीक्षण प्रणाली के माध्यम से गति प्रदान कर रहा है।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य और गीतकार गुलजार ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
पति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां एक समारोह में संस्कृत के विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया।

श्रीमती मुर्मु ने इस अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी के साथ साथ ज्ञानपीठ पुरस्कार वाले गीतकार गुलज़ार को भी बधाई दी जो अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की जिससे कि वह कला, साहित्य, समाज और देश के लिए अपना योगदान देते रहें।

राष्ट्रपति ने कहा कि साहित्य समाज को जोड़ता और जागृत करता है। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी के सामाजिक जागरण से लेकर 20वीं सदी के स्वतंत्रता संग्राम तक, कवियों और लेखकों ने लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वंदे मातरम' गीत लगभग 150 वर्षों से भारतीयों को जागृत कर रहा है और हमेशा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि, व्यास और कालिदास से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर जैसे शाश्वत कवियों की रचनाओं में हम जीवंत भारत की धड़कन महसूस करते हैं जो भारतीयता की आवाज है।

श्रीमती मुर्मु ने 1965 से विभिन्न भारतीय भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने के लिए भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि भारतीय

भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने की प्रक्रिया में भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार के चयनकर्ताओं ने सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों का चयन किया है और इस पुरस्कार की गरिमा को बनाए रखा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आशापूर्णा देवी, अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, कुर्रतुल-ऐन-हैदर, महाश्वेता देवी, इंदिरा गोस्वामी, कृष्णा सोबती और प्रतिभा रे जैसी ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता महिला लेखकों ने भारतीय परंपरा और समाज को विशेष संवेदनशीलता के साथ देखा और अनुभव किया है और हमारे साहित्य को समृद्ध किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी बहनों और बेटियों को इन महान महिला लेखकों से प्रेरणा लेकर साहित्य सृजन में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए और सामाजिक सोच को और अधिक संवेदनशील बनाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने श्री रामभद्राचार्य के बारे में कहा कि उन्होंने उत्कृष्टता का एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने उनके बहुमुखी योगदान की प्रशंसा की और कहा कि शारीरिक रूप से विकलांग होने के बावजूद उन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से साहित्य और समाज की असाधारण सेवा की है। उन्होंने कहा कि श्री रामभद्राचार्य ने साहित्य और समाज सेवा दोनों ही क्षेत्रों में व्यापक योगदान दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके गौरवशाली जीवन से प्रेरणा लेकर आने वाली पीढ़ियाँ साहित्य सृजन, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के सही मार्ग पर आगे बढ़ती रहेंगी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीबीआई ने किया साइबर फ्रॉड के बड़े नेटवर्क का खुलासा

यूपी के छह जिलों के नौ सिम डीलर्स नामजद

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। फर्जी नाम-पते से जारी सिम कार्ड के जरिए होने वाले साइबर फ्रॉड में लिप्त 39 मोबाइल सिम कार्ड डीलरों (प्वाइंट ऑफ सेल) में से नौ उत्तर प्रदेश के हैं। यह फर्जीवाड़ा प्रदेश के छह जिलों में हो रहा था। सीबीआई ने इनके ठिकानों पर बीते दिनों छापा मारा था। फर्जीवाड़े में पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु और कर्नाटक के तमाम सिम कार्ड डीलर भी शामिल हैं। इन फर्जी सिम कार्ड के जरिए डिजिटल अरेस्ट, जासूसी, फर्जी विज्ञापन, निवेश संबंधी फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड आदि साइबर क्राइम अंजाम दिया जा रहा था।

साइबर क्राइम के इस फर्जीवाड़े में यूपी के लखनऊ, आगरा, हाथरस, हरदोई, कन्नौज और उन्नाव के नौ डीलर शामिल हैं। इनमें लखनऊ के जानकीपुरम स्थित अदिति मोबाइल रिपेयरिंग एंड एक्सेसरीज का मनोज कुमार वर्मा, उन्नाव के अमित टेलीकॉम का आशीष, आगरा के दीपक कम्युनिकेशन का दीपक माहौर, हरदोई के अंकित टेलीकॉम का अंकित कुमार व बंशीधर, हाथरस का राजीव सागर, मुकेश कुमार, न्यू सुजाता मोबाइल का धारा सिंह और कन्नौज के तिवारी किराना स्टोर का सत्यम तिवारी शामिल है।

इन सभी को सीबीआई ने अपनी एफआईआर में नामजद किया है। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि इन सभी 39 डीलरों ने करीब 1100 सिम कार्ड फर्जी नाम पते पर बेचे थे, जो दक्षिण एशिया के देशों में साइबर फ्रॉड के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। इनके जरिए बैंकों में फर्जी नाम से खाते खोलने के साथ मासूम लोगों को फोन करके धोखाधड़ी की जा रही थी।

साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर करीब 2200 शिकायतें मिलने पर इसकी पड़ताल शुरू की गई थी। जांच में पता चला कि डीलरों द्वारा सिम खरीदने वाले ग्राहक का केवाईसी कराने के दौरान उसका इस्तेमाल दूसरे सिम की बिक्री में भी कर रहे थे। पहली बार केवाईसी को फेल बनाकर वे दूसरी बार यह प्रक्रिया करते थे, जिसमें उसी नाम पते पर दूसरा सिम (घोस्ट सिम) एक्टिवेट कर दिया जाता था। इसका ग्राहक को आभास तक नहीं होता था। गृह मंत्रालय के निर्देश पर बीते वर्ष देश भर में ऐसे करीब 64 हजार सिम बेचने वाले 1930 डीलरों पर कार्रवाई शुरू हुई थी। तमाम राज्यों में फर्जी सिम बेचने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

152 जीआई टैग उत्पादों वाला प्रदेश बनेगा यूपी

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग उत्पादों की वृद्धि के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। देश में 77 जीआई टैग वाले उत्पादों के साथ उत्तर प्रदेश अव्वल है, मगर अब यूपी अपनी इस बढ़त को नए आयाम पर पहुंचाने जा रहा है। दरअसल, सीएम योगी के निर्देश पर एक कार्ययोजना को तैयार किया गया है जिसके जरिए प्रदेश में जीआई टैग वाले उत्पादों की संख्या में रिकॉर्ड स्तर के इजाफे की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

कार्ययोजना के अनुसार वर्ष 2025-26 में 75 अतिरिक्त जीआई उत्पादों को घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से 25 उत्पादों का आवेदन जीआई रजिस्ट्री (चेन्नई) में फाइल किया जा रहा है जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश जल्द ही देश में 152 जीआई टैग प्राप्त उत्पादों वाला पहला राज्य बन जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश के जीआई उत्पादों को लोकप्रिय बनाने, जागरूकता फैलाने तथा इसके यूजर बेस को बढ़ाने के लिए कई बड़े कदम उठाए जाएंगे।

एमएसएमई विभाग द्वारा तैयार की जा रही कार्ययोजना में जीआई टैग वाले उत्पादों की संख्या बढ़ाने के साथ उनकी लोकप्रियता, जागरूकता और ऑथोराइज्ड यूजर बेस बनाने के लिए एक विस्तृत फ्रेमवर्क पर काम चल रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में जीआई टैग उत्पादों का ऑथोराइज्ड यूजर बेस बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक उद्यमियों को जोड़ने की तैयारी है। इन्हें बाकायदा ऑथोराइज्ड यूजर्स के तौर पर पहचान दी जाएगी। ये जीआई उत्पादों के उत्पादन के साथ ही उनको लोकप्रिय बनाने और अन्य उद्यमियों में जागरूकता प्रसार करने का माध्यम बनेंगे। उल्लेखनीय है कि देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक जीआई टैग प्राप्त उत्पादों वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और महाराष्ट्र सबसे ज्यादा जीआई उत्पादों वाले राज्यों में शामिल हैं

एमएसएमई विभाग द्वारा प्रदेश में जीआई ऑथोराइज्ड यूजर्स का बेस बढ़ाने के जिस कार्य योजना पर कार्य जारी है उसमें जीआई एक्सपर्ट संस्था के साथ एमओयू अहम कड़ी साबित होगी। विभाग द्वारा इस दिशा में एक विशिष्ट जीआई एक्सपर्ट संस्था ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा एमओयू साइन करने की प्रक्रिया पर काम चल रहा है जिसे जल्द ही पूरा करने की तैयारी है। इस एमओयू के बाद प्रदेश में जीआई उत्पादों के ऑथोराइज्ड यूजर बेस में वृद्धि हो सकेगी। साथ ही, जीआई उत्पादों की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। स्थानीय उत्पादों की विशिष्ट पहचान की रक्षा हो सकेगी तथा उत्पादों के अनधिकृत उपयोग या नकल से बचाव होगा।

जल जीवन मिशन की गुणवत्ता पर सीएम योगी सख्त

183 अफसरों और कर्मचारियों पर एक्शन

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बीते चार वर्षों के दौरान 183 अफसरों-कर्मचारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। इनमें से 122 अधिकारियों पर जांच बैठाई गई है और 55 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, जबकि 6 को निलंबित कर दिया गया है।

जल जीवन मिशन के कार्यों की गुणवत्ता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से गंभीर हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मिशन के अंतर्गत कार्यों की नियमित निगरानी और मूल्यांकन के आधार पर दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों पर एक्शन लिया जा रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सबसे अधिक कार्रवाई अधिशासी अभियंताओं पर की गई है। अभी तक कुल 07 मुख्य अभियंताओं पर अनुशासनिक जांच बैठाई गई, जबकि 04 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

इसके अलावा 05 अधीक्षण अभियंताओं पर जांच और 07 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। 59 अधिशासी अभियंताओं पर जांच बैठाई गई है, तो 44 को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर 04 को निलंबित किया गया है। इसके साथ ही 32 सहायक अभियंताओं पर जांच बैठाकर 02 का निलंबन किया गया है। वहीं, 19 अवर अभियंताओं की अनुशासनिक जांच की गई है। इस तरह लापरवाही बरतने वाले कुल 122 अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनिक जांच, 55 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई और 06 का निलंबन किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में जल जीवन मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। उत्तर प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने जल जीवन मिशन के तहत सबसे अधिक नल कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि विकास योजनाओं में लापरवाही बरतने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर घर तक समय पर और गुणवत्ता युक्त शुद्ध पेयजल पहुंचे। इस दिशा में राज्य सरकार पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

यूपी के 5 शहरों में स्थापित होंगी नई अत्याधुनिक माइक्रोबायोलॉजी लैब

वाराणसी, कानपुर, मीरजापुर, बरेली और अलीगढ़

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार खाद्य एवं औषधि सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी पहल कर रही है। प्रदेश में अब लखनऊ और मेरठ के बाद वाराणसी, कानपुर, मिर्जापुर, बरेली और अलीगढ़ जैसे प्रमुख जिलों में भी माइक्रोबायोलॉजी लैब स्थापित की जा रही हैं। यह लैब्स न केवल खाद्य और औषधि पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए उपयोगी होंगी, बल्कि इससे जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में भी त्वरित और सटीक कार्रवाई संभव हो सकेगी।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की विशेष सचिव रेखा सिंह चौहान ने जानकारी दी कि वाराणसी में निर्मित माइक्रोबायोलॉजी लैब का कार्य पूरा हो चुका है और 31 मई से संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा। यह पूर्वांचल के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी, क्योंकि अब इस क्षेत्र के नागरिकों को बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और सूक्ष्म पैथोजन्स से जुड़ी जांच के लिए दूसरे शहरों या राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त कानपुर, मिर्जापुर, बरेली और अलीगढ़ में भी ऐसी ही अत्याधुनिक माइक्रोबायोलॉजी लैब की स्थापना हेतु एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) द्वारा बजट स्वीकृत कर दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया चल रही है और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। विभाग का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक इन सभी जिलों में माइक्रोबायोलॉजी लैब पूरी तरह से क्रियाशील हो जाएं।

इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से अब प्रदेश में ही स्थानीय स्तर पर फलों, सब्जियों, दूध, दही, पनीर, मसालों व अन्य खाद्य पदार्थों में मौजूद सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे बैक्टीरिया, वायरस, माइक्रो टॉक्सिन्स व फंगस की वैज्ञानिक जांच हो सकेगी। इसी तरह औषधियों की शुद्धता और प्रभावशीलता की टेस्टिंग भी इन्हीं लैब्स में की जा सकेगी। इससे समय की बचत के साथ-साथ प्रदेश की स्वावलंबन क्षमता भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट कहना है कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक मंडल में फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब्स स्थापित हों, ताकि खाद्य सुरक्षा को लेकर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का पूरी गंभीरता से पालन हो सके। इस दिशा में लखनऊ और मेरठ में पहले से कार्यरत माइक्रोबायोलॉजी लैब्स के बाद अब अन्य जिलों में इनका विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री का यह प्रयास न केवल जन स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इससे नकली खाद्य व औषधि उत्पादों पर नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और जनविश्वास में वृद्धि भी सुनिश्चित होगी। साथ ही इन लैब्स से प्राप्त रिपोर्ट्स कानूनी रूप से मान्य होंगी, जिससे खाद्य सुरक्षा संबंधी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी। प्रदेश में खाद्य और औषधि प्रशासन को सशक्त बनाकर सरकार जहां एक ओर नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण जीवन देने की दिशा में आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर यह प्रयास उत्तर प्रदेश को फूड सेफ्टी और पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का राष्ट्रीय मॉडल भी बना रहा है।

केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने सपा पर साधा निशाना

सैनिक की जाति नहीं होती, वह जांबाज होते हैं

बरेली, 16 मई (एजेंसियां)। सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के बयान पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग जाति-जाति करते-करते सेना में जाति की बात पर आए गए हैं। सैनिक की कोई जाति नहीं होती। वह सेना के जांबाज जवान होते हैं। वे देश की रक्षा के लिए अपनी जान पर दांव पर लगा देते हैं। सेना का सम्मान जितना किया जाए, उतना कम है। सेना ने जांबाजी के साथ शौर्य और सामर्थ्य का परिचय देकर भारत का परचम लहराया है। ऐसे में राजनीति करना ठीक नहीं है।

केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा शुक्रवार को बरेली पहुंचे। उन्होंने सेप्टिक टैंक और सीवर की सफाई में लगे 50 कर्मचारियों को टूल किट का वितरण किया। उन्हें उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और नगर निगम के सहयोग से जीआईसी ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम के बाद केंद्रीय राज्यमंत्री मीडिया से मुखातिब हुए।

बीएल वर्मा ने कहा कि सिंदूर ऑपरेशन से भारतीय सेना ने यह दिखा दिया कि हमारी बहन-बेटियां के सिंदूर की कीमत क्या होती है।

यह पाकिस्तान के लोगों ने अच्छे से समझ लिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमारी सेना ने आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। सटीक निशाना लगाकर उन्हें ध्वस्त किया, जिसमें 100 से भी ज्यादा आतंकी मारे गए।

बीएल वर्मा ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि अगर पाकिस्तान अगर कोई दुस्साहस करेगा तो इसका कड़ा जवाब देंगे। पाकिस्तान ने दुस्साहस किया तो हमारी सेना ने उसके सैन्य ठिकानों को तबाह करने का काम किया। इसके लिए सेना को सैल्यूट करता हूं। ऐसे मामलों में राजनीति नहीं करना चाहिए। सेना ने तिरंगा का मान सम्मान बढ़ाया है। देश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है। भारत की ताकत को केवल पाकिस्तान ने ही नहीं, पूरी दुनिया ने देखा है।

यूपी में प्रचंड गर्मी का कहर, आगरा समेत कई जिलों में पारा 45 डिग्री पार

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को प्रदेश के आगरा और झांसी में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार चला गया। वहीं प्रयागराज, वाराणसी, अमेठी, सुल्तानपुर आदि जिलों में दोपहर में ही तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार और शनिवार को दक्षिणी यूपी, बुंदेलखंड के साथ ही आगरा और अलीगढ़ डिविजन में गर्मी और लू प्रकोप ज्यादा संभावित है।

मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के पूर्वी दक्षिणी और बुंदेलखंड के 22 जिलों के लिए लू की चेतावनी जारी किया है। साथ ही शुक्रवार से लेकर शनिवार के दौरान, प्रदेश के पूर्वी हिस्सों के 32 जिलों में लू की चेतावनी और 15 जिलों में उष्ण रात्रि की चेतावनी जारी किया है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एक नया विक्षोभ और वेदर सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसके असर से शुक्रवार और शनिवार के बीच तराई के आठ जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। प्रदेश के उत्तरी- तराई इलाके में बादलों की आवाजाही है। 17 मई से तराई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बूंदाबांदी के संकेत हैं।

बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में लू की चेतावनी है।

देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर व आसपास के इलाकों में मेघगर्जन के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना है।

अवैध धर्म परिवर्तन पर थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार

प्रयागराज, 16 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अवैध धर्म परिवर्तन पर थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज करने का अधिकार है। धर्म परिवर्तन प्रतिषेध कानून में पीड़ित व्यक्ति का व्यापक अर्थ है। यह पीड़ित व्यक्ति, रिश्तेदार के अलावा राज्य की कानून व्यवस्था को कायम रखने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस भी है। कोर्ट ने एसएचओ को पीड़ित व्यक्ति न मानते हुए उसकी ओर से दर्ज एफआईआर व केस कार्यवाही को शून्य करार देते हुए रद्द करने की मांग में दाखिल याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा, एसएचओ भी पीड़ित व्यक्ति में शामिल है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने चर्च के पादरी दुर्गा यादव, राकेश, डेविड व दो अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद दिया है।

जौनपुर की केराकत तहसील के विक्रमपुर गांव स्थित चर्च में लोगों को इकट्ठा कर मंच से धन व इलाज का लालच देकर धर्म बदलने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। केराकत पुलिस मौके पर पहुंच कर तीन पुरुष व एक महिला को पकड़ लिया। एसएचओ ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई। मामले में चार्जशीट पर एसीजेएम जौनपुर ने संज्ञान ले लिया है। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मुकदमे की कार्रवाई को रद्द करने की मांग की गई। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि केवल कोई पीड़ित व्यक्ति ही शिकायत कर सकता है। शिकायत एसएचओ ने की है, इसलिए एफआईआर शून्य है।

सरकार की ओर से कहा गया कि कई पीड़ितों का बयान लिया गया है। भुल्लनडीह का पादरी दुर्गा यादव मुखिया है। उसने अपराध स्वीकार किया है। पीड़ित व्यक्ति की स्पष्ट परिभाषा एक्ट में नहीं है। राज्य का दायित्व लोक व्यवस्था, नैतिकता व स्वास्थ्य का संरक्षण करना है। किसी को जबरन गुमराह कर व अनुचित प्रभाव में लेकर धर्म परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं है। यह राज्य के विरुद्ध अपराध है।

पुलिस पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी होने के नाते वह भी पीड़ित व्यक्ति है, ऐसे में उसे एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार है।

कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याची को ट्रायल कोर्ट में पक्ष रखने का निर्देश दिया है। यह भी कहा कि याची की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसलिए न्यायिक अभिरक्षा में न लिया जाए। यदि वह सहयोग न करे तो अदालत कानूनी कार्रवाई करे।

संपादकीय

पीएम का दो टूक संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 8वें राष्ट्रीय संबोधन में कुछ आह्वान ऐसे किए हैं, जो अभी तक भारत के किसी भी प्रधानमंत्री ने नहीं कहे। देश के नाम इन्हें विश्वास कह लें या प्रधानमंत्री का आश्वासन मान लें अथवा पाकिस्तान के प्रति भारत की हुंकार मान लें, लेकिन प्रधानमंत्री ने इन्हीं आधारों पर देश को संबोधित किया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पड़ाव पार करने के बाद प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित किया है। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा है कि अब भारत 'परमाणु ब्लैकमेल' बर्दाश्त नहीं करेगा। परमाणु ब्लैकमेलिंग की आड़ में पनपते रहे आतंकियों और उनके ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। इस संबोधन के बाद कई रक्षा एवं राजनयिक विशेषज्ञों ने परमाणु बम के 'पाकिस्तानी हव्वे' से राहत और स्वतंत्रता महसूस की है। पाकिस्तान ने तो घुटनों में मुंह छिपा लिया होगा, क्योंकि उसकी परमाणु धमकियों की कलई खुल चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की है कि यदि भविष्य में पाकिस्तान के साथ बातचीत हुई, तो सिर्फ पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) और आतंकवाद पर ही होगी। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। इसी तरह पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। यदि अब भारत पर आतंकी हमला किया गया, तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से और शर्तों पर जवाब देंगे। हर उस जगह कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंकवाद की जड़ें निकलती हैं। पाकिस्तान समझ गया होगा! प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि आतंकपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। उनकी सजा यही होगी कि भारत उनका सफाया करके ही रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की सेनाओं, सशस्त्र बलों, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों को सलाम किया। वे ही 'ऑपरेशन सिंदूर' के सूत्रधार रहे। प्रधानमंत्री ने सेनाओं और सैनिकों के साहस, शौर्य, पराक्रम को देश की हर मां, बहन, बेटी को समर्पित कर मुद्दे को भावुक बना दिया। उन्होंने पीओके का जिक्र इसलिए किया, क्योंकि भारत उसे अपना अंतरंग और अविभाज्य हिस्सा मानता है। इस संदर्भ में संसद में भी प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' का लक्ष्य और मकसद यह था कि आतंकियों के बड़े-बड़े अड्डे, मुख्यालयों और आतंकियों का सफाया किया जाए। प्रधानमंत्री ने भी माना कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का मकसद फिलहाल हासिल किया जा चुका है। उन्होंने जैश-ए-मुहम्मद के मुख्यालय बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय मुरीदके को 'वैश्विक आतंकवाद की यूनिवर्सिटी' करार दिया। आतंकी अड्डे और 100 से अधिक खूंखार आतंकी मिट्टी में मिलाए जा चुके हैं। पाकिस्तान के साथ जंगी टकराव या वहां की अवाम हमारे सैन्य ऑपरेशन के लक्ष्य नहीं थे, लेकिन पाकिस्तान की फौज के दुस्साहस के कारण हमारी सेनाओं को ऐसी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। पाकिस्तान को अंदाजा तक नहीं था कि उसके महत्वपूर्ण एयरबेस, रडार और एयर डिफेंस सिस्टम आदि को इस कदर तबाह कर दिया जाएगा। आतंकियों और पाकिस्तान ने हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर उजाड़ा और भारत ने उनके मुख्यालय उजाड़ दिए। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पूरे संबोधन में युद्धविराम या सीजफायर का उल्लेख नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि फिलहाल सैन्य कार्रवाई स्थगित की गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पड़ाव पार करने के बाद प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित किया है। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा है कि अब भारत 'परमाणु ब्लैकमेल' बर्दाश्त नहीं करेगा। परमाणु ब्लैकमेलिंग की आड़ में पनपते रहे आतंकियों और उनके ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। इस संबोधन के बाद कई रक्षा एवं राजनयिक विशेषज्ञों ने परमाणु बम के 'पाकिस्तानी हव्वे' से राहत और स्वतंत्रता महसूस की है। पाकिस्तान ने तो घुटनों में मुंह छिपा लिया होगा, क्योंकि उसकी परमाणु धमकियों की कलई खुल चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की है कि यदि भविष्य में पाकिस्तान के साथ बातचीत हुई, तो सिर्फ पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) और आतंकवाद पर ही होगी। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। इसी तरह पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। यदि अब भारत पर आतंकी हमला किया गया, तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से और शर्तों पर जवाब देंगे। हर उस जगह कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंकवाद की जड़ें निकलती हैं। पाकिस्तान समझ गया होगा! प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि आतंकपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। उनकी सजा यही होगी कि भारत उनका सफाया करके ही रहेगा।

भारत ने पिछले कुछ दशकों में आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पर लगातार तनाव के रूप में चुकाई है

सिंधु की धार से होगा आतंक का संहार!

योगेश कुमार गोयल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पहली बार देश को संबोधित किया और चेतावनी भरे लहजे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्पष्ट किया कि अब वह दौर नहीं रहा, जब भारत पाकिस्तान द्वारा हमारे निर्दोष नागरिकों का खून बहाए जाने के बाद भी वहां पानी बहने देता था और उससे वार्ता करता था। राष्ट्र के नाम अपने संदेश में उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि टेरर और टॉक एक साथ नहीं चल सकते, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकता तथा खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।

भारत पाकिस्तान तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पहली बार देश को संबोधित किया और चेतावनी भरे लहजे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्पष्ट किया कि अब वह दौर नहीं रहा, जब भारत पाकिस्तान द्वारा हमारे निर्दोष नागरिकों का खून बहाए जाने के बाद भी वहां पानी बहने देता था और उससे वार्ता करता था। राष्ट्र के नाम अपने संदेश में उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि टेरर और टॉक एक साथ नहीं चल सकते, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकता तथा खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उनका सीधा इशारा सिंधु जल समझौते की ओर था, जिसे भारत द्वारा पहलगाम हमले के बाद स्थगित कर दिया गया था। प्रधानमंत्री के संदेश के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि दोनों देशों के बीच हुए सीजफायर के बाद भी उस सिंधु जल संधि पर भारत द्वारा लगाई गई रोक जारी रहेगी, जो पाकिस्तान की जीवन रेखा मानी जाती है। पाकिस्तान के साथ तनाव के इस दौर में 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता में संपन्न हुई सिंधु जल संधि पहलगाम हमले के बाद से ही भारत की कूटनीतिक रणनीति के केंद्र में प्रमुखता से रही है। उल्लेखनीय है कि सिंधु जल संधि के तहत भारत को पूर्वी नदियों सतलुज, ब्यास और रावी का और पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब का जल उपयोग करने का अधिकार दिया गया था। संधि के तहत भारत को केवल 20 प्रतिशत जल का उपयोग करने की ही अनुमति मिली थी जबकि पाकिस्तान को 80 प्रतिशत जल प्राप्त हुआ, वह भी उन परिस्थितियों में, जबकि ये नदियां भारत की भूमि से ही निकलती हैं। यह भारत की उस समय की एकतरफा उदारता ही थी, जिसकी कीमत भारत ने पिछले कुछ दशकों में आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पर लगातार तनाव के रूप में चुकाई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि हम ख्याल रखेंगे कि पाकिस्तान में सिंधु नदी का एक बूंद पानी भी नहीं जाए और इसके लिए जल्द ही नदियों की गाद निकालने का कार्य किया जाएगा, जिससे पानी रोका जाएगा और इसे मोड़ा जाएगा। 2023 की रिपोर्टों के अनुसार, भारत अपने हिस्से में मिले जल का भी पूर्ण उपयोग नहीं कर रहा है और कई मिलियन एकड़ फीट जल हर वर्ष पाकिस्तान की ओर बह रहा है। यह वही देश है, जो भारत की भूमि पर हमलों के लिए आतंकी संगठनों को पालता रहा है और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत-विरोधी दुष्प्रचार फैलाता है।

भारत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने संसाधनों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए अप्रत्यक्ष समर्थन नहीं बनने देगा। भारत की नई नीति में जल को केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं बल्कि एक रणनीतिक हथियार के रूप में देखा जा रहा है, यह 'वॉटर स्ट्राइक' है, जो बिना हथियार उठाए शत्रु की नींव हिला देने की क्षमता रखती है। पाकिस्तान की कृषि, ऊर्जा और जल आपूर्ति का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा सिंधु प्रणाली की नदियों पर निर्भर है। यदि इन नदियों से मिलने वाले जल का प्रवाह बाधित होता है तो पाकिस्तान की लगभग 17 लाख एकड़ कृषि भूमि बंजर हो सकती है। इस जल संकट से खाद्यान्न उत्पादन में भारी गिरावट, ग्रामीण जीवन का पतन और व्यापक बेरोजगारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होंगी, जिनका सीधा असर पाकिस्तान की आंतरिक स्थिरता पर पड़ेगा। पाकिस्तान का पंजाब और सिंध प्रांत, जो कृषि के मुख्य क्षेत्र हैं, जलविहीन हो जाएंगे और इससे एक मानवीय संकट जन्म लेगा, जिसकी जिम्मेदारी पाकिस्तान की आतंकी पोषक नीति पर ही जाएगी। पाकिस्तान का जल संसाधन मंत्रालय पहले ही चेतावनी दे चुका है कि पाकिस्तान तेजी से जल संकट की ओर बढ़ रहा है और यदि आगामी पांच से सात वर्षों में ठोस समाधान नहीं हुए तो वह 2030 तक जलविहीन राष्ट्र बन सकता है। विश्व बैंक की 2022 की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान की जल भंडारण क्षमता केवल 30 दिन की है जबकि भारत के पास 200 दिनों की क्षमता है। इसी तरह इंटरनेशनल मॉनिटरिंग रिपोर्ट (2023) ने पाकिस्तान को विश्व के तीसरे सबसे जल-अभावग्रस्त देश के रूप में चिन्हित किया है। यदि सिंधु जल संधि पर रोक जारी रहती है तो ऊर्जा के मोर्चे पर भी भारत का निर्णय पाकिस्तान के लिए जबरदस्त झटका साबित होना तय है। सिंधु प्रणाली की नदियों पर आधारित पाकिस्तान की चार प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं, मंगला, तरबेला, नीलम-झेलम और दासू, देश की कुल पनबिजली उत्पादन क्षमता का 58 प्रतिशत योगदान देती हैं। ऐसे में यदि भारत जल प्रवाह नियंत्रित करता है तो इन परियोजनाओं की कार्यक्षमता ठप हो सकती है और जो पाकिस्तान पहले से ही ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, उसे अंधकारमय भविष्य की आहट सुनाई देने लगेगी। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति मजबूत है क्योंकि वह सिंधु जल संधि के अनुच्छेद 12(4) के अंतर्गत अपने अधिकारों का प्रयोग कर रहा है। यह अनुच्छेद स्पष्ट करता है कि यदि द्विपक्षीय संबंध बिगड़ते हैं तो कोई भी पक्ष संधि की समीक्षा की मांग कर सकता है। वैसे भी यह निर्णय केवल भारत के आंतरिक हितों की ही रक्षा नहीं करता बल्कि वैश्विक मंचों पर एक संप्रभु राष्ट्र के अधिकारों को भी पुष्ट करता है। दुनिया के कई उदाहरण इस बात की पुष्टि करते हैं कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए देशों को अंतर्राष्ट्रीय संधियों से पीछे हटने का साहसिक निर्णय लेना पड़ता है और भारत ने यही किया है। चीन ने साउथ चाइना सी पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले को मानने से इन्कार कर दिया था और आज तक उस क्षेत्र में अपना दावा बनाए हुए है। भारत का यह निर्णय भी उसी प्रकार का कदम है, जहां राष्ट्रहित सर्वोपरि। संधियां तभी तक ही मान्य हैं, जब तक वे राष्ट्र के लिए लाभकारी हैं। भारत का यह निर्णय जल को एक रणनीतिक हथियार के रूप में देखने की अवधारणा को स्थापित करता है। यह एक 'डिप्लोमैटिक डिटरेंस' है, जो शत्रु राष्ट्र के बुनियादी ढ़ांचे पर आघात करता है। भारत अब केवल आतंकवादी हमलों पर जवाबी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहता बल्कि वह उस राज्य की संप्रभुता को चुनौती देने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, जो आतंकवाद का पोषण करता है। यह एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जो आने वाले वर्षों में भारत को जल संसाधनों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सामरिक दृष्टि से सशक्त बनाएगा। इतिहास इस बात का गवाह है कि जब 1 अप्रैल 1948 को भारत ने पाकिस्तान को जाने वाली दो नहरों का जल प्रवाह अस्थायी रूप से रोका था तो पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई थी। आज का परिदृश्य उससे कहीं अधिक जटिल और गंभीर है क्योंकि अब पाकिस्तान की जनसंख्या कई गुना अधिक है, संसाधनों पर निर्भरता बढ़ चुकी है और वैश्विक खाद्य संकट की संभावनाएं मंडरा रही हैं।

दृष्टि कोण

अभिशप्त विज्ञान के कारण अस्थिर जलवायु

अप्रैल आरंभ में जब शुष्कतापूर्ण गरमी पडनी आरंभ हुई तो लोगों ने सोचा कि इस बार अप्रैल के उत्तराद्र्ध से लेकर और वर्षा ऋतु आने तक ग्रीष्म-ताप से जीवन बुरी तरह पस्त हो जाएगा, किंतु मई के दो हफ्तों तक मौसम वर्षाऋतु जैसा हो उठा। इस कारण उत्तर और मध्य भारत में वर्षा, अंधड़, आंधी आने, बिजली गिरने और बादल फटने की अनेक घटनाएं हुईं। ऐसे मौसमीय परिवर्तन द्वारा जलवायु तो शीतल हो ही गई और लोग इस मौसम का आनंद भी लेते रहे, किंतु जलवायु के प्रति संवेदनशील लोगों के मन-मस्तिष्क में यह चिंता भी पसर गई कि यह कैसा मौसमीय परिवर्तन है! छह प्रमुख ऋतुओं में विभाजित मौसम ऋतुओं के अनुसार प्रसारित जलवायु के समय-संतुलन के साथ स्थिर है ही नहीं। जहां बसंत के चरम चैत्र में ही लगने लगा था कि अत्यधिक गर्म मौसम हो गया है, वहीं अब बैसाख के उत्तराद्र्ध में राजधानी दिल्ली सहित उत्तर और मध्य भारत के प्रांतों-क्षेत्रों में भी मूसलाधार वर्षा ने कम से कम हफ्ता-दस दिन के लिए गर्मी का प्रभाव कम या समाप्त कर दिया है। तापमान सामान्य हो गया है। पर्वतीय राज्यों में शीत प्रभाव बढ़ गया है। ऋतु अस्थिरता का यह उपक्रम भारतीय भूभाग तक ही सीमित नहीं है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड समेत दक्षिण एशिया के अधिसंख्य देशों में भी मौसम लगभग ऐसा ही बनकर परिव्याप्त है। नभ पर व्योम मंडरा रहे हैं। कभी ये व्योम काले-भूरे रंगों के साथ घनीभूत हो जा रहे हैं तो कभी धरा से ऊपर नभ ही नभ पर तीव्र वेग से प्रसारित वायुबल द्वारा छितरते-बिखरते हुए प्रतीत हो रहे हैं। सूर्य का अस्तित्व धुंधला-सा गया है। व्योम पर तीव्रता से वायु सरकती है तो धरती पर जीवों की श्वासें सहज हो उठती हैं और जब घने-काले-भूरे-मटमैले मेघों से परिपूर्ण व्योम व धरा पर वायु थमती है तो श्वासें भारी, असहज और अस्वस्थ हो उठती हैं। ऐसा मौसम न केवल श्वासों को अस्वस्थ करता है, अपितु आंखों के लिए भी अत्यधिक कुरूप बनकर मनुष्य के मन-मस्तिष्क व आत्मा को भी कुंठाओं से ग्रस्त करता है। आधुनिकीकरण, नगरी व महानगरीकरण के कारण पहले ही मनुष्य का जीवन वन-वनस्पतियों से वंचित है, ऊपर से जलवायु असंतुलन द्वारा उत्पन्न आकाशीय, क्षितिजीय धुंध-धूल उसे जीवन के अनुभव से हीन कर रही है। मौसम की अस्थिरताएं विचित्र स्थितियां उत्पन्न कर रही हैं। ऐसे में मनुष्य क्या करे, कहां जाए? आज से कुछ वर्ष पहले नगरों में रहकर इस प्रकार की मौसमीय अस्थिरताओं से दुखित होने के बाद, इनसे बचने लोग गांवों की ओर प्रस्थान किया करते थे, किंतु अब तो क्या नगर और क्या गांव, सब एकसमान हो चुके हैं, बल्कि गांव तो न पूरी तरह गांव ही रहे और न ढंग से नगरीय शैली में ही ढल पाए हैं। ग्राम्य जीवन तो नगर के ओछेपन को ढो रहा है। लगता है अब नरक का साक्षात्कार मनुष्य को ऐसे ही होना है। जीवन के चरम सुख और आनंद के आधार गांव और गांव का सार्वजनिक जीवन ही जब नगरीय विसंगतियों को घृणित रूप में ढोते हुए दिखाई दे, तो फिर मनुष्य की स्थिति किंचित वैसे ही हो जाती है जैसी कहावत है कि 'न घर के न घाट के'। जैसा आधुनिक जीवन हमें अपने चहुंओर दिखाई दे रहा है, जो तथाकथित भोगोपभोगी सुविधाएं हमारे लिए यहां-वहां सब जगह उपलब्ध हैं और जिनके आधार पर भिन्न-भिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं की पारस्परिक प्रतिस्पद्र्धाएं हो रही हैं, उसी कारण और उसी आधुनिकदोष के परिणामस्वरूप आज हमारे सम्मुख जलवायु संकट अप्रत्याशित हो चुका है। एक दिवस भी प्राकृतिक नहीं रहा। किसी एक ऋतु या मौसम की प्रकृतिवत्ता तो अब संभव ही नहीं लगती। यह स्थिति अंततः दुनिया को किस विध्वंस की ओर ले जाएगी। इसका उत्तर अभी किसी के पास नहीं है। हां, सर्वाधिक प्राकृतिक असंतुलन उत्पन्न कर रहे इस कालखंड में यह शुभ समाचार जलवायु के भविष्य हेतु कुछ सकारात्मक आश्वस्ति अवश्य देता है कि सऊदी अरब देश अपनी रेगिस्तानी भूमि पर दस अरब वृक्ष लगाने की एक परियोजना पर कार्य कर रहा है। ये वृक्ष सात करोड़ अड़तालीस लाख हेक्टेयर भूमि में उगाए जाएंगे। इस परियोजना से अन्य देश भी प्रेरणा लें। वे ऐसी ही हरित परियोजनाओं को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें। विश्व मानचित्र पर मध्य पूर्व का जो भूभाग विगत साठ-सत्तर वर्षों से पेट्रो पदार्थों के उत्खनन का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ था और पूरी दुनिया में जिसके पेट्रो पदार्थों के प्रसारण के बाद ही वैश्विक जलवायु में अत्यधिक उग्र परिवर्तन होने आरंभ हुए थे, आज उसी भूभाग के देशों को सीख मिल गई है कि उन्होंने अपनी धरती के पेट्रो पदार्थों का आवश्यकता से अधिक दोहन कर लिया है।

कुछ अलग

सुरा पर बरखुरदार

आज के दौर में आदमी अपने को जिंदा रख सके या न, पर उसे अपने लिंक हर हाल में जिंदा रखने चाहिएं। इसी मकसद से मैं इधर उधर आफिसों में बिन काम के भी इसे उसे अपना चेहरा बता आता हूं, उनके साथ बिन बात भी बतिया आता हूं ताकि कल को जब उनसे कोई फेवर लेनी हो तो अपने को अनकंफर्टेबल फील न हो, उनको कोफ्त न हो। इधर कई दिनों से पानी की टंकी के बदले आंखों में पानी आ रहा था, सो काम चल रहा था। पर जब लगने लगा कि अब आंखों का पानी भी जवाब देने वाला है तो जल भक्ति दफ्तर चला गया जल भक्ति वाले जनाब के पास! खैर, उनसे अपने पुराने लिंक तो थे ही। उनकी टेबल को गौर से देखा तो उनकी टेबल पर फाइलों के बदले अलग अलग ब्रांड की बोतलें सजी हुई थीं।

देख मैं चौंका। कहीं गलत जगह तो नहीं आ गया? मैंने अपने आप से सवाल किया। फिर इधर उधर देखा। दीवारें तो वही हैं। जनाब भी वही हैं। तो फिर गड़बड़ कहां है?

मुझे चौंका देख वे सादर बोले, 'आओ! आओ! चौंको मत! तुम सही जगह पर आए हो।'

'पर ये फाइलों की जगह बोतलें? पहले तो जनाब बोतल में फाइल बेचा करते थे, पर अब बोतल ही बेचनी शुरू कर दी? बोतलों में फाइलें बेच कर मन नहीं भरा क्या?' अपने थे सो बुरा नहीं माना। अगर बंदा अपना न हो तो आपकी गलत बात का तो बुरा मानता ही है, सही बात का उससे भी अधिक बुरा मान जाता है।

'यार! एक सरकारी कर्मचारी जो न बेचे, वही कम। यहां कभी ईमान बेचना पड़ता है, तो कभी काम। आजकल बोतल बेच रहा हूं। कहो, कौनसी दूं?'

'कई दिनों से टंकी में पानी नहीं आ रहा है। खाली पानी की टंकी चातक हो अब पानी! पानी! पुकार रही है । सोचा, लिंक हैं सो...।'

'पानी आ जाएगा। इतना आएगा कि टंकी ओवरफ्लो हो जाएगी। पर पहले चार बोतल लेनी होंगी', पहली बार वे गिड़गिड़ाए।

'मतलब? जानते नहीं, मैं एंटी बोतल सेल का सक्रिय सदस्य हूं।'

'जानता हूं दोस्त! सब जानता हूं। सब जानते जानते ही सिर के बाल सफेद हुए हैं। यहां जो जिस चीज के एंटी होता है, वही काम दूसरे कामों से बढ़चढ़ कर करता है।'

'मतलब?'

'जो भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की नीति बनाते हैं, वे ही भ्रष्टाचार की पेट पीठ पर हाथ फेरते खाते हैं। जो झूठ में जीरो टॉलरेंस की नीति बनाते हैं, वे ही झूठ सरकारी राशन की दुकानों पर बेच पेट पीठ पर हाथ फेरते खाते हैं। जो देशद्रोह में जीरो टॉलरेंस की नीति बनाते हैं, वे ही देश से विश्वासघात कर पेट पीठ पर हाथ फेरते खाते हैं। यार! अब सरकार ने बोटलें बेचने का टारगेट दिया है। प्लीज! मुझे मेरा टारगेट अचीव करने में मेरे खुदा मदद कर', उन्होंने दोनों हाथ जोड़ मेरे आगे शीश नवाया तो मैंने अपने सिर पर खुदा पाया। और उनके टारगेट के लिए एंटी बोतल सेल का सक्रिय मेंबर होने के बाद भी चार बोतल कैश खरीद लिए। कभी बहाने सहाने सादर घर बुला उनको ही पिला भी दूंगा। पीने पिलाने वाले कह गए हैं कि पीने पिलाने से लिंक और मजबूत होते हैं। पिलाने में बहुत शक्ति होती है जनाब! भक्ति से भी बहुत अधिक शक्ति! तभी तो पांच सात सौ में लाखों के काम पीते पिलाते ही हो जाते हैं।

देश दुनिया से

हास्यास्पद है न्यूज चैनलों का गैर जिम्मेदाराना रवैया

हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच पनपे गहरे तनाव के दौरान भारत की सेना के बल और पराक्रम को भारतवासियों ने ही नहीं, बल्कि दुनिया ने महसूस किया है। आज हर देशवासी देश की सेना की वीरता और साहस पर एक बार फिर से खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। जब हमारा देश युद्ध के मुहाने पर था और भारत की सेना देशवासियों की सुरक्षा के लिए दुश्मन के हर वार का मुंहतोड़ जवाब दे रही थी ठीक उसी वक्त देश के कुछ प्रतिष्ठित न्यूज चैनल सेना के नाम पर झूठी खबरों को प्रसारित करके देश के सामने झूठ परोस रहे थे। पूरे देश में इतने बड़े तनाव के समय ये न्यूज चैनल अपनी टीआरपी बढ़ाने के चक्कर में देश की जनता को गलत जानकारियां परोस कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले सारे मीडिया की साख को मिट्टी में मिलाने का कार्य कर रहे थे। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जिसमें विश्व की कुल आबादी के लगभग अठारह प्रतिशत लोग रहते हैं और जो विश्व का सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, उसमें मीडिया की ऐसी गैर जिम्मेदाराना भूमिका कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है और विशेषतः उस समय जब देश युद्ध के मुहाने पर खड़ा हो। देश के युद्ध जैसी स्थिति में होने के कारण जब हर देशवासी सही और सटीक जानकारी की तलाश में था, उस वक्त इन न्यूज चैनलों द्वारा झूठी जानकारियों को सनसनीखेज बनाकर पेश किया गया और देश की जनता की भावनाओं से खिलवाड़ किया गया। ये न केवल देशवासियों के विश्वास के साथ धोखा है, बल्कि इन न्यूज चैनलों की निष्पक्षता और देश के प्रति इनकी जवाबदेही पर बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह भी है। यूं तो मीडिया की निष्पक्षता पर समय समय पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन जब देश युद्ध जैसी स्थिति में हो, उस समय मीडिया को ऐसी गैर जिम्मेदाराना हरकत करना कतई शोभा नहीं देता। देश जब प्रतिकूल परिस्थितियों से गुजर रहा था, तब मीडिया से अपने पेशे की आचार संहिता के सर्वोच्च सिद्धांतों- सच्चाई और निष्पक्षता का पालन करने की अपेक्षा की जा रही थी। लेकिन इन न्यूज चैनलों ने अपने पेशे की मर्यादा और सिद्धांतों को तिलांजलि देते हुए देश के सामने झूठ परोस कर अपनी साख को बहुत बड़ा धक्का पहुंचाया है। देश के सामने सच्चाई पेश करने के बजाय ये न्यूज चैनल अपनी टीआरपी को बढ़ाने की अंधी दौड़ का हिस्सा बन चुके थे। इन न्यूज चैनलों के समाचार प्रस्तुतकर्ताओं द्वारा कुछ ऐसी खबरें प्रसारित कर दी गईं, जिनका हकीकत से दूर-दूर तक कोई वास्ता ही नहीं था। भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत के साथ ही इनकी झूठी खबरों का दौर

भी शुरू हो गया था। इन झूठी खबरों में सबसे बड़ी सनसनी देश में तब फैली, जब इनके द्वारा टेलीविजन पर ये खबर प्रसारित कर दी गई कि भारत की सेना ने पाकिस्तान के लाहौर और इस्लामाबाद पर कब्जा कर लिया है। यूं तो ये खबर हर देशवासी के लिए स्वागत योग्य और सुकून देने वाली थी, लेकिन जब भारत सरकार द्वारा किसी भी ऐसी खबर की पुष्टि नहीं की गई तो पता चला कि ये टीआरपी बढ़ाने के लिए प्रसारित खबर थी। इतनी बड़ी गलत खबर देने के बाद भी देश के इन प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों ने अपनी गलती नहीं मानी और इस तरह की झूठी खबरों को प्रसारित करके देशवासियों के विश्वास से खेलते रहे। आईएनएस विक्रांत द्वारा कराची बंदरगाह को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है और पाकिस्तानी सेना के जनरल को उसके पद से हटाकर बंदी बना लिया गया है, ये ऐसी खबरें थी जिन्होंने भारतीयों का ध्यान पूरी तरह से अपनी ओर खींचा था। लेकिन समय बीतने पर जब इन खबरों की भी कोई पुष्टि नहीं की गई तो फिर से इनका झूठ देश के सामने आ गया। इसके अलावा भारत के कई हिस्सों में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले के संदर्भ में और मिसाइल व फाइटर प्लेन के क्रैश से संबंधित काफी झूठी खबरें इन न्यूज चैनलों द्वारा प्रसारित की गई थी। जब ऐसी सनसनीखेज खबरें न्यूज चैनलों द्वारा प्रसारित की गई और देश की जनता की रुचि इनमें बढ़ने से ये खबरें आग की तरह देश के कोने-कोने तक पहुंच गई। हालांकि इस दौरान विभिन्न समाचार पत्र समूहों द्वारा संवेदनशीलता दिखाते हुए सही और निष्पक्ष जानकारियां देश की जनता के सामने पेश की गईं। वर्तमान समय में हर व्यक्ति सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहा है। आजकल हर व्यक्ति सूचना को तेजी से आगे पहुंचाने में समर्थ हो चुका है। सोशल मीडिया पर डाली गई जानकारियां तेजी से जनता में फैल जाती हैं। इन न्यूज चैनलों द्वारा प्रसारित झूठी खबरों को भी एक दम से सोशल मीडिया पर बैठे खबरियों द्वारा लपक लिया गया और ये झूठी खबरें थोड़े समय के अंदर हर देशवासी के कान पर दस्तक दे गईं। जो झूठी खबरें देश के इस मीडिया द्वारा फैलाई गईं उनको सच सिद्ध करने में भारत की सेना पूरी तरह से सक्षम है। लेकिन इन चैनलों द्वारा सेना से भी आगे चलने का जो काम इस तनाव के माहौल में किया गया ये बहुत ही शर्मनाक है। ऐसी खबरों से भले ही इन न्यूज चैनल की टीआरपी बढ़ गई हो लेकिन इनकी साख और विश्वसनीयता पर बहुत बड़ी चोट आई है। भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को इस विषय पर कड़ा संज्ञान लेने की जरूरत है और इन चैनलों को इनके द्वारा प्रसारित झूठी खबरों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। मीडिया को देश का आंख और कान माना जाता है, लेकिन जब ये अपना काम इतने गैर जिम्मेदाराना ढंग से करेगा तो आने वाले समय में इसका भारी नुकसान देश को भी उठाना पड़ सकता है।

आप का नजरिया

महिला आरक्षण क्यों

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 लोकसभा और राज्यसभा दोनों में लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था जिसके अंतर्गत महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा तथा लोकसभा व विधानसभाओं में कुल सीटों का एक-तिहाई हिस्सा महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। इस अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में अधिक सक्रिय रूप में शामिल करना तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। यह विधेयक 2026 के बाद होने वाली जनगणना के उपरांत जब परिसीमन किया जाएगा, तब से लागू होगा। क्या सच में महिलाओं को आरक्षण की आवश्यकता है या वे इतनी सक्षम हैं कि अपना स्थान स्वयं बना सकती हैं? पिछले दिनों एक धार्मिक समागम में मैंने पाया कि उपस्थित संगत में लगभग 120 महिलाएं थी और पुरुषों की गिनती कथावाचक और उनके सहयोगियों को मिला कर मुश्किल से 12 थी, यानी 90 प्रतिशत महिलाएं अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति से अल्पसंख्यक पुरुषों को उनके बेचारेपन का एहसास करवा रही थीं। महिलाएं पूजा-पाठ, व्रत-त्योहार, कथा-कीर्तन में सबसे आगे रहती हैं। अपने परिवारों के सदस्यों की सुरक्षा और खुशहाली के लिए कुछ भी करने को हमेशा तत्पर रहती हैं। पति की लंबी आयु के लिए तीज और करवा चौथ का व्रत, बच्चों के लिए अहोई अष्टमी और छठ पूजा का व्रत, पूरे परिवार के लिए निर्जला एकादशी और वैभव लक्ष्मी व्रत जैसे उपवास रखने की क्षमता केवल महिलाओं में ही होती है। अब बात करते हैं खरीददारी की। भारत के किसी भी कोने में चले जाइए, मार्किट में खरीददारी करती अधिकतर महिलाएं ही दिखेंगी। कपड़ों से लेकर जूतों तक की दुकानों में महिलाओं का ही बोलबाला रहता है। सैलून से लेकर ब्यूटी पार्लर महिलाओं से भरे मिलते हैं। आभूषण की दुकानें हमेशा महिलाओं के इंतजार में रहती हैं। आजकल तो रेस्तरां वाले भी किट्टी पार्टी के आयोजन को अधिक प्राथमिकता देते हैं। गांवों के मेलों में जहां पुरुष कुश्ती का आनंद लेने में मस्त रहते हैं, वहीं महिलाएं दुकानदारों से मोल-भाव करने में व्यस्त रहती हैं। कोई भी बाजार ले लीजिए, वहां महिलाओं का ही बोलबाला रहता है। यदि हम इस परिदृश्य को और अधिक गंभीरता से देखें तो ज्ञात होगा कि अन्य क्षेत्रों में भी महिलाओं का प्रदर्शन सराहनीय है। किसी भी स्कूल, कॉलेज या प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम देख लीजिए, मैरिट के पहले सात या आठ स्थानों पर बेटियों का कब्जा रहता है। नामी-गिरामी व्यावसायिक महाविद्यालयों में लड़कियों की संख्या लडक़ों से कहीं अधिक है। अध्यापन, मेडिकल, प्रशासन, राजनीति, इंजीनियरिंग, आईटी, कानून, खेलकूद के क्षेत्र में या फिर स्पेस पर जाने की बात हो, नारी की उपस्थिति हर जगह देखी जा सकती है। सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में भी उसने अपना लोहा मनवाया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि अन्य क्षेत्रों की तरह राजनीति में भी महिलाएं अपनी पकड़ धीरे-धीरे मजबूत कर रही हैं। राजनीति में उन्हें आरक्षण आधी आबादी को मजबूत करेगा।

परमाणु नियंत्रण : रक्षा मंत्री राजनाथ के बयान पर तिलमिलाया पाकिस्तान, देने लगा सफाई

इस्लामाबाद,16 मई (एजेंसियां) ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की निगरानी को लेकर चिंता जताई तो पाकिस्तान इस बात को लेकर भड़क गया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बड़बोलापन दिखाते हुए इस बयान की कड़ी निंदा की। दरअसल, राजनाथ सिंह ने कहा था कि आतंकवादियों को पनाह देने वाले इस्लामाबाद के परमाणु संयंत्रों की निगरानी के लिए अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी नियुक्त होना चाहिए।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि यह बयान गैर-जिम्मेदाराना है। इस बयान के जरिए भारत, पाकिस्तानी परमाणु हथियारों के प्रति अपनी असुरक्षा की भावना को प्रदर्शित कर रहा है। अपना बड़बोलापन दिखाते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि परमाणु हथियारों के बिना भी हम भारत की तरफ से किए गए किसी भी हमले को रोकने में सक्षम हैं। वैश्विक एजेंसियों और वैश्विक बिरादरी को अगर किसी की निगरानी करनी चाहिए तो वह भारत के परमाणु हथियारों की।

बता दें कि एक परमाणु हथियार से संपन्न देश के रूप में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बहुत ही ज्यादा खराब है। पाकिस्तान के कई नेता भी लगातार परमाणु हथियारों की बातों पर आ जाते हैं। पाकिस्तान के कई हिस्सों में गृहयुद्ध जैसी स्थिति जारी है। ऐसे में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का किसी आतंकी संगठन के हाथों में लगने की भी संभावना बनी हुई है। भारत-पाक के चार दिवसीय संघर्ष के दौरान भी परमाणु हथियार को लेकर बातचीत शुरू हो गई थी। इस लड़ाई के बाद ऐसी खबरें भी सामने आईं थी कि पाकिस्तान में न्यूक्लियर रेडिएशन का खतरा शुरू हो गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बादामी बाग छावनी में सैनिकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान ने कितनी गैर जिम्मेदारी से भारत को धमकाया है। आज श्रीनगर की धरती से यह सवाल उठाना चाहता हूं कि क्या ऐसे गैर जिम्मेदार और दुष्ट राष्ट्र के हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित है। मेरा मानना है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में लिया जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

काठमांडू में होगा तीन दिवसीय सागरमाथा संवाद का आगाज

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में सरकार के तत्वावधान में सागरमाथा संवाद कार्यक्रम का आगाज होगा। इस दौरान जलवायु परिवर्तन और उसे पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय के इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली करेंगे। इसमें हिस्सा लेने के लिए भारत के वनमंत्री भूपेंद्र यादव एवं चीन के संसद के डिप्टी स्पीकर काठमांडू पहुंच चुके हैं। कार्यक्रम में 175 देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और हिमालय पर इसके प्रभाव जैसे गंभीर मसलों पर चर्चा करने के लिए नेपाल सरकार इस अंतरराष्ट्रीय फोरम की शुरुआत कर रही है। कार्यक्रम में 12 देशों के मंत्री अपने विचार रखेंगे। उद्घाटन सत्र में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ेंगे। भारत के वनमंत्री यादव उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। डॉ. राणा के मुताबिक कार्यक्रम में विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन संबंधी संगठन सहित विभिन्न 61 संगठनों के प्रतिनिधि भी विचार रखेंगे। संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय नदी संरक्षण वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है। इस पर भी कार्यक्रम में विशेष चर्चा की जाएगी।

रूस के थल सेना प्रमुख जनरल ओलेग सल्युकोव को हटाया गया

मॉस्को। रूस के थल सेना प्रमुख जनरल ओलेग सल्युकोव को उनके पद से हटा दिया गया। यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता की बनती-बिगड़ती प्रक्रिया के बीच इस नाटकीय बदलाव की चर्चा रूस के अलावा अन्य पश्चिमी देशों के अखबारों में प्रमुखता से की गई है। ओलेग सल्युकोव रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पुराने सहयोगी हैं। उन्होंने ही उन्हें थल सेना प्रमुख के पद से हटाने का फैसला किया। पुतिन का यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब रूस, यूक्रेन युद्ध और सैन्य रणनीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव में है। सल्युकोव 2014 से थल सेनाध्यक्ष थे। अब उन्हें रूसी सुरक्षा परिषद में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। जनरल सल्युकोव का कार्यकाल आधुनिक हथियारों के समावेश और रणनीतिक सुधारों के लिए जाना गया। 2024 में यूक्रेन के कुर्स्क क्षेत्र में किए गए अचानक हमले ने रूस की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े किए। इस घटना के बाद पुतिन पर दबाव बढ़ा कि वह जमीनी रणनीति में बदलाव करें। फिलहाल सल्युकोव की जगह कौन सैन्य अधिकारी लेगा, इसकी घोषणा नहीं की गई है। इस बदलाव को रक्षा मंत्रालय में अहम माना जा रहा है। कुछ दिन पहले ही रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू की जगह आर्थिक विशेषज्ञ आंद्रेई बेलौसोव को नया रक्षामंत्री नियुक्त किया गया है।

पाक पीएम शाहबाज शरीफ ने भारत से शांति वार्ता का दिया प्रस्ताव, कहा- कश्मीर रहेगा अहम मुद्दा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने गुरुवार को भारत के साथ बातचीत की पेशकश

करते हुए कहा कि पाकिस्तान शांति के लिए संवाद को तैयार है। यह बयान उन्होंने पंजाब प्रांत स्थित कामरा एयर बेस की यात्रा के दौरान दिया, जहां वे हाल ही में भारत के साथ सैन्य संघर्ष में शामिल पाकिस्तानी वायुसेना के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर रहे थे। शरीफ ने कहा, हम भारत से शांति के लिए बात करने को तैयार हैं। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस वार्ता के लिए शांति की शर्तों में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा शामिल है। दूसरी ओर, भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं, और इस पर किसी प्रकार की बातचीत का प्रश्न ही नहीं उठता। पड़ोसी देश से सिर्फ आतंकवाद के मुद्दे पर ही बात संभव है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के इस दौरे पर उनके साथ पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू भी मौजूद रहे। इससे पहले, प्रधानमंत्री शरीफ ने सियालकोट स्थित पासरूर छावनी का भी दौरा किया था और जवानों से बातचीत की थी। यह उनकी दूसरी सैन्य प्रतिष्ठान यात्रा थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि पाकिस्तान सरकार मौजूदा तनाव को लेकर सेना के साथ लगातार समन्वय कर रही है।

अमेरिका में जन्मजात नागरिकता पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू, जून में फैसला संभव

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जनवरी में लगा चुके हैं इस पर प्रतिबंध, इसे 20 राज्यों के नागरिक अधिकार संगठनों ने दी है चुनौती

वाशिंगटन,16 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने देश में जन्मजात नागरिकता के अधिकार पर गुरुवार को सुनवाई शुरू की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत करते ही जनवरी में इस अधिकार पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसले जून तक आने की उम्मीद है। इस फैसले से संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की शक्तियों, न्यायिक क्षेत्राधिकार और 14वें संविधान संशोधन से संबंधित अहम सवालों के जवाब भी मिल सकते हैं।

खबर के अनुसार, इस अधिकार में यह व्यवस्था है कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर बच्चा संयुक्त राज्य अमेरिका का नागरिक होता है। भले ही बच्चे के माता-पिता अमेरिका में अस्थायी तौर पर या अवैध रूप से रह रहे हों। इस साल जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालते ही डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मजात नागरिकता के अधिकार पर रोक लगा दी थी। ट्रंप के इस फैसले को डेमोक्रेट सरकार वाले करीब 20 राज्यों के अप्रवासियों और नागरिक अधिकार संगठनों ने अदालत में चुनौती दी है।

ट्रंप के फैसले को अदालत में चुनौती देने वाले अप्रवासियों और नागरिक अधिकार संगठनों का दावा है कि राष्ट्रपति का यह आदेश संविधान के 14वें संशोधन का उल्लंघन करता है। मैरीलैंड, वॉशिंगटन और मेसाच्युसेट्स के संघीय जज ट्रंप प्रशासन के आदेश को लागू करने पर पूरे देश में रोक लगा चुके हैं। ट्रंप प्रशासन ने निचली अदालतों के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को करीब दो घंटे तक सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट यह भी विचार करेगा कि क्या निचली अदालत पूरे देश में सरकार के फैसले को लागू होने पर रोक लगा सकती है या नहीं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि संघीय जजों को केवल कुछ मुकदमों के आधार पर पूरे देश के लिए संघीय नीतियों को रोकने का अधिकार नहीं होना चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट ट्रंप प्रशासन के इस तर्क पर सहमत हो जाता है तो राष्ट्रपति का आदेश उन 28 राज्यों में लागू हो सकता है, जिन्होंने मुकदमा नहीं किया है। इससे एक विभाजित प्रणाली निर्मित होने की आशंका है, जहां कुछ राज्यों में जन्मे बच्चों को स्वत: नागरिकता मिल जाएगी और अन्य को नहीं। सुप्रीम कोर्ट के नौ न्यायाधीशों की राय अलग-अलग हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह विवाद और लंबा खिंच सकता है। विभाजित फैसला संवैधानिक टकराव की तरफ भी बढ़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को दो घंटे से अधिक समय तक चली बहस से फिलहाल कुछ भी संकेत नहीं मिला।

अमेरिकी प्रशासन को ट्रंप-पुतिन मुलाकात जल्द होने की उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रशासन को उम्मीद है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुत जल्द ही मुलाकात होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति के उप सहायक और आतंकवाद निरोध के वरिष्ठ निदेशक सेबेस्टियन गोर्का का ऐसा मानना है। उन्होंने कहा कि सौदे और समझौते तो होते ही रहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन के मिलने का सही समय आ गया है। उन्होंने पॉलिटिको अखबार के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में यह घोषणा की। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने इस अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी। खबर में यह भी कहा गया कि सेबेस्टियन गोर्का ने इस संबंध में पूछे गए अन्य सवालों का जवाब गोलमोल दिया। गोर्का ने कहा कि उन्हें सवालों में कोई उलझा नहीं सकता। उनसे एक सवाल पूछा गया कि क्या ट्रंप ने इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन वार्ता में भाग लेने की योजना बनाई है व्हाइट हाउस के इस अधिकारी ने सपाट जवाब दिया-नहीं। गोर्का ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इसमें शामिल सभी पक्षों की ओर से कोई अड़ियल रवैया न हो। लेकिन आप निश्चिंत हो सकते हैं कि जब समझौते पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी तो राष्ट्रपति ट्रंप जरूर मौजूद होंगे। क्रीमिया और अन्य क्षेत्रों पर रूस की संप्रभुता की अंतरराष्ट्रीय मान्यता पर संभावित चर्चा के बारे में उन्होंने कहा कि इस पर वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

सोते समय प्राकृतिक खुशबू सूंघने से याददाश्त में सुधार

कैलिफोर्निया,16 मई (एजेंसियां) ।

अगर व्यक्ति रात को सोते समय प्राकृतिक खुशबू को नियमित रूप से सूंघता है, तो उसकी याददाश्त में 226 फीसदी तक का सुधार देखा जा सकता है। कैलिफोर्निया की यूनिवर्सिटी इरविन के वैज्ञानिकों ने ताजा रिसर्च में ये बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। वैज्ञानिकों ने यह प्रयोग विशेष रूप से 60 से 85 वर्ष की आयु के बुजुर्गों पर किया, जिसमें उन्हें छह महीने तक हर रात नेचुरल अरोमा (प्राकृतिक खुशबू) का अनुभव कराया गया।

रिसर्च के दौरान पाया गया कि इन खुशबुओं की मदद से न केवल नींद की गुणवत्ता बेहतर हुई, बल्कि प्रतिभागियों की याद रखने की क्षमता में भी जबरदस्त सुधार देखने को मिला। रिपोर्ट के अनुसार, खुशबू सूंघने वालों को दिन की घटनाओं को याद रखने में आसानी हो रही थी और उनकी स्मृति क्षमता उन लोगों की तुलना में काफी अधिक बेहतर हो गई थी, जिन्होंने यह प्रयोग नहीं किया था। वैज्ञानिकों का कहना है कि नींद के दौरान मस्तिष्क का वह हिस्सा ज्यादा सक्रिय होता है जो यादें संजोने और उन्हें संरक्षित रखने का काम करता है। ऐसे में जब व्यक्ति सोते समय किसी विशेष प्राकृतिक सुगंध का अनुभव करता है, तो वह दिमाग की उन नसों को उत्तेजित करता है जो स्मृति से जुड़ी होती हैं। इस वजह से नींद अधिक गहरी होती है और दिमाग में मौजूद जानकारियों की प्रोसेसिंग और स्टोरेज भी ज्यादा प्रभावी ढंग से होती है। रिसर्च के मुताबिक, जिन लोगों ने छह महीने तक नियमित रूप से यह खुशबू सूंघी, उनकी कार्यक्षमता में भी सुधार देखा गया। इस प्रयोग में लैवेंडर, गुलाब, संतरा और यूकलिप्टस जैसी प्राकृतिक खुशबुओं का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें हर रात एक तय समय पर सक्रिय किया गया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह प्रक्रिया न सिर्फ याददाश्त के लिए लाभकारी है, बल्कि यह मानसिक तनाव, नींद की समस्या और उम्रजनित भूलने की बीमारी जैसी स्थितियों में भी राहत देने में मददगार हो सकती है।

शेख हसीना के बेटे अमेरिका के नागरिक बने

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने अमेरिका की नागरिकता प्राप्त कर ली है। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी नागरिक के रूप में शपथ ग्रहण की है। सजीव ने पासपोर्ट के माध्यम से नागरिकता के लिए आवेदन किया था। अमेरिकी सरकार ने उन्हें नागरिकता देने का निर्णय लिया। उसके बाद उन्होंने अमेरिकी नागरिक के रूप में शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में 22 लोग शामिल थे। सजीव के साथ बांग्लादेश के तीन नागरिकों ने भी अमेरिका की नागरिकता प्राप्त की है। अमेरिकी नागरिकता मिल जाने के बाद अब वह अमेरिका के बाहर भी अपनी यात्रा कर सकेंगे। माना जा रहा है, वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उनकी मां शेख हसीना जल्द ही अमेरिका की नागरिकता लेकर भारत से विदा लेने की तैयारी कर रही हैं।

पुतिन ने दूसरी पत्नी को लेकर मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम का उड़ाया मजाक

मॉस्को,16 मई (एजेंसियां) ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच क्रेमलिन में गुरुवार को हुई मुलाकात का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस दौरान पुतिन ने हल्के-फुल्के अंदाज में मलेशिया के पीएम की दूसरी पत्नी को लेकर तंज कसा। इसके बाद पूरा सभागार ठहाकों से गूंज गया। हुआ ऐसा कि क्रेमलिन के सेंट एंड्रयू हॉल में तीन राजसिंहासनों की ओर इशारा करते हुए पुतिन ने मलेशिया के पीएम से पूछा, यहां तीन सिंहासन हैं। एक सम्राट (कजार) का, दूसरा उनकी पत्नी का, तो बताइए तीसरा किसका होगाइस पर अनवर इब्राहिम ने मुस्कुराते हुए तुरंत जवाब दिया, दूसरी पत्नी का। इतना सुनते ही पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा। खुद पुतिन और अनवर भी अपनी हंसी रोक नहीं पाए। बाद में अनवर ने स्पष्ट किया कि यह एक चालाक सवाल था और सही जवाब सम्राट की मां था, जो तीसरे सिंहासन पर बैठती थीं। इस पर पुतिन ने भी मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे उम्मीद है कि ये सब कहने के लिए वे मुझसे नाराज नहीं होंगे। इस हंसी-मजाक के अलावा, दोनों नेताओं की मुलाकात ने ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में मलेशिया-रूस व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी अहम भूमिका निभाई। यह किसी मलेशियाई प्रधानमंत्री की लगभग दो दशकों में रूस की पहली आधिकारिक यात्रा थी।

मुइका जिन्होंने उरुग्वे के राष्ट्रपति बनने के बाद ठुकरा दी लग्जरी लाइफ

वाशिंगटन। लैटिन अमेरिका ने दुनिया को कई विद्रोही नेता दिए हैं, जिन्होंने वर्ल्ड पॉलिटिक्स को व्यापक पैमाने पर प्रभावित किया है। उनकी विचारधारा और आचरण ने फूल की खुशबू की तरह सीमाओं से परे जाकर आम लोगों के जीवन पर पॉजिटिव असर डाला है। उरुग्वे के पूर्व राष्ट्रपति होजे मुइका उन्हीं महान नेताओं में से एक थे। जिन्होंनेन जंगल से राष्ट्रपति भवन तक का सफर तय किया। उरुग्वे में जब तानाशाही थी तो होजे मुइका ने गोरिल्ला वॉर शुरु किया था। उनके अथक प्रयासों के चलते उरुग्वे में लोकतंत्र बहाल हुआ। गोरिल्ला वॉर से उरुग्वे में लोकतंत्र किया बहाल, गरीब राष्ट्रपति से जानती है दुनिया होजे मुइका उरुग्वे देश के रष्ट्रपति बने लेकिन राष्ट्रपति भवन में नहीं रहे। उनका मानना था कि लग्जरी लाइफस्टाइल से राष्ट्रपति का जनता से तलाक हो जाता है। साधे तरीके से जीवन जीने के चलते उन्हें 'दुनिया का सबसे गरीब राष्ट्रपति' भी कहा जाता था। अब यह दिग्गज नेता हमारे बीच नहीं हैं। कैंसर की वजह से 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

मध्य पूर्व यात्रा ने ट्रंप को बदलने पर मजबूर किया

अबू धाबी,16 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पहली मध्य पूर्व की यात्रा ने संकेत दिया है कि वह अपने पहले कार्यकाल के विदेश नीति के स्थापित सिद्धांत से अलग हो सकते हैं। यह एक ऐसे नेता के लिए जिसने गहरे अलगाववादी तनाव के साथ अमेरिका फर्स्ट के वादे पर अभियान चलाया के लिए कठिन समय होगा। अब उनका पूरा फोकस वैश्विक नेता के रूप में खुद को ढालना होगा।

सीएनएन ने मध्य पूर्व यात्रा के विश्लेषण में कहा कि ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती कुछ महीने दुनिया में अमेरिका की भूमिका को आक्रामक रूप से बदलने में बिताए हैं। इस सप्ताह सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से उनकी चार दिवसीय यात्रा ने रेखांकित किया है कि उन्होंने पारंपरिक गठबंधनों की कितनी नाटकीय रूप से पुनर्कल्पना की है और खुद को वैश्विक संघर्षों में शामिल किया है। सीरिया पर प्रतिबंधों को समाप्त करने और 25 वर्ष में सीरियाई नेता से मिलने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बनने का उनका निर्णय जोखिम और जुड़ाव का संकेत देता है। यह उनकी बदलती रणनीति का हिस्सा है। यह उनके कुछ सबसे कट्टर रूढ़िवादी सहयोगियों के दृष्टिकोण के साथ अच्छी तरह से फिट नहीं बैठता है। अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ बंद दरवाजे के पीछे हुई उनकी मुलाकात को उनकी यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण क्षण के रूप में याद किया जाएगा।

यात्रा के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान में तेजी से बढ़ते तनाव को कम करने में अग्रणी भूमिका निभाई । उन्होंने सुझाव दिया कि अगर तेहरान अमेरिकी अधिकारियों के साथ दोस्ताना वार्ता का पर्याप्त रूप से जवाब नहीं देता है, तो ईरान परमाणु वार्ता हिंसक रास्ता अपना सकती है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन केवल तभी शांति वार्ता में शामिल होंगे जब वह (ट्रंप) व्यक्तिगत रूप से शामिल होंगे।

ट्रंप ने गुरुवार को अल उदीद एयर बेस पर सैनिकों से कहा, मेरी प्राथमिकता संघर्षों को समाप्त करना है, उन्हें शुरू करना नहीं। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका या अपने भागीदारों की रक्षा के लिए यदि आवश्यक हो तो अमेरिकी शक्ति का उपयोग करने में कभी संकोच नहीं करूंगा। सीएनएन का विश्लेषण निष्कर्ष यह है कि ट्रंप कोई नया रास्ता अपना रहे हैं, लेकिन इस दौरान कई ऐसे पल आए जो उनके पहले कार्यकाल के विचारों से अलग थे। साल 2017 में सात मुस्लिम देशों पर विवादास्पद यात्रा प्रतिबंध लगाने वाले राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को अबू धाबी में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का दौरा किया।

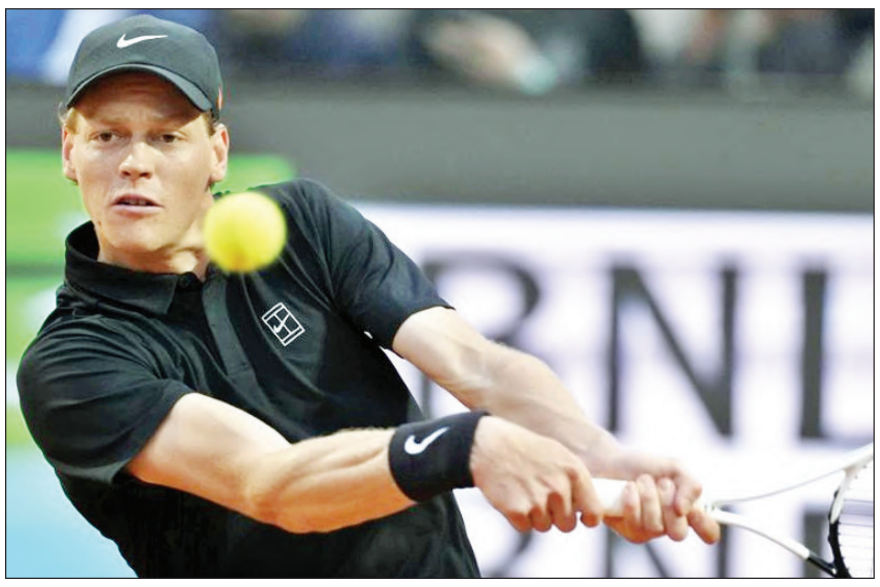

इटालियन ओपन 2025 : रूड को हराकर सिनर सेमीफाइनल में पहुंचे, महिला वर्ग में कोको गॉफ फाइनल में

रोम ,16 मई (एजेंसियां)।

इटली के जैनिक सिनर ने गुरुवार को कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-0, 6-1 से हराकर इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है, जबकि कोको गॉफ ने चीन की झेंग किनवेन के साथ तीन सेटों तक चले मैराथन मुकाबले में जीत हासिल कर महिला वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अमेरिकी गॉफ शनिवार को खिताबी मुकाबले में इटली की जैस्मीन पाओलिनी से भिड़ेंगी। उन्होंने साढ़े तीन घंटे तक चले मैच में 7-6 (7/3), 4-6, 7-6 (7/4) से जीत हासिल की।

तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध से वापस आने के बाद से रोम में रूड, सिनर के लिए सबसे कठिन चुनौती थे, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में मैड्रिड में जीत के बाद नॉर्वे का यह खिलाड़ी क्ले पर शानदार फॉर्म में था। अपने पिछले मैचों में सिनर पिछले साल मार्च में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण के लिए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी से निलंबन स्वीकार किए जाने के बाद अभी भी अपने पैरों पर खड़े दिख रहे थे। लेकिन 23 वर्षीय खिलाड़ी ने टेनिस के शानदार प्रदर्शन के साथ मात्र एक घंटे से भी कम समय में छठी वरीयता प्राप्त रूड को हरा दिया। दूसरी तरफ, पूर्व यूएस ओपन विजेता कोको गॉफ ने ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट झेंग के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में गॉफ ने अपनी सर्विस पर 15 डबल फॉल्ट किए, जबकि दोनों खिलाड़ियों की ओर से कुल 156 अनफोर्स्ड एरर (ग़लतियां) देखने को मिलीं।

21 वर्षीय गॉफ इस सीज़न का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। इससे पहले वह मैड्रिड ओपन के फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थीं। अब अपने दूसरे फाइनल में वह इटली की पाओलिनी से भिड़ेंगी, जहां उन्हें घरेलू दर्शकों के कारण कहीं ज़्यादा जोश और दबाव वाला माहौल देखने को मिलेगा — जो कि पिछले मुकाबले की सुस्त भीड़ से बिल्कुल अलग होगा, जिसने आधी रात के बाद तक मैच देखा।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में लौटे लियोनेल मेसी, चिली और कोलंबिया से होंगे मुकाबले

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों से पहले बड़ी राहत मिली है। कप्तान लियोनेल मेसी एक बार फिर टीम में वापसी कर रहे हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने गुरुवार को यह घोषणा की कि मेसी जून में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों में चिली और कोलंबिया के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। मार्च में नहीं खेल पाए थे मेसी 37 वर्षीय इंटर मियामी स्टार मेसी मार्च में चोट की वजह से टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें ग्रोइन (एडक्टर) में चोट थी। इसके बावजूद अर्जेंटीना ने उरुग्वे और ब्राजील को हराकर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया था। अर्जेंटीना का कार्यक्रम अर्जेंटीना टीम 5 जून को चिली के खिलाफ उसका घरेलू मैदान में भिड़ेगी, जो अभी संघर्ष कर रही है। इसके बाद 10 जून को ब्यूनस आयर्स में छठे स्थान पर काबिज कोलंबिया से मुकाबला होगा। इन दोनों मुकाबलों के बाद मेसी अमेरिका लौट जाएंगे, जहां 14 जून को इंटर मियामी क्लब वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में मिस्र के अल-अहली से भिड़ेगा। गार्नाचो की वापसी, डिबाला बाहर कोच लियोनेल स्कालोनी ने 28 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें मैनचेस्टर यूनाइटेड के युवा फॉरवर्ड एलेजांद्रो गार्नाचो की वापसी हुई है। उन्हें पिछली बार रणनीतिक कारणों से टीम से बाहर रखा गया था। वहीं चोटिल पाउलो डिबाला और गोंजालो मोंटीएल टीम का हिस्सा नहीं हैं।

ऑलराउंडर की भूमिका निभाने को लेकर बेन स्टोक्स आशान्वित,कहा- इस बार रिकवरी बेहतर रही

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गर्मी में ज़िम्बाब्वे और भारत के खिलाफ होने वाली

टेस्ट सीरीज़ में एक ऑलराउंडर के रूप में अपनी पूरी भूमिका निभाने को लेकर बहुत, बहुत आत्मविश्वास जताया है। स्टोक्स पिछले पांच महीनों से हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने में जुटे थे। उन्होंने कहा कि इस बार उन्होंने अपनी रिकवरी को पहले से बेहतर तरीके से संभाला है। स्टोक्स को यह चोट पिछले साल अगस्त में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान लगी थी। हालांकि वे पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर में टेस्ट खेलने के लिए लौटे थे, लेकिन दो महीने बाद न्यूजीलैंड में गेंदबाज़ी करते समय फिर से वही चोट उभर आई थी। इस बार उन्होंने पूरी सावधानी बरती है ताकि भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी सीरीज़ से पहले पूरी तरह फिट हो सकें। स्काई स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में स्टोक्स ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। हालांकि ट्रेनिंग और असली मैच में फर्क होता है। चाहे आप ट्रेनिंग में कितना भी पसीना बहा लें, मैच की तीव्रता को दोहराना मुश्किल होता है। लेकिन मेरी भूमिका एक खिलाड़ी के रूप में—चौथे सीमर की तरह गेंदबाज़ी करना, नंबर 6 पर बल्लेबाज़ी करना और हर मौके पर टीम के लिए मैच बदलने की कोशिश करना—वही रहेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं फिर से वैसा ही प्रदर्शन कर सकता हूं जैसा पहले कर चुका हूं। पिछली बार जल्दबाज़ी में वापसी करने के अपने फैसले पर स्टोक्स ने कहा, उस वक्त मुझे लगा कि मुझे जल्दी वापसी करनी है, लेकिन इससे मैंने खुद को नुकसान पहुंचाया। इस बार मेडिकल टीम और मैंने तय किया कि हम इसे पूरी तरह से सही करेंगे। शुरू के दो महीने काफी धीमे और थकाऊ थे, लेकिन इस बार शारीरिक और मानसिक रूप से यह सफर उतना मुश्किल नहीं रहा। स्टोक्स ने यह भी बताया कि उन्होंने कोच ब्रेंडन मैकुलम से चर्चा की है ताकि वे खुद को ज़्यादा थकान से बचा सकें।

तस्कीन अहमद ने की शॉन टेट की तारीफ, कहा- टी20 विश्व कप में मददगार साबित होंगे नए कोच

ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने टीम के नए फास्ट बॉलिंग कोच शॉन टेट की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज के टीम से जुड़ने से विशेष रूप से टी20 क्रिकेट में टीम को काफी फायदा मिलेगा। तस्कीन ने यह बयान शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। तस्कीन ने कहा, वो (टेट) बहुत अच्छे फास्ट बॉलर थे और ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक खेले। सबसे बड़ी बात ये है कि हमारे सामने अब काफी टी20 क्रिकेट है और उन्होंने आधुनिक टी20 युग में खेला है। ऐसे में उनके पास बड़े टूर्नामेंट्स का अनुभव है और इससे हमें फायदा होगा। उन्होंने आगे कहा, जब आप नेशनल सेटअप में होते हैं तो कोच गेम अवेयरनेस और कुछ तकनीकी पहलुओं में मदद करते हैं, लेकिन अधिकतर गेंदबाजों को खुद कोचिंग करनी होती है।

बार्सिलोना ने जीता ला लीगा 2024-25 का खिताब, यामाल के गोल ने दिलाई जीत

कॉर्नेला डे लोब्रेगेट (स्पेन), 16 मई (एजेंसियां)।

बार्सिलोना ने गुरुवार देर रात ला लीगा 2024-25 खिताब पर कब्जा जमा लिया, जब उसने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी एस्पेन्योल को 2-0 से हराया। 17 वर्षीय स्टार लामिन यामाल ने 53वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, और इंजुरी टाइम में फर्मिन लोपेज़ के गोल ने जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम रियल मैड्रिड से सात अंक आगे निकल गई है, जबकि लीग में केवल दो मुकाबले बाकी हैं। इसी के साथ बार्सिलोना ने अपना 28वां ला लीगा खिताब जीत लिया और घरेलू ट्रेबल (ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप) भी पूरा कर लिया। एस्पेन्योल के मैदान पर फिर बना चैंपियन, इस बार नहीं दौड़े खिलाड़ी।

दिलचस्प बात यह है कि बार्सिलोना ने यह खिताब उसी एस्पेन्योल के मैदान पर जीता, जहां 2023 में भी उसे खिताबी जीत मिली थी। हालांकि उस समय नाराज़ दर्शकों ने खिलाड़ियों को मैदान से भागने पर मजबूर कर दिया था। इस बार भी एस्पेन्योल फैंस की नाराज़गी दिखी, लेकिन उन्होंने सिर्फ मैदान पर पानी के फव्वारे चला दिए जिससे बार्सिलोना के जश्न को जल्दी समाप्त करना पड़ा।

पहले हाफ में संघर्ष, फिर चमका बार्सिलोना

पहले हाफ में बार्सिलोना ने भले ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन वह कोई खास मौका नहीं बना सका। एस्पेन्योल ने काउंटर अटैक से परेशान किया और उनके खिलाड़ी जावी पुआदो को गोल करने का अच्छा मौका भी मिला, जिसे वोज्शेच शेज़नी ने शानदार तरीके से बचा लिया।

दूसरे हाफ में यामाल ने शानदार अंदाज़ में गोल करके बर्फ तोड़ी। उन्होंने दाईं विंग से अंदर आते हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट मारा, जो सीधे टॉप कॉर्नर में गया। यह गोल उनकी स्पेन के लिए यूरो 2024 सेमीफाइनल में किए गए गोल की याद दिला गया।

10 खिलाड़ी बचे एस्पेन्योल ने किया संघर्ष, लेकिन नहीं बचा सके हार

62वें मिनट में एस्पेन्योल को झटका लगा जब लेएंड्रो कैब्रेरा को यामाल के पेट में कोहनी मारने के चलते रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बावजूद एस्पेन्योल ने दबाव बनाए रखा, लेकिन आखिरी समय में फर्मिन लोपेज़ ने गोल दागकर उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

मैच से पहले हादसा, लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं

मैच से पहले एक हादसे में कुछ एस्पेन्योल फैंस एक कार की चपेट में आ गए। हालांकि पुलिस ने इसे दुर्घटना बताया और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली।

अब बस चैंपियंस लीग की कमी

इस सीज़न में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया और केवल चैंपियंस लीग ही एक ऐसा खिताब रहा, जो उससे दूर रह गया। लेकिन युवा खिलाड़ियों से सजी इस टीम ने भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में

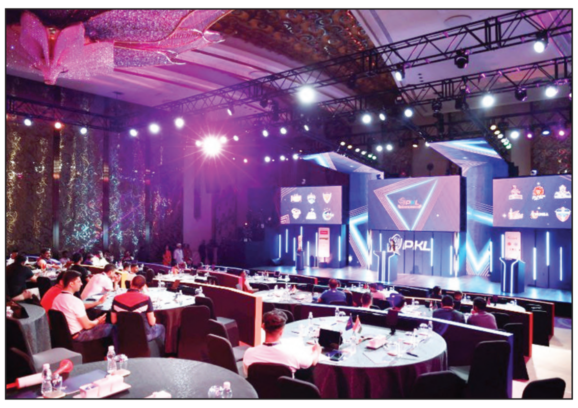

मुंबई , 16 मई (एजेंसियां)।

मशाल स्पोर्ट्स ने शुक्रवार को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए प्लेयर ऑक्शन की तारीखों का ऐलान कर दिया है। यह बहुप्रतीक्षित नीलामी 31 मई और 1 जून 2025 को मुंबई में आयोजित की जाएगी। सीजन 11 की शानदार समाप्ति के बाद अब प्रो कबड्डी एक बार फिर नई शुरुआत के लिए तैयार है। पिछले साल 29 दिसंबर 2024 को समाप्त हुए सीजन 11 में हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में उन्होंने तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को हराकर इतिहास रच दिया था।

प्रो कबड्डी लीग की शुरुआत 2014 में हुई थी और अब तक 11 सीजन में 8 अलग-अलग चैंपियन बन चुके हैं। सीजन 11 लीग के दूसरे दशक की शुरुआत का प्रतीक रहा, जिसने पीकेएलको भारत की सबसे सफल और लोकप्रिय खेल लीगों में शामिल कर दिया है।

सीजन 12 की यह नीलामी एक और शानदार सीजन की शुरुआत का संकेत है—जहां फिर से राइवलरी देखने को मिलेगी, चैंपियन टीम अपनी ट्रॉफी बचाने उतरेगी, और देश-विदेश से जुड़े फैंस कबड्डी के जोश को नए स्तर पर ले जाएंगे।

मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें सीजन 12 की नीलामी की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह नीलामी सिर्फ खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त का मंच नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि टीमें कितनी रणनीतिक, महत्वाकांक्षी और प्रदर्शन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह भारत के इस देशी खेल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभा को सामने लाने का भी माध्यम है। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के संरक्षण में मशाल स्पोर्ट्स और जियोस्टार ने मिलकर पीकेएल को देश की सबसे बड़ी खेल लीगों में से एक बना दिया है। मैचों की संख्या के मामले में पीकेएल भारत की सबसे बड़ी लीग है। इस लीग ने कबड्डी को न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक पहचान भी दिलाई है।

रोम में डब्ल्यूटीए ओपन टेनिस

रोम में डब्ल्यूटीए ओपन टेनिस में खेलती हुई चीन की झेंग क्वींविन।

सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फोर्ब्स की 2025 की दुनिया के 50 सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने मई 2024 और मई 2025 के बीच 275 मिलियन डॉलर कमाए हैं। यह उनका लगातार तीसरा वर्ष है जब वे रैंकिंग में शीर्ष पर हैं।

शीर्ष 50 एथलीटों ने सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 4.23 बिलियन डॉलर कमाए, जो पिछले साल के 3.88 बिलियन डॉलर से अधिक है। लियोनेल मेस्सी 135 मिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

कोई भी महिला एथलीट इस सूची में शामिल नहीं है। कोको गॉफ़ 19.2 मिलियन डॉलर से मामूली अंतर से चूक गई। इसी तरह, इस साल कोई भी भारतीय एथलीट रैंकिंग में शामिल नहीं है।

शीर्ष दस सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट

- 1 - क्रिस्टियानो रोनाल्डो (फुटबॉल) - 275 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 2 - स्टीफन करी (बास्केटबॉल) - 156 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 3 - टायसन फ्यूरी (बॉक्सिंग) - 146 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 4 - डैक प्रेस्कॉट (एनएफएल) - 137 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 5 - लियोनेल मेस्सी (फुटबॉल) - 135 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 6 - लेब्रोन जेम्स (बास्केटबॉल) - 133.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 7 - जुआन सोटो (बेसबॉल) - 114 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 8 - करीम बेंजेमा (फुटबॉल) - 104 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 9 - शोही ओहतानी (बेसबॉल) - 102.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर
- 10 - केविन ड्यूरेंट (बास्केटबॉल) - 101.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर।

ब्राजील फुटबॉल महासंघ अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स पद से हटाए गए

रियो डी जनेरियो, 16 मई (एजेंसियां)।

ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) में बड़ा प्रशासनिक उलटफेर हुआ है। रियो डी जनेरियो के एक जज ने गुरुवार को सीबीएफ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स को उनके पद से हटा दिया है और जल्द से जल्द नए चुनाव कराने का आदेश दिया है। यह फैसला उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले रोड्रिग्स ने इटालियन कोच कार्लो एंसेलोटी को ब्राज़ील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया था। अब रोड्रिग्स ने देश की सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर दोबारा पद पर बहाल होने की मांग की है।

रोड्रिग्स का कार्यकाल घोषित, लेकिन कानूनी अड़चन

मार्च 2025 में रोड्रिग्स को दोबारा 2030 तक के लिए सीबीएफ अध्यक्ष चुना गया था, लेकिन जज गैब्रिएल डी ओलिवेरा जेफ़ीरो ने उस समझौते को अमान्य करार दिया जिसके तहत उन्हें पहले कार्यकाल की वैधता मिली थी। अदालत ने कहा कि उस समझौते के बिना रोड्रिग्स दोबारा चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे।

वाइस प्रेसिडेंट सरने ने संभाली कमान

इस फैसले के बाद सीबीएफ के सबसे वरिष्ठ उपाध्यक्ष फर्नांडो सरने ने संगठन की जिम्मेदारी संभाल ली है और नए चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, सभी खेल गतिविधियां और मौजूदा अनुबंध सुरक्षित रहेंगे। हालांकि यह साफ नहीं है कि एंसेलोटी का करार कानूनी रूप से अभी मान्य है या नहीं।

टीवी ग्लोबो से बात करते हुए सरने ने कहा, मैं इस पद पर अस्थायी रूप से हूं। मेरा लक्ष्य जल्द से जल्द चुनाव कराना है ताकि कोर्ट की लड़ाई खत्म हो सके। फुटबॉल चलता रहेगा।

पहले भी हटाए गए थे रोड्रिग्स

यह दूसरी बार है जब रोड्रिग्स को अदालत के आदेश से पद से हटाया गया है। इससे पहले दिसंबर 2023 में भी कोर्ट ने उन्हें पद से हटाया था, जब वह एंसेलोटी के साथ बातचीत कर रहे थे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने बाद में उन्हें बहाल कर दिया था।

जनवरी 2024 में सीबीएफ के उपाध्यक्षों ने एक आपसी समझौता कर रोड्रिग्स के पहले कार्यकाल को मान्यता दी थी, ताकि वे फिर से चुनाव लड़ सकें। लेकिन अब जज जेफ़ीरो ने उस समझौते को अवैध करार दिया है, क्योंकि उसमें हस्ताक्षर करने वाले एक सदस्य — 86 वर्षीय एंटोनियो कार्लोस नून्स की मानसिक स्थिति को लेकर संदेह जताया गया है। जज के मुताबिक नून्स को 2018 में ब्रेन कैंसर का पता चला था और तभी से उनकी मानसिक क्षमता सवालों के घेरे में है। अदालत ने सोमवार को नून्स की मानसिक स्थिति पर सुनवाई निर्धारित की थी, लेकिन उसी दिन एंसेलोटी की नियुक्ति की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही यह सुनवाई स्थगित कर दी गई।

प्रीमिया अकादमी ने सीबीएसई 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा में 100% सफलता दर दर्ज की

11वीं कक्षा के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा की घोषणा

हैदराबाद, 16 मई (एजेंसियां)। प्रीमिया अकादमी, एक प्रीमियम शैक्षणिक संस्थान जो अपने छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी और प्यार के लिए जाना जाता है, ने 10वीं और 12वीं सीबीएसई के परिणामों में 100% सफलता दर हासिल की। यह उपलब्धि समग्र शिक्षा, भावुक शिक्षण और टीम प्रीमिया की अथक भावना का प्रमाण है। उन्होंने 11वीं कक्षा में प्रवेश के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा की घोषणा की है, जिसके द्वारा स्कूल योग्य छात्रों को समग्र शिक्षण वातावरण प्रदान करना चाहता है।

सीबीएसई के ग्रेड 10 के छात्रों ने 100% पास दर के साथ इतिहास में एक उत्कृष्ट मील का पत्थर हासिल किया। सभी में सबसे अधिक प्रतिशत 97.2% है। 26 छात्रों ने डिस्टिंक्शन हासिल किया। सात छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए। विषयवार प्रदर्शन प्रतिशत इस प्रकार हैं: तेलुगु में 96%, अंग्रेजी में 96%, हिंदी में 98%, गणित में 99%, विज्ञान में 94%, सामाजिक विज्ञान में 97% और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 99%। 12वीं कक्षा के छात्रों ने भी 100% पास दर हासिल की, जिनमें से अधिकांश ने सभी विषयों में 90% से अधिक अंक प्राप्त किए। विषयवार प्रतिशत इस प्रकार हैं: अकाउंटेंसी में 90%, अर्थशास्त्र में 90%, बिजनेस स्टडीज में 92%, शारीरिक शिक्षा में 93%, भौतिकी और अंग्रेजी कोर में 94%, गणित में 96%, मास मीडिया और मनोविज्ञान में 97% और उद्यमिता में 98% शामिल हैं। प्रीमिया अकादमी ने 17 मई, 24 मई और 31 मई, 2025 को कक्षा 11 के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा की घोषणा की है। वे विज्ञान (एमपीसी और बीआईपीसी) को कवर करेंगे। यह परीक्षा प्रीमिया अकादमी परिसर में आयोजित की जाएगी।

इस अवसर पर बोलते हुए द प्रीमिया अकादमी की संस्थापक और प्रबंध निदेशक सुश्री सिंधुरी रेड्डी ने कहा, छात्रों से शानदार उपलब्धि प्राप्त करना उत्साहजनक है। यह उपलब्धि केवल अकादमिक अंकों के बारे में नहीं है, बल्कि हमारे स्कूल के लोकाचार का प्रतिबिंब है। इसमें आगे जोड़ते हुए, प्रीमिया अकादमी की हेड मिस्ट्रेस सुश्री सुनीता सरिपल्ली ने कहा, सीबीएसई 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाओं में हमारे छात्रों की उल्लेखनीय सफलता उनकी कड़ी मेहनत, हमारे अनुभवी शिक्षकों की लगन और प्रीमिया अकादमी में सहायक शिक्षण वातावरण का प्रमाण है। हम हर बच्चे की पूरी क्षमता को समझाने, शैक्षणिक कठोरता और व्यक्तिगत विकास दोनों को बढ़ावा देने में विश्वास करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करें।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीमा पर...

इसलिए सुरक्षा एजेंसियां सीमा पार कार्गो की आवाजाही पर नजर रखने के लिए आरडीई का इस्तेमाल करेंगी। आरडीई अलग-अलग गामा और न्यूट्रॉन विकिरण अलार्म बजाने और संदिग्ध वस्तुओं के वीडियो फ्रेम बनाने में सक्षम है। इसमें विशेष परमाणु सामग्री और उर्वरक या सिरेमिक में प्राकृतिक रूप से होने वाले विकिरण के साथ-साथ उच्च ऊर्जा वाले गामा समस्थानिकों के बीच अंतर करने की क्षमता रहती है जो पुनर्चक्रित यूरेनियम की विशेषता है। माना जा रहा है कि सीमाई क्षेत्रों में कारगर आरडीई स्थापित करने की प्रक्रिया में इजराइल भारत की तकनीकी मदद करेगा।सामान्य बोलचाल की भाषा में कहें तो आरडीई मूल रूप से हथियारों, गोला-बारूद या अन्य अवैध वस्तुओं की तस्करी का पता लगाने के लिए ट्रकों या अन्य वाहनों का एक्स-रे करेगा। यह किसी भी रेडियोधर्मी सामग्री की तस्करी को भी पकड़ेगा। अटारी बॉर्डर पर स्थित इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) में फुल बॉडी ट्रक स्कैनर (एफबीटीएस) की शुरुआत कर दी गई थी, लेकिन इसे भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर की आखिरी मंजूरी नहीं मिली थी। इसलिए इसके अपडेशन का काम चल रहा था। एफबीटीएस के चालू होने पर जहां इसे रेडिएशन डिटेक्शवन इक्विपमेंट (आरडीई) के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं इसकी मदद से पाकिस्तान से होने वाली हेरोइन, हथियारों व अन्य मादक पदार्थों की तस्करी पर भी लगाम लगाई जा सकेगी।

ब्रह्मोस ने अंधेरी...

आज मुझे आपके बीच आने का अवसर मिला है। कल मैं भारत के उत्तरी भाग में जवानों से मिला। आज मैं भारत के पश्चिमी भाग में वायु योद्धाओं और जवानों से मिल रहा हूं। दोनों ही मोर्चों पर उच्च ऊर्जा और जोश देखकर मैं फिर से आश्वस्त हो गया हूं कि भारत की सीमाएं आप सभी की मजबूत भुजाओं में पूरी तरह से सुरक्षित हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आपने जो कुछ किया, उसने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। भारतीय वायुसेना के लिए सिर्फ 23 मिनट काफी थे, पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंक के अजगर को कुचलने के लिए। मैं यह कहूं तो गलत नहीं होगा, कि जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी निपटाते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों का निपटारा कर दिया। आपने दुश्मन की सीमा के भीतर जाकर जो मिसाइलें गिराईं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी और वास्तव में वह गूंज, सिर्फ मिसाइलों की ही नहीं थी, वह गूंज आपके शौर्य और भारत के पराक्रम की थी।राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने जो प्रभावी भूमिका निभाई है, उसकी सराहना इस देश में ही नहीं दूसरे देशों में भी हो रही है। आपने इस ऑपरेशन में न केवल दुश्मन को परास्त किया है, बल्कि उन्हें तबाह करने में भी कामयाबी हासिल की है। आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए इस अभियान को हमारी वायु सेना ने आगे बढ़ाया। हमारी एयरफोर्स एक ऐसी स्काई फोर्स है, जिसने अपने शौर्य, पराक्रम और प्रताप से आसमान की नई और बुलंद ऊंचाइयों को छू लिया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि हमारी एयरफोर्स की पहुंच पाकिस्तान के हर कोने तक है, यह बात पूरी तरह साबित हो चुकी है। आज स्थिति यह है कि भारत के फाइटर प्लेन बिना सरहद पार किए ही यहीं से उनके हर कोने तक प्रहार करने में सक्षम है। पूरी दुनिया ने देख लिया है कि कैसे आपने पाकिस्तान की धरती पर मौजूद, आतंकवाद के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। बाद में की गई कारवाई में उनके अनेक एयरबेस तबाह कर दिए।रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इंडियन एयरफोर्स ने केवल पराक्रम ही नहीं दिखाया है, बल्कि पूरी दुनिया के सामने प्रमाण भी दिया है। प्रमाण इस बात का कि अब भारत की युद्ध नीति और तकनीकी दोनों बदल चुकी है। आपने नए भारत का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाया है। यह संदेश है कि अब भारत केवल विदेशों से इंपोर्ट किए गए हथियारों और प्लेटफार्म पर निर्भर नहीं है,बल्कि भारत में बने अस्त्र और शस्त्र भी हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन चुके हैं। अब भारत में बने और भारतीय हाथों से बने हथियार भी अचूक और अभेद हैं, यह पूरे विश्व ने देख लिया है।

रक्षा मंत्री ने कहा, आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद के इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ प्रभावी कारवाई की मगर पाकिस्तान फिर से इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए। वहां की सरकार, पाकिस्तानी आम नागरिकों से लिया गया टैक्स, जैश ए मुहम्मद जैसे आतंकी संगठन के आका मसूद अजहर को करीब चौदह करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी घोषित है। इतना ही नहीं, लश्कर ए तैयबा और जैश ए मुहम्मद के मुरीदके और बहावलपुर स्थित आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा करने के लिए पाकिस्तान सरकार ने आर्थिक सहायता देने के एलान किया है। निश्चित रूप से आईएमएफ से आने वाले एक बिलियन डॉलर के बड़े हिस्से को आतंकी ढांचे को फंड करने में इस्तेमाल होगा। क्या यह आईएमएफ द्वारा जो कि एक अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा परोक्ष फंडिंग नहीं माना जाएगा?राजनाथ ने कहा, मैं मानता हूं कि आज के समय में पाकिस्तान को किसी भी तरह की आर्थिक सहायता आतंक के लिए फंडिंग से कम नहीं है। भारत यही चाहेगा कि आईएमएफ पाकिस्तान को अपनी एक बिलियन डॉलर की मदद पर पुनर्विचार करे और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से परहेज करे। भारत नहीं चाहता कि जो फंडिंग हम आईएमएफ को करते हैं, वह प्रत्यक्ष या परोक्ष किसी भी तरीके से पाकिस्तान या किसी भी देश में आतंकी ढांचे को बनाने में इस्तेमाल की जाए।उन्होंने कहा कि आपने जो पराक्रम दिखाया, उसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। आज भारत को वैश्विक मंच पर जो सम्मान मिल रहा है, उसकी बुनियाद में आपका यही पराक्रम है। यही कारण है कि भारत का बच्चा-बच्चा आपको, अपना आदर्श मानता है। आपने पूरे देश को यकीन दिलाया है, कि नया भारत अब सहन नहीं करता, बल्कि वह पलटकर जवाब देता है। मैं चाहे जितना कुछ भी बोलूं, लेकिन मेरे शब्द आपके कार्यों को मापने में असमर्थ होंगे। मैं कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से आप सबके प्रति आभार व्यक्त करने आया हूं।राजनाथ ने कहा कि अब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई, केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रक्षा सिद्धांत का हिस्सा बन चुकी है। हम आपके साथ मिलकर इस हाइब्रिड और प्रॉक्सी युद्ध को जड़ से समाप्त करेंगे। हम, हमारे आराध्य श्रीराम के उस मार्ग का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें वह आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रण लेते हैं। निसिचर हीन करउं महि, भुज उठाइ पन कीन्ह। अर्थात जिस प्रकार भगवान राम ने अपनी भुजाओं को उठाकर, धरती को राक्षस विहीन करने का प्रण लिया था। ठीक उसी प्रकार, प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन करते हुए हमने भी आतंकवाद को, जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि आप सब तो जानते ही होंगे, कि भारत में जब भी कोई उपद्रवी तत्व होता है, जिसको लेकर यह आशंका रहती है, कि यह भविष्य में कुछ उपद्रव कर सकता है, तो उसको मजिस्ट्रेट और पुलिस की ओर से अच्छे बर्ताव के परिवीक्षा पर रखा जाता है। अगर वह व्यक्ति परिवीक्षा के दौरान कोई भी शरारत करता है, तो उसे उचित दंड दिया जाता है। ठीक उसी तरह, वर्तमान संघर्ष विराम में हमने पाकिस्तान को बर्ताव के आधार पर अभी परिवीक्षा पर रखा हुआ है। यदि उसका बर्ताव सुधरता है, तब तो ठीक और यदि परिवीक्षा में फिर से गड़बड़ी आती है, तो उसको कड़े से कड़ा दंड दिया जाएगा। मैं दोहरा रहा हूं कि पाकिस्तान को हमने परिवीक्षा पर रखा है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक बात बहुत साफ कही है, कि आतंक पर प्रहार अब न्यू नॉर्मल है। ये नए भारत का न्यू नॉर्मल है। अब हमने यह साफ कर दिया है कि हमारी संप्रभुता को यदि कोई नुकसान पहुंचाएगा तो वह प्रहार भी झे-लेगा। आतंकवाद का हम कड़ा और दमदार जवाब देंगे।इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 15 मई को जम्मू-कश्मीर का दौरा किया था और वहां की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया था। श्रीनगर के बडामी बाग कैंटोनमेंट में सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति को नए सिरे से परिभाषित किया है। अब भारत की नीति है कि भारतीय जमीन पर कोई भी हमला युद्ध माना जाएगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की अब तक की सबसे बड़ी आतंकवाद विरोधी कार्रवाई बताया और कहा, ये केवल बचाव नहीं था, बल्कि साहसिक निर्णय लेकर किया गया जवाब था। आतंकियों ने हमारे लोगों को धर्म देखकर मारा, हमने उन्हें उनके कर्मों की सजा दी। यह हमारा धर्म था।

भारत की ...

रक्षा विश्लेषक कहते हैं कि मामला जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर है। सेलिबि एविएशन कंपनी में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की बेटी सुमेये एर्दोगन की हिस्सेदारी है। सुमेये एर्दोगन की शादी सेल्कुक बयारकतार से हुई है, जो बायरकतार ड्रोन बनाता है। इसी ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ किया था। दिल्ली में सेलिबि टर्मिनल वीवीआईपी तकनीकी क्षेत्र की निगरानी करता है, जहां इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस एयरक्राफ्ट तैनात हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीआईपी विमान भी इसके आसपास आता है। रक्षा विश्लेषक इसे अत्यंत खतरनाक और चिंताजनक बताते हैं। विडंबना यह है कि सेलिबि एविएशन को सुरक्षा मंजूरी 26/11 आतंकी हमले के बाद दी गई थी। उस वक्त यूपीए सरकार सत्ता में थी।दूसरी तरफ, अखिल भारतीय रत्न व आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी व्यापारिक लेनदेन निलंबित करने की अपील जारी की है। जीजेसी ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से यह अपील की है कि वे तुर्की के साथ व्यापारिक रिश्ते स्थगित कर दें। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद तुर्की की ओर से पाकिस्तान को दिए गए सार्वजनिक समर्थन के बाद यह कदम उठाया गया है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।जीजेसी के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा, भारतीय रत्न व आभूषण क्षेत्र देश के समर्थन में एकजुट है। यह जरूरी है कि हमारा उद्योग वाणिज्य के बजाय देश को प्राथमिकता देकर एक मजबूत उदाहरण स्थापित करे। हम हर आभूषण विक्रेता, निर्माता, व्यापारी और थोक विक्रेता से अपील करते हैं कि वे तुर्किये और अजरबैजान के साथ सभी लेन-देन बंद कर दें। जीजेसी ने कहा कि यह सामूहिक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राष्ट्रीय हितों और एकजुटता के प्रति उद्योग की अटूट प्रतिबद्धता को जाहिर करती है। परिषद ने कहा, व्यापार रोककर हम एकता और संकल्प का स्पष्ट संदेश देते हैं, और राष्ट्रीय गौरव के स्तंभ के रूप में अपने उद्योग की भूमिका को सुदृढ़ करते हैं। आइए हम इन मूल्यों को बनाए रखने के लिए एक उद्योग के रूप में एकजुट हों, और भारत के सम्मान और सुरक्षा के प्रति अपनी दृढ़ता और निष्ठा का प्रदर्शन करें।स्वदेशी जागरण मंच ने भी तुर्की पर आर्थिक प्रतिबंध और उड़ान प्रतिबंध लगाने और पर्यटन का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। स्वदेशी जागरण मंच ने कहा कि चीन के बाद पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करने वाले दूसरे सबसे बड़ा देश तुर्की ने पाकिस्तान की नौसेना के आधुनिकीकरण और उसकी हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। सबसे परेशान करने वाली घटनाओं में से एक है कि उसने 1.5 बिलियन डॉलर के सौदे के तहत पाकिस्तान को उच्च श्रेणी के युद्धपोत दिए हैं, जिससे पाकिस्तान की नौसेना की हमला करने की क्षमता मजबूत हुई है। तुर्की की कंपनी सेल्कुक बयारकतार ने पाकिस्तान को बयारकतार टीबी-2 और अकिनसी सशस्त्र ड्रोन की आपूर्ति की है। 350 मिलियन डॉलर के समझौते के तहत तुर्की पाकिस्तान की अगोस्टा 90-बी पनडुब्बियों को अपग्रेड कर रह है। तुर्की की रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख कंपनी हैवेलसैन की मदद से पाकिस्तान में एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध परीक्षण रेंज स्थापित की गई है। 30 टी129 एटीएके हेलीकॉप्टरों के लिए 1.5 बिलियन डॉलर का सौदा किया गया था, हालांकि तीसरे पक्ष की मंजूरी के कारण डिलीवरी में देरी हुई है।स्वदेशी जागरण मंच ने इस अपवित्र गठबंधन की कड़ी निंदा की है, जो सीधे तौर पर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करता है। यह रक्षा सहयोग केवल व्यावसायिक नहीं है; यह वैचारिक है, जो दक्षिण एशिया की स्थिरता को लक्षित करता है और पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस को बढ़ावा देता है। ऐसे समय में जब भारत ने पाकिस्तान की ओर से बार-बार उकसावे के सामने जबरदस्त संयम बरता है, जिसमें आतंकी शिविरों को पनाह देना और नियंत्रण रेखा के पास आक्रामक रुख अपनाना शामिल है, तुर्की का समर्थन प्रत्यक्ष मिलीभगत है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तुर्की ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले की निंदा तक नहीं की, जिसमें 26 लोग मारे गए। ऐसा लगता है कि तुर्की संकट के समय में भारत की उदार और समय पर की गई मानवीय सहायता को वह भूल गया है। भारत न केवल एक व्यापारिक साझेदार के रूप में बल्कि वसुधैव कुटुम्बकम का पालन करने वाली एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में तुर्की के साथ खड़ा रहा।पाकिस्तान की तरह ही तुर्की भी दोगली नस्ल वाला चरित्र दिखाता रहा है। फरवरी 2023 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान भारत उन पहले देशों में से एक था जिसने ऑपरेशन दोस्त शुरू किया, जिसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), सेना की मेडिकल टीमें, फील्ड अस्पताल और मेडिकल सप्लाई, जनरेटर, टेंट और कंबल सहित 100 टन से अधिक राहत सामग्री भेजी गई थी। भारत के राजनयिक मिशन और नागरिक समाज ने तुर्की के लोगों के साथ समर्थन और एकजुटता बढ़ाने के लिए प्रयास किया था। जी20 और यूएन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी वार्ता सहित व्यापक पश्चिम एशियाई पड़ोस के हिस्से के रूप में तुर्की के साथ समावेशी जुड़ाव का लगातार समर्थन किया। लेकिन एकजुटता और सद्भावना की इन कोशिशों के बावजूद, तुर्की ने राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों में भारत के विरोधियों का साथ देना चुना।भारत तुर्की के पर्यटन राजस्व में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। 2024-25 में, लगभग 4 लाख भारतीय पर्यटक तुर्की गए। तुर्की एयरलाइंस और भारतीय वाहकों द्वारा संचालित प्रमुख भारतीय शहरों और इस्तांबुल के बीच दर्जनों साप्ताहिक सीधी उड़ानें संचालित होती हैं। स्वदेशी जागरण मंच ने आपसी सम्मान और संप्रभुता पर आधारित शांतिपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, भारत सरकार से सिफारिश की है कि तुर्की पर तत्काल आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। तुर्किये से गैर-आवश्यक आयातों को प्रतिबंधित किया जाए और वहां से संगमरमर, रसायन और मशीनरी जैसी प्रमुख वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगा जाएं। नागरिक उड्डयन लिंक निलंबित की जाए। तुर्की के लिए सीधी उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित किया जाए और विमानन कोडशेयर विशेषाधिकारों को रद्द किया जाए जब तक कि तुर्की पाकिस्तान को रक्षा आपूर्ति बंद नहीं कर देता। मंच ने भारत सरकार से अपील की है कि तुर्की के लिए आउटबाउंड पर्यटन को हतोत्साहित करे और भारतीय नागरिकों को तुर्की की यात्रा न करने की सलाह जारी करे। भारत सरकार तुर्की से पर्यटन संवर्धन सहयोग भी वापस ले।स्वदेशी जागरण मंच ने भारत सरकार से कहा है कि वह तुर्की के साथ अपने राजनयिक संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करे। तुर्की के साथ राजनयिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कम कर सभी द्विपक्षीय समझौतों का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। मंच ने घरेलू विकल्पों को बढ़ावा देने की अपील की है और भारतीय व्यापारियों और उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि तुर्की के सामान का पूर्ण बहिष्कार करें और पर्यटन के लिए इस्तांबुल, अंताल्या और कैपाडोसिया के स्थान पर घरेलू गंतव्यों को बढ़ावा दें। मंच ने कहा है कि भारत के लोगों को उन देशों का बहिष्कार करना चाहिए जो पाकिस्तान को अपनी आक्रामक क्षमताओं को बढ़ाने में सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं। राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को हमारे व्यापार, निवेश और राजनयिक संबंधों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

सभी दलों के...

विचार यह है कि 5-6 प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे जाएं, जो पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद पर नई दिल्ली की स्थिति को स्पष्ट करें, जिसमें पहलगाम आतंकवादी हमले और भारत के खिलाफ किए गए अन्य आतंकवादी कृत्यों, ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के खिलाफ सरकार द्वारा की गई कूटनीतिक पहलों का विवरण दिया जाए। यह कदम पीवी नरसिम्हा राव सरकार के उस निर्णय की याद दिलाता है, जिसमें उसने तत्कालीन विपक्षी नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (यूएनएचआरसी) के विशेष सत्र में भाग लेने के लिए भेजा था, जहां जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के मामले में भारत की निंदा करने के लिए पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित प्रस्ताव को सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया था।कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने माना कि उन्हें गुरुवार रात सरकार से एक कॉल आया था। उन्होंने इसे कांग्रेस नेतृत्व को बता दिया है, जो इस पर फैसला लेगा। खुर्शीद ने कहा कि यह एक सर्वदलीय प्रयास है। इसलिए मुझे लगता है कि पार्टी इसका ध्यान रखेगी। वे शायद पार्टी से संपर्क करेंगे। मैंने पार्टी को बता दिया है कि मुझे एक संदेश मिला है। यह पार्टी का विशेषाधिकार है कि वे किसे भेजते हैं। यह कदम घरेलू राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौते में अमेरिका की भूमिका को लेकर सरकार पर हमला कर रही है। ऐसे में भाजपा नेता तिरंगा रैलियों में भाग ले रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने एक दर्जन शहरों में जय हिंद रैलियां निकालने का भी फैसला किया है। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने के लिए एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले पर भी सवाल उठाया है, उन्होंने पूछा कि केवल एनडीए के मुख्यमंत्रियों को ही क्यों बुलाया गया, सभी मुख्यमंत्रियों को क्यों नहीं बुलाया गया।

भारत की ...

इस रिपोर्ट में कहा गया, भारत की आर्थिक वृद्धि को निजी उपभोग, सार्वजनिक निवेश और मजबूत सेवा निर्यात का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। भारत के माल निर्यात पर भी इसका असर हो सकता है, हालांकि दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और तांबा जैसे सेक्टर इस प्रभाव से फिलहाल बचे हुए हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में महंगाई 2024 में 4.9 प्रतिशत रहने के बाद 2025 में घटकर 4.3 प्रतिशत हो सकती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे में है। इसके साथ ही, रोजगार के स्तर में कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई है, लेकिन महिला श्रम भागीदारी में असमानता बनी हुई है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी 2025 में अपनी नीतिगत ब्याज दर घटाने की प्रक्रिया शुरू की। इससे पहले यह दर फरवरी 2023 से लगातार 6.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई थी। दक्षिण एशिया के अन्य देशों जैसे बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका में भी आर्थिक सुधार और आईएमएफ के समर्थन से वित्तीय अनुशासन को अपनाया जा रहा है।

यूएन रिपोर्ट के अनुसार, विश्व आर्थिक विकास दर 2025 में घटकर 2.4 प्रतिशत हो जाएगी, जो 2024 में 2.9 प्रतिशत थी। यह जनवरी 2025 के अनुमान से 0.4 प्रतिशत कम है। यह मंदी नहीं है, लेकिन अधिकांश देशों में विकास की गति धीमी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी शांतनु मुखर्जी ने कहा, अभी दुनिया की अर्थव्यवस्था अस्थिर दौर में है। निवेश में देरी और नीति संबंधी अनिश्चितता से हालात और बिगड़ रहे हैं। अमेरिका की बढ़ोतरी 2024 के 2.8 प्रतिशत से घटकर 2025 में 1.6 प्रतिशत होने की संभावना है। चीन की बढ़ोतरी 2025 में 4.6 प्रतिशत तक सीमित रह सकती है। ब्राजील, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील देशों की भी बढ़ोतरी दर में गिरावट आई है। यूएन रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि विकासशील देशों और विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक हो सकती है, जिसे निर्यात से कम आमदनी, कर्ज का बोझ और घटती अंतरराष्ट्रीय सहायता उनकी विकास योजनाओं को प्रभावित कर सकती है। 2025 में कम विकसित देशों की विकास दर 4.5 प्रतिशत से घटकर 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट में अंत में यह स्पष्ट किया गया है कि वैश्विक व्यापार में बढ़ते तनाव और नीतिगत अनिश्चितता के बीच, बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करना बेहद जरूरी है। विकासशील और कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को लक्षित समर्थन देना और नियम-आधारित व्यापार प्रणाली को पुनर्जीवित करना स्थायी विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा।

वक्फ कानून के ...

इनमें अदालतों द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या विलेख द्वारा वक्फ घोषित सम्पत्तियों को गैर अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है।17 अप्रैल को सुनवाई में शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार व जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ को केंद्र की ओर से आश्वासन दिया गया था कि वह 5 मई तक न तो वक्फ बाई यूजर समेत वक्फ सम्पत्तियों को गैर-अधिसूचित करेगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद व बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा। केंद्र ने उसे सुने बिना कानून पर रोक न लगाने का आग्रह भी किया था।इसके बाद केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 1332 पन्नों का हलफनामा दायर कर वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता के खिलाफ याचिकाओं को खारिज करने की मांग की थी। केंद्र ने अधिनियम के किसी भी प्रावधान पर रोक लगाने का विरोध करते हुए कहा, कानून में यह स्थापित स्थिति है कि संवैधानिक अदालतें किसी वैधानिक प्रावधान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाएंगी। अदालतें मामले पर अंतिम रूप से निर्णय लेंगी।

राहु - केतु के राशि परिवर्तन से लाइलाज बीमारी का मिलेगा इलाज

राशि परिवर्तन का देश-दुनिया पर होगा असर

राहु ग्रह का गोचर 18 मई को कुंभ राशि में और केतु का गोचर सिंह राशि में होगा। राहु केतु का यह राशि परिवर्तन इस साल की सबसे बड़ी ज्योतिषीय घटनाओं में से एक होगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि राहु 11 नंबर की राशि कुंभ में और केतु 5 नंबर की राशि सिंह में प्रवेश कर रहा है। आने वाले 18 महीने में चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए आविष्कार होंगे। साथ ही लाइलाज और भयानक रोगों का उपचार मिलेगा। इस दौरान आतंकवाद और नक्सलवाद का सफाया होगा। पशुधन में वृद्धि होगी। शाकाहार के प्रति रूचि बढ़ेगी। ज्योतिष अध्यात्म ईश्वरीय शक्ति के प्रति लोगों की आस्था बढ़ेगी।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि राहु और केतु कोई भौतिक ग्रह नहीं हैं। इन्हें छाया ग्रह माना जाता है। शनिवत राहु कुंजवत केतु अर्थात राहु में जहां शनि के गुण होते हैं तो केतु में मंगल के गुण है। राहु किसी ग्रह के प्रभाव को कम कर देता है। केतु किसी ग्रह के प्रभाव को काफी बढ़ा देता है। राहु-केतु का राशि परिवर्तन 18 मई को शाम 5:20 बजे होगा । राहु-केतु दोनों ही छाया ग्रह माने गए हैं और ये हमेशा वक्री यानी उल्टी चाल से चलते हैं। 18 मई को राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष गणना के अनुसार शनिदेव के बाद राहु-केतु सबसे ज्यादा दिनों तक किसी एक राशि में विराजमान रहते हैं। वर्तमान में राहु मीन राशि में और केतु कन्या राशि में स्थित हैं।

भयानक रोगों का मिलेगा इलाज

राहु केतु के राशि परिवर्तन कोई बड़ी बीमारी का इलाज देंगे। मेडिकल क्षेत्र में नए-नए आविष्कार होंगे और लाइलाज बीमारियों का इलाज मिलेगा। डिजिटल संचार तकनीकी क्षेत्र में कोई नई क्रांति की संभावना। आंखों के रोग (आई फ्लू) फैलेंगे। लेकिन कैंसर जीभ लार मुख की सर्जरी सहित लाइलाज बीमारियों का उपचार मिलेगा। चिकित्सा क्षेत्र में बड़े आविष्कार होंगे। यह आविष्कार अधिक रोगों का उपचार करेगा।

आंतकवाद नक्सलवाद का होगा सफाया

आतंकवाद नक्सलवाद जातिवाद रंगभेद क्षेत्रवाद भाषावाद बहुत तेजी से फैलेंगे और नष्ट भी होंगें। विश्व के कई देश और सरकारें एकजुट होकर इन सब को समाप्त करने की कोशिश करेगी। इसकी शुरुआत फ्रांस या यूरोप के किसी देश से होगी। धीरे धीरे सभी जगह से आतंकवाद नक्सलवाद समाप्त हो जायेगा। कोई एक महिला विश्व सुधार में योगदान देगी। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और खराब होगी। इसके साथ ही उसको गृह युद्ध का भी सामना करना पड़ेगा।

बाजार से दूर होगी मंदी

बाजार में रौनक देखने को मिल जाएगी और मंदी समाप्त होगी। राहु केतु के राशि परिवर्तन के कारण तेल खनन चिकित्सा गैस पाइपलाइन शराब लोहा मशीनरी धातु आदि की मांग बढ़ेगी। ए आई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव ज्यादा होगा। धोखा वाद विवाद लड़ाई झगड़ा अधिक होगा। तकनीकी क्षेत्र का ज्यादा प्रभाव रहेगा। बैंकों से संबंधित परेशानी होगी सर्वर डाउन बैंक में चोरी डकैती धोखा घड़ी की संभावना।

ज्योतिष अध्यात्म के प्रति बढ़ेगी रूचि

शेयर बाज़ार कमोडिटी एक्सचेंज में पूर्वानुमान बढ़ेगा। पशुधन में वृद्धि होगी। शाकाहार के प्रति रूचि बढ़ेगी। धातु क्रय विक्रय बढेगा। ज्योतिष अध्यात्म ईश्वरीय शक्ति के प्रति लोगों की आस्था बढ़ेगी। ज्योतिष डर को भगाने एवं वहम को मिटाने के लिए बना है।

सत्ता पक्ष में बेचैनी बढ़ाएगा

राहु-केतु के राशि परिवर्तन से अचानक लाभ, अचानक कष्ट या नुकसान देखने को मिल सकता है। किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का अपहरण होने की संभावना। पुलिस एवं प्रशासन का कार्य बढ़ेगा। प्रदेश व देश के विकास में सहायक होगा तो सत्ता पक्ष में बेचैनी बढ़ाएगा। राहु में जहां शनि के गुण

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

- चिकित्सा क्षेत्र में होगा बड़ा आविष्कार
- विश्व में और अधिक बढ़ेगी भारत की साख
- मेडिकल क्षेत्र में होगा भयानक रोगों का उपचार
- आंतकवाद नक्सलवाद का होगा सफाया
- बाजार में होगी रौनक
- ज्योतिष अध्यात्म के प्रति बढ़ेगी रूचि

होते हैं तो केतु में मंगल के गुण है। ज्योतिषशास्त्र में राहु-केतु को छाया ग्रह माना गया है। राहु-केतु अगर बिगड़ जाएं तो जिंदगी को नरक बना देते हैं और अगर देने पर आएं तो गरीब को भी राजा बना देते हैं। इसलिए इन दोनों का राशि परिवर्तन कई लोगों के लिए राहत लेकर आएगा तो कुछ राशियों कों परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

प्राकृतिक आपदा और दुर्घटनाओं की आशंका

बड़े मामले सामने आएंगे। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। कई जगह बड़े अग्निकांड होंगे। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे।

सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

विश्व में और अधिक बढ़ेगी भारत की साख

भारत की साख विश्व में और अधिक बढ़ेगी। विश्व में कोई एक बड़ा देश स्वयं की गलती से बुरे वक्त से गुजरेगा। आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णय की सभी जगह सराहना होगी और विश्व में भारत निर्णायक भूमिका निभाएंगे। विश्व स्तर पर भारत मजबूत देश बनेगा। भारत की विदेशी राजनीति पूरी तरह सफल रहेगी। भारत के पड़ोसी देशों में राजनीतिक उपद्रव भी हो सकते हैं। सेना में नए हथियार और विमान शामिल होने की संभावना है। देश की सुरक्षा नीति और मजबूत होगी। सैनिकों के लिए फायदेमंद सरकारी नीतियां बनेंगी। राहु और शनि की स्थिति के कारण सीमाओं पर तनाव तो बढ़ेगा, लेकिन देश की सेनाएं मजबूत रहेंगी। पड़ोसी देशों पर भारत का प्रभाव बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में भी देश विश्व स्तर पर मजबूत रहेगा।

देश दुनिया पर असर

जब भी राहु-केतु का राशि परिवर्तन होता है। तब इसका प्रभाव न सिर्फ सभी जातकों के ऊपर होता है बल्कि देश-दुनिया पर भी प्रभाव देखने को मिलता है। राहु-केतु के गोचर से कई तरह के प्राकृतिक उथल-पुथल होने की संभावना रहती है। पृथ्वी पर गर्मी का प्रकोप बढ़ जाता है और वर्षा भी कम होती है। देश-दुनिया में राजनीति अपने चरम पर होती है। एक-दूसरे देशों में तनाव काफी बढ़ जाता है। राजनीति के क्षेत्र में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। रोग बढ़ जाते हैं जिससे जनता का हाल बुरा हो जाता है। जनता में तनाव बढ़ सकता है। झूठी बातें ज्यादा तेजी से फैलेंगी। जनता को त्वचा रोगों का सामना करना पड़ सकता है। किसानों की फसलों पर टिड्डियों और अन्य कीटों का आक्रमण हो सकता है। किसानों को अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी। खाने-पीने की वस्तुंओं की कमी तथा उनकी कीमतों में वृद्धि । पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों के बढ़ने के बाद जरूरी उपभोगता वस्तुओं के मूल्यों में भी इजाफा होने से जनता परेशान होगी। दुनियाभर में गेहूं तथा अन्य अनाजों की कीमतों में वृद्धि होगी। कुछ देशों में अन्न की कमी से कानून-व्यवस्था को लेकर भी संकट की स्थिति पैदा होगी। खडी फसलों को नुक्सान हो सकता है। स्टॉक मार्केट में उथल-पुथल मच सकती है। भारत में सितंबर तक का समय सत्ताधारी दल के बड़े नेताओं और अधिकारियों की सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। बड़े नेताओं के संदर्भ में कुछ अप्रिय घटनाएं सामने आ सकती हैंश्र कुछ बड़ी प्रकृति आपदा जैसे बाढ़-भूस्खलन से जन धन की हानि करवा सकते हैं।

क्या करना होगा

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, ऊँ नमोः भगवते वासुदेवाय का जाप करें। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। श्री राम भक्त संकट मोचन हनुमान जी आप सबकी रक्षा करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं।

20 को मनाई जाएगी कालाष्टमी

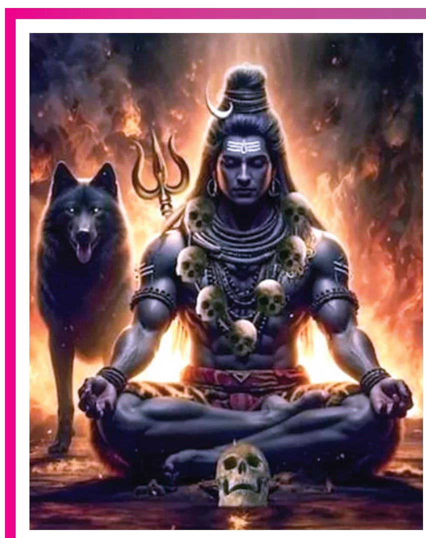

कालाष्टमी का पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है, जो भगवान काल भैरव को समर्पित है। इस दिन लोग व्रत करते हैं और पूजा-पाठ करते हैं। ज्येष्ठ माह में पड़ने वाली कालाष्टमी को लेकर लोगों के मन में थोड़ी कन्फ्यूजन बनी हुई है। हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 20 मई दिन मंगलवार को सुबह 05 बजकर 51 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 21 मई दिन बुधवार को सुबह 04 बजकर 55 मिनट पर होगा। ऐसे में इस बार कालाष्टमी 20 मई दिन मंगलवार को पड़ रही है।

कालाष्टमी का धार्मिक महत्व

कालाष्टमी भगवान शिव के उग्र रूप भैरव बाबा की पूजा के लिए समर्पित है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान भैरव की पूजा करने से सभी तरह के भय और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। इसके साथ ही भक्तों को बुरी शक्तियों से सुरक्षा मिलती है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

पूजा विधि

सुबह उठें और पानी में गंगाजल डालकर स्नान करें।

एक चौकी पर भगवान काल भैरव की प्रतिमा स्थापित करें।

सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

उन्हें फूल, फल, मिठाई और चंदन अर्पित करें।

काल भैरव की कथा सुनें या पढ़ें।

ॐ काल भैरवाय नमः या अन्य वैदिक मंत्रों का जाप करें।

रात्रि में भी भगवान भैरव की विधिवत पूजा करें।

गरीबों और जरूरतमंदों को दान-दक्षिणा दें।

इस दिन तामसिक चीजों से परहेज करें।

इस तिथि पर तामसिक भोजन का सेवन भूलकर न करें।

शालिग्राम जी की पूजा के समय रखें इन बातों का ध्यान

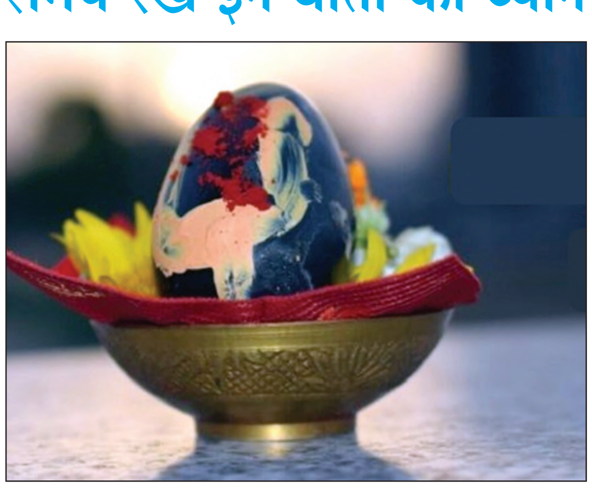

आपने कई घरों में शालिग्राम भगवान को विराजते हुए होते हुए देखा होगा। विष्णु पुराण में इस बात का वर्णन किया गया है कि जिस घर में शालिग्राम स्थापित किए जाते हैं, वह घर किसी तीर्थ से कम नहीं होता। माना जाता है कि शालिग्राम जी की पूजा तभी सफल होती है, जब उनके नियमों का ध्यान रखा जाए।

इस तरह करें पूजा

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं।

शालिग्राम जी को पंचामृत (दूध, दही, शहद, शक्कर, घी) से स्नान कराएं। इसके बाद चंदन का तिलक लगाएं और फूल व फल अर्पित करें। शुद्ध घी का दीपक जलाएं और भगवान विष्णु की आरती करें।

भोग में तुलसी का पत्ता जरूर डालें। अंत में सभी लोगों में प्रसाद बांटें। शालिग्राम जी की नियमित रूप से पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसे में कोशिश करें कि पूजा का क्रम न टूटे। पूजा के दौरान पवित्रता और स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। शालिग्राम को तुलसी के पौधे के पास रखना ज्यादा शुभ माना जाता है। शालिग्राम जी भगवान विष्णु के ही स्वरूप हैं, ऐसे में उनके भोग में तुलसी जरूर शामिल करें।

शालिग्राम जी की पूजा में कभी भी उन्हें अक्षत नहीं चढ़ाना चाहिए। जहां भी आपने शालिग्राम जी को स्थापित किया है वहां पर पवित्रता और स्वच्छता का जरूरी रूप से ध्यान रखें। घर में एक से ज्यादा शालिग्राम रखना भी शुभ नहीं माना जाता। शालिग्राम जी पूजा करने वाले साधक को मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस बातों का ध्यान रखने पर ही आपको पूजा का पूर्ण फल मिल सकता है।

पूजा के मंत्र

आप शालिग्राम की पूजा में इन मंत्रों का जप कर सकते हैं, जिससे आपको प्रभु श्रीहरि की भी कृपा की प्राप्ति होती है -

❋ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

❋ श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे।
हे नाथ नारायण वासुदेवाय।।

❋ ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।।

❋. ॐ विष्णवे नमः

❋ ॐ हूं विष्णवे नमः

कैसे हुई बड़े मंगल की शुरुआत? जानिए इसके पीछे की पौराणिक कथा

ज्येष्ठ मास के सभी मंगलवार का अपना एक विशेष महत्व है, जिन्हें बुढ़वा मंगल और बड़े मंगल के नाम से जाना जाता है। यह पवित्र दिन भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। इस दिन व्रत, पूजा-पाठ, भंडारे आदि धार्मिक काम आयोजित किए जाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बड़े मंगल की यह परंपरा कैसे शुरू हुई?

कब है दूसरा बड़ा मंगल?

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने के दूसरे मंगल की शुरुआत 20 मई को सुबह 5 बजकर 51 मिनट पर होगी। वहीं इसका समापन 21 मई को सुबह 4 बजकर 55 मिनट पर होगा। ऐसे में जेष्ठ माह का दूसरा बड़ा मंगल 20 मई को मनाया जाएगा।

भगवान राम से हुई मुलाकात

प्रचलित कथा के अनुसार, भगवान हनुमान की ज्येष्ठ मास के मंगलवार को ही भगवान राम से मुलाकात हुई थी, जब वे माता सीता की खोज में लंका जा रहे थे। इस मिलन को बहुत शुभ और महत्वपूर्ण माना गया है, जिस वजह से ज्येष्ठ महीने के सभी मंगलवार को हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना शुरू हो गई।

सेवा और भक्ति का दिन

बड़े मंगल के दिन लोग हनुमान मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं और उन्हें सिंदूर, चोला चढ़ाते हैं। इसके साथ ही विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करना भी बहुत फलदायी माना जाता है। इसके अलावा जगह-जगह भंडारे आयोजित किए जाते हैं। यह पर्व सेवा और भक्ति का एक महत्वपूर्ण अंग है।

भाईचारे का प्रतीक

बड़े मंगल न केवल भगवान हनुमान के प्रति आस्था और कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है, बल्कि यह सामाजिक एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है। यह परंपरा आज भी उसी उत्साह और भक्ति के साथ मनाई जाती है जैसे यह शुरुआत समय में मनाई जाती है।

किसे पहनना चाहिए तांबे का छल्ला मिलते हैं गजब के फायदे

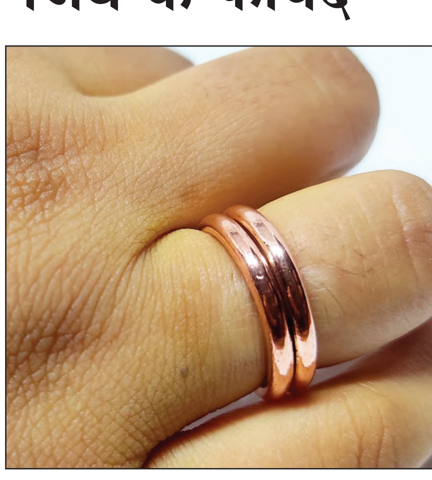

आपने कई लोगों को चांदी का छल्ला या अंगूठी पहने देखा होगा। यह केवल एक आभूषण के तौर पर नहीं पहना जाता बल्कि ज्योतिष शास्त्र में भी इसका महत्व माना गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किन लोगों को तांबे का छल्ला पहने से ज्यादा लाभ मिलता है।

किससे है तांबे का संबंध

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, तांबे को सूर्य से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में यदि तांबे का छल्ला पहना चाहिए, तो इससे कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है। इसी के साथ तांबे को मंगल ग्रह से भी जोड़ा गया है, इसलिए कुंडली में मंगल मजबूत करने के लिए भी चांदी का छल्ला धारण किया जा सकता है।

इन लोगों को मिलता है लाभ

ज्योतिष शास्त्र में तांबे का छल्ला मेष, सिंह और धनु राशि के जातकों के लिए शुभ माना जाता है। इसी के साथ जिन लोगों को गुस्सा ज्यादा आता है, उन्हें भी तांबा का छल्ला पहनने की सलाह दी जाती है।

मिलते हैं ये फायदे

हिंदू धर्म में सूर्य ग्रह को यश और सम्मान का प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ऐसे में यदि आप तांबे की अंगूठी पहनते हैं तो इससे आपकी कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत हो सकती है। जिससे समाज में पद-प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ता है।

साथ ही इससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है और आपको कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं में भी आराम मिल सकता है। इसी के साथ जातक के लिए तरक्की और धन लाभ के भी योग बनने लगते हैं।

तांबे का छल्ला पहनने के नियम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तांबे का छल्ला पहनने के लिए रविवार का दिन सबसे शुभ माना जाता है। जिसका कारण यह है कि रविवार का दिन सूर्य देव को समर्पित है और तांबा सूर्य ग्रह का ही प्रतीक माना जाता है। इसी के साथ तांबे का छल्ला अनामिका उंगली यानी कि रिंग फिंगर में पहनना अच्छा होता है, क्योंकि इस उंगली को सूर्य की उंगली कहा जाता है।

शूटिंग के दौरान सीन को सही तरह से न करने पर

निर्देशक सत्येन बोस ने राखी गुलजार को मारा था थप्पड़!

दशकों तक पर्दे पर अपनी अदाकारी के जरिए फैन्स में एक खास जगह बनाने वाली राखी पर आपको उनकी जिंदगी से जुड़ी एक खास कहानी बताते हैं। राखी पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के रानाघाट इलाके में जन्मी थी। भारत की आजादी की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद राखी का जन्म हुआ था। राखी ने शुरुआती पढ़ाई पास के गर्ल स्कूल में पूरी की। उनकी शादी छोटी उम्र में ही एक बंगाली फिल्म डायरेक्टर अजय बिस्वास से हो गई थी। एक बार राखी ने बताया था कि, उस समय वो इतनी छोटी थीं कि उन्हें केवल इतना मालूम था कि हर लड़की की शादी होती है और उन्हें भी यह करना है। छोटी उम्र में हुई ये शादी ज्यादा दिन नहीं चली। 20 साल की उम्र में उन्होंने बंगाली फिल्मों से एक्टिंग की शुरुआत की और बॉलीवुड में अपनी राह बना ली। साल 1973 में राखी और गुलजार ने शादी कर ली। दोनों फिल्म इंडस्ट्री में नए थे। एक ही तरह का स्वभाव भी था। लेकिन फिर भी सब उस तरह नहीं चल पाया जैसे उन्होंने सोचा था।

राखी गुलजार ने 1967 में 20 साल की उम्र से अपने करियर की शुरुआत बंगाली फिल्म 'वधु वरण' से की, उन्होंने अपने करियर में बंगाली और हिंदी फिल्मों में काम किया। इस फिल्म के दौरान राखी की अदाकारी से पहली बार सुनील दत्त प्रभावित हुए और वह उन्हें फिल्म 'रेशमा और शेरा' में मुख्य किरदार से तौर पर लेना चाहते थे।

लेकिन इससे पहली ही राखी ने फिल्म 'जीवन मृत्यु' (1970) को साइन किया और फिल्म में उन्होंने लीड रोल निभाया। यह फिल्म राखी की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी, जिसको राजश्री प्रोडक्शन हाउस की ओर से तैयार किया गया था। ऐसा कहा जाता है कि फिल्म 'जीवन मृत्यु' की शूटिंग के दौरान सीन को सही तरह से न करने पर निर्देशक सत्येन बोस ने राखी को थप्पड़ मारा था।

1970 -1974 तक राखी बॉलीवुड में आशा पारेख के बाद दूसरी सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस बनी। फिल्म इंडस्ट्री में अपना यही स्थान उन्होंने 1975-1982 के दौर में लोकप्रिय अभिनेत्री परवीन बॉबी और रीना रॉय के समय में भी बनाए रखा। 1971 में फिल्म 'शर्मिली' में राखी गुलजार को पहली बार बॉलीवुड फिल्मों में डबल रोल करने का मौका मिला।

इसमें उन्होंने शशि कपूर और धर्मेन्द्र के साथ स्क्रीन शेयर की। इसी साल उन्होंने फिल्म 'लाल पत्थर' और 'पारस' में भी लीड रोल में काम किया। यह तीनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई। इसी के साथ राखी बॉलीवुड की बेहतरीन अदाकाराओं में शामिल हुई।

राखी ने अपने फिल्मी करियर में 95 से ज्यादा फिल्में की, जिसमें शशि कपूर के साथ सर्वाधिक 10 फिल्मों- शर्मिली (1971), जानवर और इंसान (1972), कभी-कभी (1976), त्रिष्णा (1978), बसेरा (1981), पिघलता आसमान (1985), बंधन कच्चे धागों का (1983), बंध हौठ (1984), जमीन आसमान (1984), दूसरा आदमी (1977) और एक दो तीन चार में काम किया।

इसमें से 4 फिल्में उनकी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप, 6 फिल्में सुपरहिट और एक फिल्म 'एक दो तीन चार' रिलीज ही नहीं हुई। यहां तक कि लीड एक्ट्रेस के तौर पर उन्होंने अपनी आखिरी फिल्म 'पिघलता आसमान' भी 1985 में शशि कपूर के साथ की। राखी को पहली बार फिल्म 'हीरा पन्ना' (1973) से बॉलीवुड सुपरस्टार देव आनंद के साथ काम करने का मौका मिला।

इसके अलावा उन्होंने फिल्म बनारसी बाबू, जोशीला और लूटमार में भी देव आनंद के साथ स्क्रीन शेयर की। राखी ने फिल्म इंडस्ट्री को उस समय सबसे बड़ा झटका दिया जब उन्होंने फिल्म 'आंचल' (1980) में राजेश खन्ना की भाभी के किरदार को निभाने के लिए कहा। यह फिल्म भाभी और देवर के रिश्ते पर आधारित थी, जिसको शक की निगाहों से देखा जाता है। हालांकि बाद में बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सुपर हिट साबित हुई। 1980 से 1990 के दौर में राखी ने फिल्मों में एक विधवा मां के किरदार निभाने शुरू किए, जिसकी शुरुआत उन्होंने 1989 में बनी फिल्म 'राम लखन' से की। इस फिल्म में राखी के किरदार के साथ फिल्म में उनके संवाद (डॉयलॉग) को भी दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इसके बाद उन्होंने फिल्म अनाड़ी (1993), बाजीगर (1993), खलनायक (1993), करण अर्जुन (1995), बॉर्डर (1998) और एक रिश्ता: द बॉन्ड ऑफ लव (2001) में भी दमदार मां की भूमिका निभाई।

कोरिया में राजकुमारी बनीं अभिनमेत्री हिना खान

हाल ही में कोरिया की टूरिज्म एंबेसडर नियुक्त हुईं अभिनेत्री हिना खान ने बताया कि वह इस देश से बहुत प्यार करती हैं और यहां पर उन्हें राजकुमारी की तरह महसूस होता है। इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, जादुई भूमि में परी कोरिया एक सपने की तरह लगता है और यहां पर मैं एक राजकुमारी की तरह महसूस करती हूं, लव कोरिया। शेयर किए वीडियो में वह परी या राजकुमारी की लिबास में नजर आईं। पिंक कलर की आउटफिट में उनका लुक बेहद खूबसूरत लगा। बुधवार को हिना ने पोस्ट शेयर कर बताया कि 'कोरिया टूरिज्म' के एंबेसडर के रूप में उन्हें नियुक्त किया गया है। यह सम्मान पाकर वह बेहद खुश और उत्साहित हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों के साथ हिना ने कोरिया पर्यटन ऑर्गनाइजेशन भारत को धन्यवाद कहा।

अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, कोरिया पर्यटन के ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त होने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं। कोरिया की सुंदरता और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित हूं। हिना ने बताया कि इस सम्मान से उन्हें जो खुशी मिली है, उसे वह शब्दों में बयां नहीं कर सकती हैं।

उन्होंने लिखा, इस खूबसूरत देश में हाल ही में आई और देश में बिताए पिछले कुछ दिनों में मेरे अनुभव को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। पुराने महलों से लेकर सड़कों तक, कोरिया बेहद खूबसूरत देश है, जिसका जादू दिखता है। यहां के अद्भुत नजारे, स्वादिष्ट भोजन और संस्कृति को सभी को दिखाने के लिए मैं एक्साइटेड हूं और ज्यादा इंतजार नहीं कर सकती। इस सम्मान के लिए एंड्र्यू जेएच किम और कोरिया टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन इंडिया का धन्यवाद।हिना के अलावा और भी कई एक्टर्स हैं, जो विदेशों के एंबेसडर हैं। अभिनेता और सोशल वर्कर सोनू सूद भी इस लिस्ट में शामिल हैं। पिछले साल ही थाईलैंड सरकार ने उन्हें अपना एंबेसडर नियुक्त किया था। पर्यटन मंत्रालय ने उन्हें देश का 'ब्रांड एंबेसडर' और ऑनरी टूरिज्म एडवाइजर नियुक्त किया। कोरोना महामारी के दौरान किए गए मानवीय प्रयासों के कारण सोनू सूद को मसीहा शब्द का टैग भी मिला है।

मॉर्निंग रूटीन में छिपा निकिता दत्ता का ब्यूटी फॉर्मूला

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने हाल ही में अपनी अनोखी और ताजगी भरी मॉर्निंग रूटीन का खुलासा किया। उनकी रूटीन में दो खास चीजें फेस आइसिंग और बैक हेयर फ्लिपिंग शामिल है। उन्होंने बताया कि वह दिन की शुरुआत फेस आइसिंग से करती हैं, इसमें वह बर्फ से चेहरे की मसाज करती हैं, ताकि स्किन तरोताजा और ग्लोइंग लगे। इसके बाद वह बैक हेयर फ्लिपिंग करती हैं। यह रूटीन उन्हें पॉजिटिव बनाए रखता है। निकिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो की शुरुआत में वह 'फेस आइसिंग' करती नजर आ रही हैं। इसके बाद वह अपने बालों की हेयरस्टाइलिंग करवाती दिख रही हैं, जो उनके 'बैक हेयर फ्लिपिंग' का हिस्सा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- कभी-कभी फेस आइसिंग और बैक हेयर फ्लिपिंग आपके दिन को बेहतर बना सकते हैं। निकिता इंडस्ट्री की टैलेंटेड अदाकारा के तौर पर पहचानी जाती हैं। वो काफी ब्रेनी हैं। शरीर के साथ-साथ उनका दिमाग भी काफी फिट है।

हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि वह एक्ट्रेस बनने से पहले यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं। उन्होंने बताया कि उनका पालन-पोषण ऐसे माहौल में हुआ जहां नियम और जिम्मेदारियां सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। इसी परवरिश ने अनुशासन और मेहनत करना सिखाया। उन्होंने साथ ही खुलासा किया कि वह एक्ट्रेस बनने से पहले यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं।

उन्होंने कहा, मैं एक आर्मी फैमिली से आती हूं। मेरे आसपास लगभग सभी ने किसी न किसी रूप में सेना में सेवा दी है। ऐसे अनुशासित माहौल में पली-बढ़ी होने के कारण, मैं भी एक ऐसा करियर चाहती थी जिसमें स्पष्टता और स्थिरता हो। एक समय ऐसा भी था जब मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी। लेकिन अब जब मैंने एक्टिंग को अपना पेशा चुना है, तो यह बदलाव मेरे लिए बहुत बड़ा लगता है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो निकिता दत्ता ने 2014 में रोमांटिक ड्रामा लेकर हम दीवाना दिल से अपने अभिनय कीशुरुआत की थी। वह गोल्ड, कबीर सिंह, द बिग बुल और खाकी: द बिहार चैप्टर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में, वह हीस्ट एक्शन थ्रिलर 'ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स' में नजर आईं।

कान्स में नितांशी गोयल ने बालों में सजाई मधुबाला

अभिनेत्री नितांशी गोयल ने 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने एक खासतौर पर डिज़ाइन की गई प्री-ड्रेप्ड साड़ी चुनी, जो भारतीय टेक्स्टाइल विरासत का सम्मान करती है और साथ ही युवा मासूमियत और आधुनिकता का खूबसूरत मेल भी दिखाती है। सॉफ्ट आइवरी रंग की इस साड़ी में पारंपरिक और मॉडर्न अंदाज़ का अनोखा संगम नजर आया, जिससे नितांशी के आत्मविश्वास और ताजगी से भरे लुक ने ग्लोबल मंच पर अलग ही चमक बिखेरी। उनके लुक का मुख्य आकर्षण कस्टम पर्ल हेयर एक्सेसरी रही, जिसे बी अभिका द्वारा खूबसूरती से तैयार किया गया है। इसमें कैस्केडिंग पर्ल स्ट्रैंड भी शामिल थे, जिनमें मशहूर भारतीय अभिनेत्रियों के छोटे-छोटे फोटो फ्रेम्स लगे हुए थे, जो देखते ही बन रहे थे।

इसके माध्यम से उन्होंने मधुबाला, रेखा, श्रीदेवी, वैजयंती माला, हेमा मालिनी, वहीदा रहमान और नूतन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस इशारे के साथ, नितांशी ने वैश्विक मंच पर भारत की सुंदरियों और उनके उत्साह का गर्व से प्रतिनिधित्व किया। इस साड़ी की सबसे खास बात है इसका फ्लूइड और पहले से बना हुआ ड्रेप, जिसके साथ एक लंबा ट्रेल भी जुड़ा है। इसमें नाज़ुक बो डिज़ाइन की कढ़ाई, झरते हुए 3डी फूलों की कारीगरी और पुराने समय की रेज़िस्ट-डाइंग तकनीक से बनाए गए सूक्ष्म पाईज़ली पैटर्न्स को बड़े खूबसूरती से सजाया गया है।

ब्लाउज़ भी बेहद बारीकी से हाथों से तैयार किया गया है, जिसमें मोतियों और बीड्स की डिटेलिंग है, जो पुराने ज़माने के भारतीय पारंपरिक गहनों की याद दिलाता है। यह लुक मासूमियत, खूबसूरती और कहानी कहने की एक खूबसूरत झलक था, जिसे जेड बाय मोनिका एंड करिश्मा ने नितांशी के लिए कान्स के इंडियन पवेलियन में खास तौर पर भारतीय क्राफ्ट के जरिए डिज़ाइन किया। श्रेय और उर्जा द्वारा स्टाइल किया गया यह लुक सादगी में भी खास था। प्यारी सी बो शेप के इयररिंग्स साड़ी की कढ़ाई से मेल खा रहे थे, जिन्होंने पूरे लुक में एक चार्म और एकरूपता लाने का काम किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ासा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले – किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 मई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी अहोरात्र
नक्षत्र : पूर्वाषाढा सायं 05:44 तक
योग : साध्य प्रातः 07:07 तक
करण : कौलव सायं 05:42 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 12:04 तक
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 ,सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रानी अहिल्याबाई होलकर जयंती, विश्व दूरसंचार दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान और भगवान श्री कृष्ण के कर्म के संदेश अपनाएं : नायब सिंह

चंडीगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में आज हमारी युवा पीढ़ी को आधुनिकता की दौड़ में अपनी संस्कृति से दूर नहीं होना चाहिए। युवाओं को जीवन में संतुलन स्थापित करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान और भगवान श्री कृष्ण के कर्म के संदेश को अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री वीरवार को देर शाम गुरुग्राम के सेक्टर 29 स्थित लेज़र वैली पार्किंग में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित श्री कृष्ण कृपा प्रेरणा उत्सव को सम्बोधित कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और उनका आशीर्वाद लिया। श्री कृष्ण कृपा प्रेरणा उत्सव में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व देशभर से संत समाज और भजन गायकों ने भी शिरकत की। मुख्यमंत्री ने देश भर से पहुंचे संत समाज, हरियाणा की बेटी व दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का प्रदेश में आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि चाहे आप डॉक्टर, इंजीनियर या उद्यमी बनें, लेकिन जीवन में प्रेम और त्याग की भावना को ज़रूर रखें। जब भी समय मिले, गीता के दो श्लोक अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ियां भारतीय संस्कृति को केवल पुस्तकों में नहीं, जीवन में भी आत्मसात करें।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम की भूमि केवल एक आधुनिक शहर नहीं है, यह महाभारत काल से लेकर आज तक सांस्कृतिक चेतना की भूमि रही है। यहीं से गुरु द्रोणाचार्य ने शिष्यों को धर्म और युद्ध की शिक्षा दी। संतों ने हमेशा अहिंसा का मार्ग दिखाया, लेकिन कई बार हमारी सहनशीलता को हमारी कमजोरी समझ लिया गया। जिसका जवाब हमने रौद्र रूप धारण कर भी दिया। बीते दिनों पहलगाम में कायराना हरकत हुई तो हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के रूप में आतंकियों का सीमा पार जाकर नाश किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सैन्य अभियान राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक बन गया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को साधुवाद देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके प्रयासों से आज दुनिया भर में श्रीमद्भागवत गीता के ज्ञान की धारा अविरल बह रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार केवल विकास के भौतिक आयामों तक सीमित नहीं है। हम चाहते हैं कि हरियाणा में आध्यात्मिक चेतना का भी उत्थान हो। इसी उद्देश्य से कुरुक्षेत्र को धर्मनगरी के रूप में वैश्विक पहचान देने हेतु गीता महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया गया है। तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से वृद्धजनों को तीर्थयात्रा की सुविधा दी जा रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उनकी टीम से मिले सहयोग को लेकर आभार जताया। उन्होंने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि आपका जीवन भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों और भगवद्गीता के सार्वकालिक संदेश को जन–जन तक पहुँचाने के लिए समर्पित है। आपकी वाणी में केवल शब्द नहीं, अपितु आध्यात्मिक ऊर्जा, संतुलन और जीवन–दर्शन प्रवाहित होता है, जो आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, कृष्ण कुमार बेदी, राज्य मंत्री राजेश नागर और गौरव गौतम, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, विधायक बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर, हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

जून में होगा जेजेपी का सदस्यता अभियान

चंडीगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। पंजाब से हरियाणा को भाखड़ा और एसवाईएल नहर का पानी दिलाने की मांग को लेकर जननायक जनता पार्टी जल्द ही हरियाणा और पंजाब के राज्यपालों से मुलाकात करेगी। साथ ही अब जेजेपी के सभी पोस्टरों में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला की तस्वीर भी लगाई जाएगी। यह घोषणाएं जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने की। वे शुक्रवार को रोहतक में जेजेपी के नए प्रदेश कार्यालय में पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्षों, प्रभारियों व जिला प्रवक्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अजय सिंह चौटाला ने 10 जून से 10 जुलाई तक प्रदेशभर में सदस्यता अभियान चलाने की भी घोषणा की।

जेजेपी अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने कहा कि आज हरियाणा पेयजल संकट की भारी समस्या का सामना कर रहा है लेकिन हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है, और इसी वजह से अब तक एसवाईएल व भाखड़ा के पानी पर हमारे हक में फैसला आने के बावजूद भी हरियाणा को उसका हक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा की अध्यक्षता में जेजेपी की 11 सदस्यीय कमेटी जल्द ही राज्यपाल, जल शक्ति, बिजली मंत्री से मुलाकात करेगी और ज्ञापन सौंपेगी जल्द ठोस कदम उठाने की मांग करेगी। अजय चौटाला ने कहा कि मुलाकात के बाद भी पानी से जुड़ा यह गंभीर मसला हल नहीं होता है तो जेजेपी अन्य मजबूत विकल्प पर विचार करके बड़ा कदम उठाएगी।

डबल इंजन की सरकार ने दिया हरियाणा को डबल धोखा : हुड्डा

चंडीगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा में बीजेपी के डबल इंजन की सरकार ने जनता को डबल धोखा दिया है। हरियाणा को उसके हक का पानी दिलाने और खेतों की प्यास बुझाने के लिए जरूरत के समय कोई भी इंजन काम नहीं आया। प्रदेश से लेकर केंद्र तक दोनों ही सरकारों ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। वहीं अपने–अपने राज्य की जनता को बरगलाने के लिए पंजाब व हरियाणा की दोनों सरकारों जमकर नूराकुश्ती की। क्योंकि सच्चाई यह है कि ना इसबार भाखड़ा में पानी की कमी थी और ना ही हरियाणा ने अतिरिक्त पानी की मांग रखी थी।

हरियाणा अपने हक का पानी मांग रहा है। लेकिन पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने अपनी तमाम नाकामियों को छुपाने के लिए हरियाणा के हक का पानी रोक लिया। दो राज्यों के बीच में राजनीतिक खींचतान का माहौल खड़ा करने के लिए जानबूझकर यह विवाद पैदा किया गया। हरियाणा सरकार ने भी तमाम मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस नूराकुश्ती में आम आदमी पार्टी का पूरा–पूरा साथ दिया।

हुड्डा ने कहा कि अब दोनों दलों का यह नाटक जनता के सामने एक्सपोज हो चुका है। क्योंकि प्रदेश और केंद्र दोनों जगह बीजेपी की सरकार होते हुए भी, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड में हरियाणा के लोगों की नियुक्ति करके उचित भागीदारी सुनिश्चित नहीं की गई। केंद्र की परियोजना होते हुए भी वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती नहीं की गई।

मंडियों में भी चला देशभक्ति का जुनून, तुर्किये के सेब पर पूर्ण विराम

चंडीगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। कुछ फैसले व्यापार से नहीं बल्कि भावनाओं से आते हैं। हरियाणा की मंडियों में आजकल कोई सरकारी नोटिस नहीं लगा, न ही कोई बड़ा भाषण दिया गया, लेकिन एक जोरदार संदेश साफ तौर पर दिया गया कि देश हमारे साथ नहीं है, तो उसके नतीजे भी हमारे नहीं हैं! इस बार बात जामुन की नहीं, सेब की है! हरियाणा की मंडियों में अब तुर्की से आए चमचमाते, लिपटे विदेशी सेब नहीं दिखेंगे। क्यों? यह सिर्फ सेब नहीं, भावनाओं का मामला है।

हरियाणा के आढ़तियों का कहना है कि जो देश हमारी पीठ में छुरा घोंपता है, उसके उत्पादों का प्रचार हम क्यों करें? ऑपरेशन सिंधुर के दौरान पाकिस्तान को तुर्की की मदद ने सीधे तौर पर हरियाणा की धड़कन को चोट पहुंचाई। एक के बाद एक यमुनानगर, पिंजौर, कैथल की मंडियों ने ऐलान कर दिया कि तुर्की के सेब हमारे देश में नहीं बिकेंगे।

सर्वसम्मति से हरियाणा सब्जी मंडी एसोसिएशन ने यह फैसला लिया। उन्होंने कहा कि अब से मंडियों में सिर्फ भारतीय सेब यानी कश्मीर और हिमाचल के लाल और खट्टे–मीठे सेब ही बिकेंगे। जगाधरी मंडी के आढ़ती प्रवेश बताते हैं कि अभी तुर्की के सेब को कोई पूछने वाला नहीं है।

विपक्ष के बयानों पर जोगाराम पटेल का पलटवार

सेना हमारी शान, झूठ बर्दाश्त नहीं

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर भारतीय सेना के मनोबल को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां सेना के पराक्रम और देश की अखंडता के खिलाफ नकारात्मक और झूठी बातें फैलाकर गलत काम कर रही हैं। सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करने में अदम्य साहस दिखाया है, जिस पर पूरे देश को गर्व होना चाहिए।

पटेल ने विपक्षी नेताओं के हालिया बयानों पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा, ऐसे बयान पीड़ित परिवारों के दर्द को और बढ़ाते हैं। पीड़ित परिवारों ने स्वयं बताया है कि आतंकियों ने कायराना हरकत की। यह कहना कि धर्म के आधार पर गोली मारी गई, पूरी तरह गलत और अस्वीकार्य है। विपक्ष से अपील की कि वे मजहब के नाम पर इस तरह की संवेदनशील घटनाओं को गलत तरीके से पेश न करें।

कानून मंत्री ने समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव के एक बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें कथित तौर पर सेना के एक अधिकारी को जातिसूचक शब्दों से संबोधित किया गया था। पटेल ने इसे 'निंदनीय' करार देते हुए कहा, सेना पर पूरे देश को गर्व है। उस पर सवाल उठाना या किसी अधिकारी को अपमानित करना इस देश में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जोधपुर में औद्योगिक इकाइयों पर कार्रवाई

प्रदूषण मानकों के उल्लंघन पर संयंत्र सील, बिजली कनेक्शन काटे जाएंगे

जोधपुर, 16 मई (एजेंसियां)। क्षेत्रीय अधिकारी (जोधपुर शहर) के आदेश की अनुपालना में क्षेत्रीय अधिकारी कामिनी सोनगरा, कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता पूजा चौधरी एवं कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी जितेन्द्र सारस्वत द्वारा जोधपुर शहर की औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मैसर्स वर्धमान इंडस्ट्रीज में 12 जीगर, 01 मिनी बॉयलर आर.एस.पी.सी.बी. की एन.ओ.सी. से अधिक पाए गए। इसी प्रकार मैसर्स भवानी इंडस्ट्रीज में भी आर.एस.पी.सी.बी. की एन.ओ.सी. से अधिक प्लांट एवं मशीनरी पाई गई।

पूर्व में इन इकाइयों को 7 दिवस का नोटिस जारी किया गया था। नोटिस की अनुपालना न करने एवं अतिरिक्त प्लांट एवं मशीनरी नहीं हटाने पर जल अधिनियम की धारा 31 'अ' एवं वायु अधिनियम की धारा 33 'अ' के अंतर्गत दिनांक 6 मई 2025 को इकाइयों को बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही, जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को इन इकाइयों के बिजली कनेक्शन काटने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के निर्देशानुसार दोषी पाई गई इकाइयों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जा रहे हैं तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) के आदेशों की निरंतर अनुपालना सुनिश्चित की जा रही है।

भरतपुर के डीग में सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान 1 की मौत, 4 गंभीर

भरतपुर, 16 मई (एजेंसियां)। संभाग के डीग जिले में एक बेहद गंभीर और दुखद हादसा हुआ है, जो न केवल मजदूरों की जान जोखिम में डालने वाली खामियों को उजागर करता है, बल्कि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की ओर भी सवाल उठाता है। एक सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान पांच मजदूर जहरीली गैस के संपर्क में आ गए और टैंक के अंदर फंस कर बेहोश हो गए। इस हादसे में एक मजदूर की जान चली गई जबकि चार अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है।

यह घटना डीग शहर के मिडिल स्कूल वाली गली में रहने वाले नरेश जैन के घर पर हुई। नरेश जैन के सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए पाँच सफाई मजदूर नीचे उतरे थे। टैंक के भीतर जहरीली गैस के कारण सभी मजदूर बेहोश हो गए। घटना तब सामने आई जब किसी मजदूर ने बाहर आवाज दी, जिसके बाद आसपास के लोगों को जानकारी मिली। स्थानीय लोगों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद सभी पांच मजदूरों को बाहर निकाला गया। इस दर्दनाक हादसे में रोहित नामक एक सफाई कर्मचारी की मौत हो गई।

सहज, सरल मनोज माथुर हमेशा याद रहेंगे : देवनानी

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राष्ट्रवादी विचारधारा के सहज, सरल व्यक्तित्व के धनी मनोज माथुर जैसे जागरूक पत्रकार को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका असमय चले जाना हम सभी मित्रगण, पत्रकार और पारिवारिक सदस्यों के लिए बहुत कष्टकारी है। मनोज माथुर के आदर्शों के अनुरूप पत्रकार आगे बढ़े, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। माथुर के लिए पत्रकारिता जौवन का आधार थी।

देवनानी शुक्रवार को यहां नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब के सभागार में मनोज माथुर फाउण्डेशन द्वारा आयोजित मनोज माथुर अवार्ड समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारम्भ किया। देवनानी ने मनोज माथुर फाउण्डेशन को एक लाख रुपये धनराशि उनकी और से दिये जाने की घोषणा की। समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारिता में उत्कृष्टता को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रदान किये गये अवार्ड पुरस्कारों की सराहना की।

समारोह में मनोज माथुर के जीवन पर आधारित वृत्त चित्र दिखाया गया।

समारोह में देवनानी ने प्रिन्ट मीडिया में अवधेश आकोदिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में महेश दाधीच और डिजिटल मीडिया में सौरभ भटट को मनोज माथुर अवार्ड प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार ओम सैनी थे। स्व. मनोज माथुर की पत्नी सुलक्षणा माथुर ने अतिथिगण और पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का पौधा भेंट कर अभिनन्दन किया।

देवनानी ने कहा कि पत्रकारों की भूमिका लोकतंत्र में महत्वपूर्ण होती है। पत्रकार जगत से जुडे हुए उन्हें भी 50 वर्षों से अधिक समय हो गया है। पत्रकार जगत सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की आजादी के समय भी पत्रकार जगत ने राष्ट्र में देश भक्ति की को जगाये रखा। उन्होंने कहा कि नारद पत्रकारिता के जनक थे। वे संवाद के संवाहक थे। श्री देवनानी ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर मिशन को पत्रकारों ने राष्ट्रवाद की भावना के अनुरूप प्रसारित किया, यह अभिन्दनीय है।

देवनानी ने कहा कि आज भारत की विश्व में विशेष पहचान बनी है। भारत को बढ़ता हुआ अन्य देश नहीं देख पा रहे है। अन्य देशों की नजरों में भारत के प्रति खटखटाहट ही हमारे देश की ताकत है।

बिहार में आधी आबादी के लिए पिंक बस सेवा का शुभारंभ

सीएम नीतीश ने महिलाओं को दी 20 बसों की सौगात

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव से पहले आधी आबादी को बड़ी सौगात दी है। राज्य की महिला के लिए पिंक बस की सेवा का शुभारंभ हो चुका है। पहले चरण में 20 पिंक बस की सेवा राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया में शुरू की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए 20 पिंक बसों एवं राज्य अन्तर्गत 166 डिलक्स बसों के परिचालन का लोकार्पण किया। परिवहन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एक अणे मार्ग से मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। मुख्यमंत्री ने बसों को रवाना करने के पूर्व बसों का निरीक्षण किया और उसमें उपलब्ध कराये जानेवाली सुविधाओं की जानकारी ली।

परिवहन विभाग मंत्री शीला कुमारी ने बताया कि बिहार में महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाया गया यह महत्वपूर्ण कदम है जिसके तहत 20 पिंक बसों का परिचालन शुरू किया गया है। इससे महिलाओं का सफर सुरक्षित और आरामदायक होगा और उन्हें आवागमन में काफी सहूलियत होगी। राज्य के विभिन्न जिलों के लिए 166 डिलक्स बसों का परिचालन शुरू किया गया है। इससे राज्य के अंदर यात्रियों का विभिन्न जगहों पर आना-जाना सुगम होगा। साथ ही उनका सफर आरामदायक होगा।

परिवहन विभाग मंत्री शीला कुमारी ने बताया कि पिंक बस सेवा न केवल महिलाओं को एक सुरक्षित यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी, बल्कि यह सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्व-पूर्ण कदम है। इससे महिलाओं के आत्मविश्वास और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में पिंक बस सेवा का विस्तार अन्य शहरों में भी किया जाएगा।

पिंक बसों का परिचालन बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा किया जाएगा। प्रथम चरण में 20 पिंक सीएनजी मिनी बसें आ चुकी हैं। 20 बसों में से आठ बसों का परिचालन पटना, चार मुजफ्फरपुर, दो-दो भागलपुर, गया, दरभंगा और पूर्णिया में पिंक बसों का परिचालन नगर बस सेवा के तहत किया जाएगा।

दूसरे चरण में 80 पिंक बसों का परिचालन किए जाने की योजना है। इसी शुरुआत भी जल्द हो जाएगी।

सदर अस्पताल में आईसीयू इंचार्ज की मौत के बाद बवाल

स्वास्थ्यकर्मियों ने किया हड़ताल, ओपीडी सेवा ठप

पटना (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी सदर अस्पताल में आईसीयू इंचार्ज आशीष शर्मा की मौत के बाद बवाल मच गया है। स्वास्थ्यकर्मियों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया और हड़ताल पर चले गए।

इस कारण ओपीडी सेवा ठप पड़ गई है। वहीं परिजन राजस्थान से आशीष का शव लेने पहुंचे हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वह इस घटना को हत्या बता रहे हैं।

बताया जा रहा है कि गुरुवार को आशीष ने अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। हालांकि आशीष के गले पर बने निशान और पैर जमीन से सटे होने के कारण स्वास्थ्यकर्मी और परिजन इस मामले को संदिग्ध मान रहे हैं। वह पुलिस इस मामले की निष्पक्ष जांच करे।

इधर, परिजनों के पहुंचते ही अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई। उधर, घटना के बाद से ही अस्पताल के एएनएम और जीएनएम कर्मी हड़ताल पर हैं। इनका आरोप है कि आशीष समेत कई कर्मचारी सदर अस्पताल के उपाधीक्षक सुधा कुमार के व्यवहार से मानसिक रूप से परेशान थे। कर्मियों ने बताया कि घटना से कुछ देर पहले आशीष के साथ बुरा व्यवहार किया गया था, जिससे वह काफी तनाव में थे। इसी के विरोध में अस्पताल कर्मियों ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी है। उनकी मांग है कि उपाधीक्षक को तत्काल पद से हटाया जाए और निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

इधर, हड़ताल की वजह से अस्पताल की ओपीडी सेवा पूरी तरह बाधित हो गई है। इलाज के लिए आने वाले मरीजों को लौटना पड़ रहा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अस्पताल में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

तीन मासूम बहनों की आग में दर्दनाक मौत, मोतिहारी में फैली सनसनी

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी के नरकटिया गांव में एक बहुत ही दुखद घटना हुई है। खाना बनाते समय आग लगने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। ये तीनों बच्चियां सगी बहनें थीं। वह अपनी मां के साथ मम्हर आई थीं। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले रामबाबू साह की पत्नी ममता अपने तीन बच्चों को लेकर अपने मायके आई थीं। खाना बनाते समय चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गई। तेज हवा की वजह से आग तेजी से फैल गई और पूरा घर जल गया। घर के लोग कुछ कर पाते उससे पहले आग बेकाबू हो गई। इस आग में तीनों बच्चियां फंस गई और उनकी मौत हो गई। इसके अलावा, आधा दर्जन से ज्यादा मवेशी भी जलकर मर गए। घटना के बाद पूरा इलाका स्तब्ध और दुखी है।

स्थानीय लोगों की खबर मिलने के बाद फायर ब्रिगेड आई और काफी मेहनत के बाद आग बुझाई गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और तीनों बच्चियों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों के परिवार वालों ने प्रशासन से मुआवजा और मदद मांगि है। घटना के बाद परिजन बहुत रोए और उनका हाल बहुत बुरा हो गया। इस दुखद घटना के बाद पूरा गांव शोक में डूब गया है। स्थानीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी घटना की जानकारी लेकर मौके पर गए और स्थिति का जायजा लिया।

उपेंद्र कुशवाहा ने उठाई मांग

कर्नल सोफिया के प्रति अमर्यादित टिप्पणी करने वाले पर हो कार्रवाई

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

केंद्र की सत्ता में शामिल एनडीए गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) ने भाजपा के खिलाफ बड़ा बयान दिया है। पार्टी ने मांग की है कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह पर कार्रवाई हो, क्योंकि उन्होंने भारतीय सेना की ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ गलत और अपमानजनक बात कही है। कर्नल सोफिया ने पाकिस्तान के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की अगुवाई की थी।

आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने गुरुवार शाम औरंगाबाद में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मंत्री का बयान बहुत ही शर्मनाक है और इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान कोई भी दे, उस पर जरूर कार्रवाई होनी चाहिए और भाजपा को इसमें सख्त कदम उठाना चाहिए।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में जो बयान दिया है, वह बहुत ही आपत्तिजनक और गैर जिम्मेद-राना है। ऐसा बयान देने की किसी को भी इजाजत नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया भारत की बेटी हैं और हम सबको उन पर गर्व है। उनके खिलाफ कोई भी गलत बात कही जाती है तो उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा को इस मामले में जरूर कदम उठाना चाहिए।

भाजपा द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के बाद 'तिरंगा यात्रा' निकालने पर पूछे गए सवाल पर कुशवाहा ने कहा कि हर राजनीतिक पार्टी को अपने कार्यक्रम करने का हक है। भाजपा भी चुनाव से पहले अपना कार्यक्रम कर रही है, इसमें कोई बुराई नहीं है।

चुनाव से पहले सभी पार्टियां ऐसे इवेंट करती हैं। जो लोग भाजपा की आलोचना कर रहे हैं, वे भी अपने कार्यक्रम कर सकते हैं। उन्हें कोई रोक नहीं रहा है। राहुल गांधी भी बिहार में चुनाव को लेकर अपना कार्यक्रम कर रहे हैं, तो यह सब सामान्य बात है और ऐसा होना चाहिए।

वर्दी की हनक दिखा रहे थानेदार ने रची थी साजिश

डीजीपी के संज्ञान में आते ही पलट गई बाजी, हुए निलंबित

भागलपुर (एजेंसियां)।

पुलिस मुख्यालय की सख्ती के बावजूद जिलों में पदस्थापित कुछ थानेदार और पुलिसकर्मी वर्दी की हनक दिखाते हैं, लेकिन साथ ही साथ मामले का उजागर होने पर कार्रवाई भी की जाती है। इसी तरह के एक मामले में भागलपुर जिले के सुल्तानगंज थानेदार पर कार्रवाई की गई है। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार के आदेश पर सुल्तानगंज थाना के पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल को लाइन हाजिर कर दिया गया हैं।

मंगलवार को पीड़िता ने पुलिस महानिदेशक विनय कुमार से सुल्तानगंज थाना के पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल के खिलाफ शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगायी थी। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांड संख्या 210/21 के तहत रात करीब 12 बजे सुल्तानगंज थाना के थानाध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल विपक्षी पार्टी सुभाष पोद्दार के साथ आर्थिक लाभ लेकर विपक्षी पार्टी को राहत

पहुंचाया। सुभाष पोद्दार के साथ थानाध्यक्ष पीड़िता के घर पर आये और दरवाजा खोलने के लिए कहा, लेकिन जब तक घर वाले दरवाजा खोलते उससे पहले विवेक जायसवाल ने एक सिपाही को सहारा देते हुए दीवार फंदा दिया।

पुलिस के अंदर कूदने से पहले ही पीड़ित मुकेश राय की पत्नी ने गेट खोल दिया। अब तक की सारी गतिविधि सीसीटीवी में कैद हो गया। पीड़िता ने यह भी बताया कि उसके साथ 18 सितंबर 2021 को आगजनी की गई थी, जिसमें मुकेश राय की दो बेटियां झुलस गई थी। इस मामले में मुख्य रूप से सुभाष पोद्दार, आलोक शर्मा, उत्तम चौधरी, गुड्डू शर्मा, संगीता देवी और अनीता देवी को आरोपी बनाया था। सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि दूसरे पक्ष का आरोपी सुभाष पोद्दार के साथ थानेदार विवेक कुमार जायसवाल मुकेश राय के घर पर पहुंचे और सुभाष पोद्दार घर दिखाकर वहां से निकल गया।

पीड़िता का आरोप है कि जब घर वालों ने इस तरह दीवार फांदने पर आपत्ति जाहिर की तब पुलिसकर्मियों द्वारा गाली गलौज और दुर्व्यवहार के साथ हाथापाई भी की गई। उक्त महिला द्वारा यह पूछे जाने पर कि मेरे पति कोई आतंकवादी हैं या किसी नक्सली गतिविधि से जुड़े हुए हैं या कोई पाकिस्तानी एजेंट है? ऐसी क्या नौबत आ गई कि पुलिस को देर रात लगभग 12 बजे चहारदीव-ारी को फांदना पड़ा। इसके जवाब में पुलिस ने जो अमानवीय हरकत की उसे बयां नहीं किया जा सकता। पीड़िता ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने लड़कियों के साथ भी बदसलूकी की। उन्होंने बताया कि विरोध करने पर इंस्पेक्टर ने कहा कि आपके घर में लगा हुआ सीसीटीवी का बेकअप कितने दिनों का है? डीवीआर कहाँ है यह बताईये। उन्होंने फ़ौरन साथ आये पुलिसकर्मियों को आदेश दिया कि इनका डीबीआर जब्त कर लो। लेकिन घर वालों ने उससे पहले ही डीबीआर को सुरक्षित जगह पर महफूज कर दिया।

घटना के संबंध में पीड़ित मुकेश राय का कहना है कि विवेक जायसवाल ने उनका गिरहबान पकड़ कर जमीं पर पटक दिया और कहा गया कि तू वरीय अधिकारियों की हनक देता है? उसके इस हरकत का विरोध करने पर मुकेश राय को सिपाही ने बंदूक के कुंदे से भी मारा। मौके पर मौजूद जांच अधिकारी नीरज कुमार ने भी गाली गलौज किया। पुनः विवेक जयसवाल मुकेश राय को गाली गलौज करते हुए थाना ले गया। इस दौरान थानेदार ने कहा कि तुम्हारी फाइनल रिपोर्ट मुझे ही सुपुर्द करना है।

पीड़िता ने पटना में डीजीपी से शिकायत करते हुए कहा था कि कांड संख्या 210/21 के तहत पूर्व के अनुसंधान पदाधिकारी ने 452, 341, 323, 435, 504 और 34 दफा लगाया, लेकिन थानाध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल के इशारे पर अनुसंधानकर्ता नीरज कुमार ने 435 को बदलकर 436 कर दिया और फिर साजिश के तहत रात के अँधेरे में थानाध्यक्ष ने मुकेश राय को बिना वारंट के गिरफ्तार कर अगले दिन जेल भेज दिया। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे पिता को 41 का लाभ नहीं देकर उन्हें जेल भेज दिया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि पिता जी के जेल से निकलते ही अगले दिन फिर अनुसंधानकर्ता नीरज कुमार फिर घर पर पहुंचा और केस में अपनी संलिप्तता स्वीकार करने की धमकी देने लगा।

राष्ट्रीय जनता दल ने तेज प्रताप यादव को हाशिए पर रखा : मंत्री

हाजीपुर (एजेंसियां)।

हाजीपुर पहुंचे बिहार सरकार के मंत्री जीवेश कुमार ने तेज प्रताप यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि तेज प्रताप देश के प्रधानमंत्री से अपील कर रहे हैं कि वह सीमा पर जाकर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध लड़ने दें। तेज प्रताप एक फाइटर हैं और वह अपने अधिकार के लिए बहुत जल्द अपनी पार्टी में ही फाइट करेंगे। राष्ट्रीय जनता दल परिव-ारवाद की पार्टी है और इसमें असली वारिस कौन है? तेज प्रताप यादव असली वारिस हैं।

मंत्री जीवेश कुमार ने कहा- 'बरसों से राजा-महाराजा के समय से परिवार का उत्तराधिकारी युवराज कौन होता था? उस घर के बड़े लड़के को युवराज उत्तराधिकारी बनाया जाता था। राष्ट्रीय जनता दल का असली वारिस कौन है? तेज प्रताप यादव के साथ लालू परिवार ने धोखा किया है। तेज प्रताप यादव को हाशिए पर रखा गया है। वह सक्षम नेतृत्व वाले व्यक्ति हैं। उनको अपना उत्तराधिकारी लालू यादव को बनाना चाहिए था।

लालू यादव के परिवार ने उनके साथ धोखा किया है। आज नहीं तो कल तेज प्रताप यादव को मैदान में आकर अपना हक मांगना पड़ेगा।

मंत्री ने कहा कि दिनकर ने लिखा है, अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महादुष्कर्म है। न्यायार्थ अपने बंधु को भी दंड देना धर्म है।' किसी ध्येय पर कौरव और पांडव का रण हुआ, जो भव्य भारत की कल्पना का कारण हुआ। इसलिए तेज प्रताप को आज नहीं तो कल युद्ध करना ही पड़ेगा, अपने घर के अंदर, अपने अधिकार के लिए, अपनी मांग के लिए, अपने व्यक्तित्व के लिए। युद्ध अपने अधिकार की लड़ाई लड़नी होती है। किसी जमाने में कौरव और पांडव के बीच हुआ था, वैसे ही इस जमाने में तेज प्रताप यादव को अपने को स्थापित करने के लिए करना पड़ेगा। अब वह कितना देर कर रहे हैं, यह उनकी मर्जी है। हम लोग तो नहीं चाहेंगे कि ऐसा कुछ हो। कौरव और पांडव कौन होंगे, हम नहीं जानते, यह तो तेज प्रताप को तय करना है।

तेजस्वी यादव द्वारा पाकिस्तान में तिरंगा यात्रा निकालने के सवाल पर बिहार सरकार के मंत्री ने कहा कि वह आगे बढ़ें, हम उनके साथ हैं। हम पार्टी लाइन से अलग हटकर उनके साथ पाकिस्तान चलेंगे। कौन जाएगा, कौन नहीं जाएगा, यह मैं नहीं जानता, लेकिन मैं जरूर जाऊंगा। मंत्री कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हाजीपुर पहुंचे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com